www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024 आश्विन शुक्ल 02, संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ वर्ष : 2, अंक : 176 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शारदीय नवरात्र

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला-कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

धैर्य, संयम और तप की मूर्ति हैं भगवती ब्रह्मचारिणी. ये जगदंबा दुर्गा के दूसरे विग्रह के रूप में जानी जाती हैं. शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन 4 अक्टूबर को माता ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाएगी. ब्रह्मचारिणी के ब्रह्म शब्द का अर्थ तपस्या और चारिणी का अर्थ है आचरण करनेवाली. इस प्रकार ब्रह्मचारिणी का अर्थ है तप का आचरण करनेवाली. मां ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र धारण करती हैं. उनके एक हाथ में कमंडल है तो दूसरे में अक्षमाला. मान्यता के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्वसिद्धि प्राप्त होती है. आदिशक्ति ने पर्वतराज हिमालय की पुत्री के रूप में अवतार लिया था, जिसे पार्वती कहा गया. पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के उद्देश्य से कठिन तपस्या की थी, जिससे उन्हें तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी की संज्ञा मिली. वे निराहार रह कर शिव की आराधना करती रहीं. इस क्रम में उन्होंने पत्ते तक खाना छोड़ दिया था, तब उन्हें अपर्णा कहा गया. भगवती दुर्गा के इस विग्रह का संदेश स्पष्ट है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए.

-डॉ. विनय कुमार पांडेय

10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

सेंसेक्स एक दिन में 1700 से ज्यादा और निफ्टी भी 500 अंक गिरा

एजेंसियां। मुंबई

गुरुवार को शेयर मार्केट में फिर से हाहाकार मच गया. निवेशकों के एक दिन में करीब 10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गया. सेंसेक्स में 1700 अंक से ज्यादा की गिरावट आई. वहीं निफ्टी भी 500 से ज्यादा अंक दिया. ऐसे में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में एक दिन में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई. इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव है. इस तनाव के चलते दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई. इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा.

गुरुवार को शेयर मार्केट की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स करीब 800 अंकों की गिरावट के साथ खुला. बाजार बंद होने तक सेंसेक्स 1769.19 अंक गिरकर 82,497.10 पर बंद हुआ. वहीं निफ्टी 546.80 अंक गिरकर 25,250.10 पर बंद हुआ. इस हफ्ते यह तीसरा दिन है जब शेयर मार्केट में गिरावट आई. सोमवार को सेंसेक्स में 1200 से ज्यादा अंकों की गिरावट आई थी. मंगलवार को भी इसमें थोड़ी सी गिरावट आई. बुधवार को गांधी जयंती के कारण मार्केट बंद थी. गुरुवार को फिर से गिरावट आ गई. गुरुवार को जेएसडब्ल्यू स्टील को छोड़ सभी स्टॉक नुकसान में रहे. सबसे ज्यादा नुकसान एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स के शेयरों में दिखाई दिया. इनमें 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई. वहीं रिलायंस, मारुति और एशियन पेंट्स ऐसे रहें जिनमें गिरावट 4 फीसदी से कुछ ही नीचे रही. जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर में गुरुवार को एक फीसदी से कुछ ज्यादा की तेजी देखने को मिली.

शेयर मार्केट में गिरावट के 5 कारण

1. ईरान-इजराइल के बीच तनाव : *ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहा तनाव दुनियाभर के शेयर मार्केट पर भारी पड़ रहा है. इजराइल पर ईरान बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर रहा है. वहीं इजराइल ने लेबनान में भी हमला बढ़ा दिया है. इस हमले के कारण बाजार में डर का माहौल है.*

2. कच्चे तेल की बढ़ती कीमत : मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते इसका असर कच्चे तेल की कीमत पर पड़ा है. कच्चे तेल की कीमत बढ़कर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है. जानकारों के मुताबिक इजराइल अपने जवाबी हमले में ईरान के ऑयल फील्ड्स को निशाना बना सकता है. अगर ऐसा होता है तो भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऑइल की सप्लाई का असर पड़ेगा. इससे महंगाई बढ़ने का डर है.

3. चीन का प्रोत्साहन पैकेज : भारत में निवेशक चीनी शेयरों के फिर से उभरने को लेकर चिंतित हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में खराब प्रदर्शन किया है. पिछले हफ्ते चीनी सरकार ने आर्थिक प्रोत्साहन के बारे में कहा था. चीन सरकार की इस घोषणा के बाद विश्लेषकों ने चीनी शेयरों में निरंतर तेजी की भविष्यवाणी की है. इससे विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल कर चीनी मार्केट में लगा रहे हैं.

4. एफ एंड ओ पर सेबी की ओर से उठाए कदम : मार्केट रेगुलेटर सेबी ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस को लेकर नियमों में बदलाव किया है. सेबी के मुताबिक 20 नवंबर से कॉन्ट्रैक्ट साइज के नियम लागू होंगे. हर एक्सचेंज में एक हफ्ते में सिर्फ एक ही वीकली एक्सपायरी होगी. वहीं, 1 फरवरी से ऑप्शंस बायर्स के लिए अपफ्रंट प्रीमियम और कैलेंडर स्प्रेड जैसे बेनिफिट को खत्म कर दिया जाएगा. इन नए नियमों का असर भी मार्केट में पर दिखाई दिया.

5. शेयर मार्केट का ऊंचा वैल्यूएशन : *शेयर मार्केट के काफी जानकारों का मानना है कि शेयर मार्केट का इस समय वैल्यूएशन काफी ऊंचा है। मार्केट में काफी समय में बहुत तेजी आ रही है जो अच्छी नहीं है। जानकारों के मुताबिक भारतीय शेयर मार्केट की वैल्यूएशन ज्यादा होने से इसमें बड़ी गिरावट की आंशका हमेशा बनी हुई है। यह गिरावट भी इसी का हिस्सा है। जानकारों के मुताबिक ऐसी गिरावट बहुत जल्दी कवर भी हो जाती है।*

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.2	25.6
जमशेदपुर	35.6	25.6
डालटनगंज	33.4	25.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,500
चांदी (किलो)	94,000

ब्रीफ खबरें

मोदी कैबिनेट का फैसला: रेलवे कर्मियों को 78 दिन का बोनस

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी सरकार ने त्यौहारी सीजन में रेलवे के कर्मचारियों को बड़ा गिफ्ट दिया है. गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 11,72,240 रेलवे कर्मियों को 2028.57 करोड़ के 78 दिनों के बोनस के भुगतान को मंजूरी दी गई है. यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेलकर्मियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप एक्ससी कर्मचारियों को दी जाएगी. केंद्र के इस फैसले से कुल 11,72,240 कर्मचारियों को फायदा होगा, जबकि रेलवे में 58,642 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है.

हरियाणा में भाजपा को झटका अशोक तंवर कांग्रेस में शामिल

सोनीपत। विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा में भाजपा को गुरुवार को बड़ा झटका लगा. पूर्व सांसद अशोक तंवर ने महेंद्रगढ़ के गांव बवानिया में कांग्रेस ज्वाइन कर ली. राहुल गांधी ने उन्हें कांग्रेस पार्टी का पटका पहना कर स्वागत किया. अशोक तंवर हिसार से लोकसभा सांसद और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं. उन्होंने 5 अक्तूबर 2019 को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद वे आप में शामिल हो गए थे. वे आप के हरियाणा चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष थे. फिर उन्होंने आप भी छोड़ दी थी. आप से इस्तीफा देने के पीछे का कारण कांग्रेस-आप के गठबंधन को बताया था. इसके बाद जनवरी 2024 में तंवर भाजपा में शामिल हो गए थे. भाजपा ने लोकसभा चुनाव में उन्हें सिरसा से टिकट दिया था. वे हार गए थे.

सीएम हेमंत ने राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का किया उद्घाटन, फेज दो की रखी आधारशिला, कहा

विकास में यह मील का पत्थर साबित होगा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड गठन के बाद पहली बार राज्य के बहुप्रतीक्षित ट्रांसपोर्ट नगर की बड़ी सौगात दी. मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कांके सुकुरहुटू रिंग रोड के निकट 113.24 करोड़ और 40.68 एकड़ भूमि में निर्मित ट्रांसपोर्ट नगर फेज वन का उद्घाटन रिंग रोड आईटीबीपी कैंप सुकुरहुटू में किया. इसके शुरू हो जाने से अब शहर में बड़े एवं छोटे माल वाहक वाहनों का प्रवेश नहीं होगा और जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी. रिंग रोड से आकर यहां ठहराव होगा और फिर रिंग रोड के सहारे सभी वाहन अपने गंतव्य स्थान की ओर निकल जाएंगे. नया ट्रांसपोर्ट नगर अपनी तय अवधि 24 माह में बन कर तैयार हो गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले 18 महीने में तैयार होने वाले ट्रांसपोर्ट नगर फेज दो की भी भूमि पूजन के साथ आधारशिला रखी. जिसकी कुल लागत 57.82 करोड़ रुपए है. यह कुल 9.12 एकड़ भूमि पर बनेगा. इस मौके पर नगर विकास एवं भवन निर्माण विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, सांसद डॉ. महुआ माजी, विभागीय सचिव सुनील कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे.

- मुख्यमंत्री ने दी राजधानीवासियों को सौगात, शहर में प्रवेश नहीं करेंगे अब बड़े वाहन

मेन रोड की तरह सुकुरहुटू का भी विकास होगा : इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रांसपोर्ट विकास की एक कड़ी है. आने वाले दिनों में यहां और कई चीजें होगी. कई और आयाम जुड़ेंगे. अब झारखंड में ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों का ये स्थाई ठिकाना हो गया. कई बड़े वाहन संकरी सड़कों पर जाते हैं. जिससे जाम की समस्या होती है. दुघर्टानाएं होती हैं. अब न आम लोगों को दिक्कत होगी न ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोगों को दिक्कत होगी. बहुत जल्द हम प्रयास करेंगे कि जैसे कचहरी और मेन रोड को देखते हैं, उसी तरह से सुकुरहुटू का भी विकास हो जाए. शहर के विस्तार के लिए यह ट्रांसपोर्ट नगर मील का पत्थर साबित होगा. यहां से छोटी-छोटी गाड़ियों में सामान लादकर शहर के अंदर लाद कर ले जाया जाएगा. मैंने यह अनुभव किया है कि अक्सर दूसरे राज्यों से जो ट्रक आते है, वो शहर में रास्ता भटक जाते हैं. मगर ये स्थान न रांची के लोग भूलेंगे न ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोग. इस क्षेत्र में रहने वाले सभी नागरिकों और ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई और जोहार करते हैं.

ट्रांसपोर्ट नगर की विशेषता

- ट्रांसपोर्ट नगर में कहीं भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है.
- पत्थर की इको फ्रेंडली गैबियन वॉल से ट्रांसपोर्ट नगर बनाया.
- जुडको की देखरेख में हैदराबाद की केएमवी प्रोजेक्ट्स ने ट्रांसपोर्ट नगर में एकीकृत भवन व दो वेयर हाउस का निर्माण किया है.
- तीन तल्लों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए तीन स्तर का प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है.
- जी प्लस 3 भवन में 16 ऑफिस बने हैं. बाहर से आने वाले वाहनों के माल की अनलोडिंग के लिए दो लेवल का वेयर हाउस है.

- शेष पेज 07 पर

आज सीएम हेमंत 3264 करोड़ की देंगे राज्य को सौगात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य में रोड कनेक्टिविटी बढ़ाने और जाम की समस्या से मुक्ति के लिए एक साथ कई योजनाओं पर काम कर रहे हैं. इसी दिशा में मुख्यमंत्री शुक्रवार को राज्य को 3264 करोड़ रुपए की बड़ी सौगात देने जा रहे हैं. जिसके तहत तीन कनेक्टिंग एलिवेटेड फ्लाईओवर सहित कई फोर लेन सड़कें और पुल, आरओबी की 31 योजनाओं की आधारशिला रखेंगे. वहीं मुख्यमंत्री सोरेन चार अक्टूबर को रांची के बहुप्रतीक्षित कांटा टोली फ्लाईओवर रांची की जनता को सौपेंगे. इसके अतिरिक्त कई सड़कों का भी उद्घाटन होगा. जिसकी कुल लागत 792.10 करोड़ की होगी.

आज उद्घाटन होने वाले फ्लाईओवर और सड़क

- कांटा टोली फ्लाईओवर
- बिरसा चौक-धुर्वा गोल चक्कर फोन लेन स्मार्ट पथ
- कांके चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग आठ लेन पथ धनबाद
- अनगड़ा-हाहे, राहे पथ का पुनर्निर्माण

आज आधारशिला रखे जाने वाले फ्लाईओवर और सड़क

- सहजानंद चौक से जज कॉलानी तक फोर लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण (लागत 430.75 करोड़)
- बहु बाजार से पटेल चौक कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण (लागत 213.35करोड़)

- शेष पेज 07 पर

निम्न जातियों से सफाई सवर्णों से रसोई का काम

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: यह अनुच्छेद 15 का उल्लंघन, जेलों में तुरंत रोकें जातीय भेदभाव

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जाति आधारित भेदभाव से जुड़ी याचिका पर अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया. अदालत ने कहा कि जेल में निचली जातियों को सफाई और झाड़ू लगाने का काम सौंप कर और उच्च जाति को खाना पकाने का काम सौंप कर सीधे तौर पर भेदभाव किया जाता है और यह अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है. साथ ही शीर्ष अदालत ने कुछ राज्यों के जेल मैनुअल के भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया तथा जाति आधारित भेदभाव, कार्य बंटवारे और कैदियों को उनकी जाति के अनुसार अलग वार्डों में रखने की प्रथा की निंदा की. मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने जेलों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश भी जारी किए.

जाति आदि के आधार पर श्रम आवंटन की अनुमति नहीं : चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को कहा कि इस तरह की प्रथाओं से जेलों में श्रम का गलत बंटवारा होता है तथा जाति आदि के आधार पर श्रम आवंटन की अनुमति नहीं दी जा सकती. पीठ ने आगे कहा कि राज्य के नियमावली के अनुसार जेलों में हाशिए पर पड़े वर्गों के कैदियों के साथ भेदभाव के लिए जाति को आधार नहीं बनाया जा सकता. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों के जेल नियमावली में जाति-आधारित भेदभाव की प्रथा की निंदा की. अदालत ने कहा कि सभी जातियों के कैदियों के साथ मानवीय तरीके से और समान व्यवहार किया जाना चाहिए. कुछ वर्ग के कैदियों को जेलों में काम का सही बंटवारा मिलना अधिकार है.

सीवर टैंकों की सफाई की अनुमति पर कोर्ट ने क्या कहा : सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि कैदियों को खतरनाक परिस्थितियों में सीवर टैंकों की सफाई करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. पीठ ने जाति के आधार पर भेदभाव के मामलों से निपटने के लिए पुलिस को ईमानदारी से काम करने का आदेश दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य जेल मैनुअल के आपत्तिजनक नियमों को खारिज कर दिया. साथ ही राज्यों से तीन महीने के भीतर इनमें संशोधन करने का आदेश दिया. अदालत ने कहा कि किसी विशेष जाति से सफाईकर्मियों का चयन करना पूरी तरह से मौलिक समानता के विरुद्ध है.

क्या है मामला

बता दें, शीर्ष अदालत में दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि देश के कुछ राज्यों के जेल मैनुअल जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत 17 राज्यों से जेल के अंदर जातिगत भेदभाव और जेलों में कैदियों को जाति के आधार पर काम दिए जाने पर जवाब मांगा था. सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल जनवरी में कई राज्यों से जवाब मांगा था. हालांकि छह महीने बीतने के बाद भी केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया.

जनवरी में इस दलील पर दिया था गौर : अदालत ने इस साल जनवरी में महाराष्ट्र के कल्याण की निवासी सुकन्या शांता की याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों से जवाब मांगा था. न्यायालय ने इस दलील पर गौर किया था कि इन राज्यों के जेल नियमावली उनकी जेलों के अंदर काम के आवंटन में भेदभाव करते हैं और कैदियों की जाति से ही उनके रहने की जगह तय होती है. याचिका में केरल जेल नियमों का हवाला दिया गया था और कहा गया कि वे आदतन और फिर से दोषी ठहराए गए दोषी के बीच अंतर करते हैं. याचिका में दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल जेल संहिता में यह प्रावधान है कि जेल में काम जाति के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, जैसे खाना पकाने का काम प्रभावशाली जातियों द्वारा किया जाएगा और झाड़ू लगाने का काम विशेष जातियों के लोगों द्वारा किया जाएगा.

हंगामा है क्यों बरपा चर्चा ही तो छेड़ी है

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

लोस और विस के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा और इसके लिए आवश्यक समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा.

प्रसंगवश

इस समय एक देश एक चुनाव को लेकर चर्चा तेज है. इस पर विशेषज्ञ, राजनीतिक दल, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी अभिमत व्यक्त कर रहे हैं. यह विषय चर्चा में तब आया था जब 1982-83 में निर्वाचन आयोग ने लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया था. नरसिंह राव के कार्यकाल में विधि आयोग ने इसकी जरूरत बतायी थी. 2003 में गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर विचार करने का आग्रह किया था. लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी. इसकी गंभीर सुगबुगाहट नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में पुनः शुरू हुई. लेकिन जब 2019 में अपने चुनाव घोषणापत्र में भाजपा ने एक देश एक चुनाव का संकल्प शामिल किया, विधि आयोग से सुझाव मांग लिया गया और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी गई, तब यह साफ हो गया कि केंद्र सरकार इस बाबत गंभीर है. इस समिति ने लोकसभा चुनाव से पहले अपनी संस्तुति राष्ट्रपति को सौंप दी. कहा जा रहा है कि विधि आयोग ने सभी संभावित आशंकाओं और आपत्तियों के मद्देनजर जो रिपोर्ट सरकार को भेजी है, वह सरकार की मुश्किलें आसान कर सकती है. शायद इसी वजह से प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से एक देश एक चुनाव की घोषणा कर दी और अब कैबिनेट ने भी इस पर मुहर लगा दी है. संभावना व्यक्त की जा रही है कि संसद के शीत सत्र में इस संबंध में विधेयक पेश हो सकता है. राजनीतिक दलों की इस पर जिस लहजे में प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, उससे स्पष्ट है कि संसद में हंगामा होगा और सरकार इसे जेपीसी या प्रवर समिति के पास विचारार्थ भेज देगी. इस विधेयक को पास कराना सरकार के लिए भी आसान नहीं होगा. लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा और इसके लिए आवश्यक समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा.

संविधान कहता है कि लोकसभा का चुनाव समय (पांच साल) से पहले तभी हो सकता है जब सरकार बहुमत खो दे या प्रधानमंत्री लोकसभा भंग कर नये चुनाव की सिफारिश कर दें. इसी प्रकार विधानसभाओं के चुनाव भी समय (पांच साल) से पहले तभी होंगे जब सरकारें अल्पमत में आ जायें या मुख्यमंत्री विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर दें. लेकिन विधानसभाओं के चुनाव समय पूर्व तब भी कराये गये हैं और कराये जा सकते हैं जब केंद्र राज्य सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगा दे. केंद्र सरकारों ने अपने इस अधिकार (धारा 356) का बेशर्म इस्तेमाल किया है. इस मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड बहुत उम्दा है जो आज संविधान, संघीय ढांचा और लोकतंत्र की दुहाई दे रही है.

बहरहाल 1952 से 1967 तक तो लोकसभा के साथ विधानसभाओं के चुनाव होते ही थे. यदि तब हमारा संघीय ढांचा कमजोर नहीं हुआ तो अब कैसे होगा ? दूसरा सवाल यह है कि यह क्रम टूटा कैसे और इसे कमजोर किसने किया ? इसका पहला जवाब है इंदिरा गांधी ने. कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही उन्होंने 1959 में केरल की कामरेड नंबूदिरीपाद की सरकार की गर्दन धारा 356 की तलवार से उतारकर अपने पिता जवाहरलाल नेहरू को भेंट कर दी. इतना ही नहीं, उन्होंने लोकसभा की उम्र एक साल घटाया भी एक साल बढ़ाया भी. हुआ दरअसल यह कि 1962 के चुनाव के बाद 1964 में नेहरू जी और 1966 में शास्त्री जी चल बसे. इसके बाद दिग्गज कांग्रेसियों के होते हुए भी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बन गयीं. ऐसा क्यों हुआ, इस पर फिर कभी. 1967 में उनके नेतृत्व में कांग्रेस जीती और सरकार बनी. लेकिन 1969 आते-आते कांग्रेस टूट गई. मोरारजी देसाई, विजलिंगप्पा और कामराज आदि ने अलग कांग्रेस (संगठन) बना ली. इंदिरा जी को सरकार चलाने के लिए बाहरी समर्थन पर निर्भर होना पड़ा. इसी दौर में कालाबाजारी, अफसरशाही और कंट्रोल पॉलिसी ने देश को रसातल में पहुंचा दिया. सरकार खुद धन जुटा रही थी. इससे आजिज होकर इंदिरा गांधी ने 1971 में ही चुनाव करा दिया, जबकि नियमतः वह चुनाव 1972 में होना था. उस चुनाव में इंदिरा गांधी की पार्टी जीती.

- शेष पेज 07 पर

देश की विकास परियोजनाएं रोकना चाहते हैं 5 एनजीओ

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की जांच में मिलीभगत का खुलासा

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

भारत में कार्यरत पांच एनजीओ (ग़ैर-सरकारी संगठन) के ख़िलाफ़ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा हाल ही में की गई कार्रवाई से कई सनसनीखेज़ खुलासे हुए हैं, जिनमें से एक जानकारी यह है कि इनमें से दो एनजीओ ने अदालतों में याचिकाएं दाखिल कर देश में जारी आर्थिक और विकास परियोजनाओं में बाधा डालने का प्रयास किया, जिनमें अडानी समूह और जेएसडब्ल्यू के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं.

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से चार एनजीओ को पांच साल में 75 फ़ीसदी से ज़्यादा फ़ंडिंग विदेशों से मिली, जिसके चलते भारत में एनजीओ की गतिविधियां प्रभावित हुईं. एक जानकारी यह भी मिली थी कि इनमें से एक एनजीओ के अध्यक्ष अन्य एनजीओ के भी हिस्सेदार हैं. इंडियन एक्सप्रेस द्वारा की गई तफ़्तीश के अनुसार, पांच बड़े एनजीओ के ख़िलाफ़ की गई कार्रवाई के बाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने ये अहम आरोप लगाए थे. जिन एनजीओ के ख़िलाफ़ कार्रवाई की गई थी, उनमें देश का प्रमुख थिंकटैंक सेंटर फ़ॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) तथा मल्टीनेशनल कन्फ़ेडरेशन ऑक्सफ़ैम (ऑक्सफैम) भी शामिल हैं.

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 7 सितंबर, 2022 को ऑक्सफ़ैम, सीपीआर, एनवायरॉनिक्स ट्रस्ट (ईटी), लीगल इनिशिएटिव फ़ॉर फ़ॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट (लाइफ़) और केयर इंडिया सॉल्यूशन फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सीआईएसएसडी) के परिसरों की तलाशी लेने के बाद से जांच शुरू कर दी थी.

-शेष पेज 07 पर

इंडिया गठबंधन के घटक दल इस बात को लेकर चिंतित हैं कि चुनाव के बाद तोड़े जा सकते हैं उनके विधायक

विधानसभा चुनाव ही नहीं, चुनाव के बाद तोड़फोड़ की चिंता

संवाददाता । रांची

इंडिया गठबंधन दलों (झामुमो, कांग्रेस व राजद) के नेता गहरी चिंता में हैं. चिंता विधानसभा चुनाव को लेकर तो है ही. उससे भी बड़ी चिंता चुनाव के बाद की है. गठबंधन के नेताओं को उम्मीद है कि चुनाव में कुल मिलाकर बहुमत आ जाएगा, इस बात को लेकर निश्चिंत भी हैं, लेकिन अंदेशा यह है कि चुनाव के बाद कांग्रेस के विधायकों को तोड़ा जा सकता , ताकि इंडिया गठबंधन को बहुमत से दूर रखा जा सके. यही कारण है कि चुनाव से पहले ही हर

दूसरे दिन गठबंधन के किसी ना किसी विधायक के टूटने की खबर सोशल मीडिया पर आ जा रही है. कुछ न्यूज पोर्टल, यूट्यूब चैनल और अखबारों में भी ऐसी खबरें प्रचारित-प्रसारित हो जा रही हैं. इससे गठबंधन के नेता अपने ही विधायकों पर संदेह करने लगे हैं.

सूत्रों के मुताबिक गठबंधन के दलों में इस बात की गंभीर चर्चा हो रही है कि अगर कांग्रेस को पहले (2019) से कम सीटें आयीं, तो उनके विधायकों को तोड़ना आसान होगा. इस विधानसभा के कार्यकाल में भी कम से कम तीन ऐसे मौके आये हैं, जब कांग्रेसी विधायक दिल्ली की रवाना हुए. उनके टूटने की बात चली. हालांकि समय रहते सरकार तक सूचना पहुंच जाने की वजह से एक साथ 11-12 विधायकों को तोड़ना मुमकिन नहीं हो सका.

गठबंधन के नेताओं में सबसे अधिक चर्चा झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी व असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा को लेकर है. हिमंता ने जिस तरह चंपाई सोरेन को भाजपा में शामिल कराकर झामुमो को झटका दिया है, उससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि उसी तरह चुनाव के बाद कांग्रेसी खेमे में बड़ी टूट को अंजाम दिया जा सकता है. अभी जो कांग्रेस के विधायक हैं, उनमें से भी कई के टूटने की चर्चा और खबरें आती रहती हैं. इस कारण विधायकों के लिए विश्वास का भी संकट गहराता जा रहा है. एक-दूसरे को संदेह की नजर से देखा जाने लगा है. अब गठबंधन के नेता इस कोशिश में जुट गए हैं कि ना सिर्फ चुनाव जीतना है, बल्कि चुनाव बाद विधायकों को टूटने से भी रोकना है.

एक सवाल एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के बीच भी है. वह है सीट बंटवारे का. दोनों गठबंधन के घटक दल इस मुद्दे को लेकर आधा दर्जन से अधिक बैठकें कर चुके हैं. लेकिन अभी तक सीट शेयरिंग का फार्मूला तय नहीं हो पाया है. जम्मू-कश्मीर और हरियाणा चुनाव के नतीजे आने बाकी है. इन दो राज्यों में चल रहे चुनाव के नतीजे आने के बाद दोनों गठबंधनों के तेवर में और कामकाज में बदलाव आने तय हैं. संभव है चुनाव के लिए नए मुद्दे भी सुर्खियों में आयें. इसके बाद ही सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिये जाने की उम्मीद की जा रही है.

मैं भी कुश, वाह भाई वाह... ए भाई जरा देख के चलो, आगे-पीछे ही नहीं ऊपर-नीचे भी

संजय सिंह

चुनावी चकल्लस

जी हां ई पलामू की धरती है, जो दूसरो देने यानि केनियो रहेवाला लोगन के सीने से लगाईके सिर-आंखों पर बइठा लेती है. पहिले आरा जिला घर बा, कवन बात के डर बा वाला नया-नवेला नेताजी के सीने से लगाईक ऊपरे छानी पर चढ़ा दीहिस. अब छानिया पर चढ़ाती कइसे नहीं भाई, पुलिस अफसर थे, नेतई में उतरे तो गले लगाइबे न करेगी. ऊपरे से दामाद जी भी हैं. ससुरारी वालों ने तो नेताजी के अईसन गिफ्ट दीहिस कि पूछिए मत, सीधे दिल्लीए पहुंचा दीहिस. दामाद बाबू भी गदगद. ससुरारीवाले लोग दु-तीन बेर से दामाद बाबू परे तिनाका बेसिए ध्यान देले रहे, तो भला दामाद बाबू भी काहे न ससुरारी पर प्यार लुटाएंगे. वईसे पलामू के लोगबाग कहे लगीस हैं कि भाई दामाद बाबू के हमनी घरजमाई बना ले ली है. जमाई बाबू के मंत्री पद जरूर मिले के चाही. जनता-जनार्दन दांत निपोरले है, लेकिन ना जाने दामाद जी के किस्मतवा रुठ के केने घुसिया गईस है कि उनको न बुजा रहल है. ओने ऊनके अपने निजी ससुरारी वाले ऑरिजनल साला साहिब के किस्मतवा तो पहिले एकदम से चमचमाईल रहलई. खूबे सत्ता सुख भोगले हथीन, लेकिन बाद में दलबदलू के ठप्पा लगाईले जेने-तेने छिछियावे लगलथीन तो जनता जनार्दन भी मुंह फेर लीहिन. लेकिन अबकिर भाई लोग बता रहीन है कि खुद के टिकट ला ज्यादा परेशान ना हथुन, अब तो छुन्नी भइयाजी बेटवा लगी जेने-तेने छिथिया रहलथुन है. अब इहे पलामूआ में कोल्हान देने से एगो नेताजी तीर-धनुष लेले जबरियां पिछला चुनाउवा में टपक गईन. चलावे लगलथुन ठकुराई. ईहा के जनता-जनार्दन ठाकुर साहिब के आगे बढ़ के लोक लीहिन. ठाकुर सेहाबि के सीने से लगाईके भेज दीहिन विधानसभा. पहिला दफा भाई कोई पलामू से तीर-धनुष लेके सटीक निशाना साध दीहिस, तो मंत्री रूपी पुरस्कारो ठाकुर साहिब के भेंटा गईस. मंत्री पद मिले के बाद नेताजी के साथे साथ उनके लग्गू-भग्गू में बउरईनी ढुक गईस. फिरो का हलई, जनता-जनार्दन के अब खटकईत है. लेकिन ठाकुर साहिब पूरा जोर लगाईले हैं. बाबू-भइया, नाना-मुन्ना, चचा-चाची, दादा-दाही बोलले गोड़ परिया कईले घूम रहिन हैं. ठाकुर साहिब के तनिका आभास हो गईस है कि पासा पलटियो सकईत हे, तो तनिका ज्यादा हांफे पड़ रहलई हे. लेकिन ई हे पलामू में एगो अईसन इलाका भी हई, जहां के पांकी में अभी कमल खिलल हई. अब देखिए, ईहां के एगो कुशवाहा जी पहिले से ही सीटिंग हथीन, लेकिन उनका धकियावे लगी एगो कोल्हान ब्रांड नेताजी आचानके अवतरित हो गेलथून है. जेने-तेने घूम-घूम के पहिलका वाले शिक्षा के दुकान चलावे नेताजी के टेंशन दे रहलथून हे. शिक्षा दुकान वाले कमल ब्रांड नेताजी जी के तनिका ज्यादा ही भाग-दौड़ करे पड़ रहलई हे. अब कोल्हान ब्रांड नेताजी के जवानी में पंजा लड़वईया पार्टिया के छात्र विंगवा में धमा-चौकड़ी मचावे के अनुभव तो था हीं, तो सोच लीहिन कि काहे न खुदे राजनीति में किस्मतवा आजमाईल जाए. वईसे पंजा छाप की राजनीति के बाद अचानके लुप्त हो गईन. फिर मधु के मजा लेवे लगे, तो कुछ उनके करीबी के रूप में खूबे ख्याति पाए. केस-मुकदमा भी झेले पड़ गिया. लेकिन का कहल जाए, साहिब गीत गईले फिरे लगे, जो है नामवाला वहीं तो बदनाम है. केर ऊ सब से उबरे, लेकिन कोड़ा दंपत्ती का करीबी होवे का लेवल लगाईले घूमे लगे. दंपत्ती ला फील्ड सजाईते -सजाईते साहिब के दिमगवा में बइठ गईस कि जब ऊ लोग के पील्डवा सजाईए लेते हैं,. तो काहे न अपनेहुं लगी कुछ कईल जाए. बस पहिले मुफीद जगह तलाश लीहिन, अपन लग्गू-भग्गू लोगन के सहारे फील्ड भी तैयार कर लीहिन और पिछला दु महीना से पूरा इलाके के गींजे लगस हैं. वइसे ई नव अवतरित कुशवाहा महोदय चप्पा-चप्पा छान रहिन हैं. जेने-तेने छिछिया रहीन हैं. लोग के खूबे मददो कर रहीन हैं. पइसो पानी जईसन बहा रहीन हैं. खाद-बीच भी बंटवावे लगीन हैं. नेताजी अब कुशवाहा...फलाना जीके नाम से इलाका में वायरल हो रहे हैं. पोस्टर-बैनर से पूरा इलाके के पाट दीहिन हैं. खुद के कमल ब्रांड नेता घोषित करके पहिलका वाले कुशवाहा साहिब अउर शिक्षा के दुकान चालेवाला के पूरा टेंशन दे दीहिन हैं. अब देखिए आगे-आगे होता है क्या. ईहां तो दु गो कुशवाहा के टक्कर में कहीं सियारवन के चांदी न हो जाए. वईसे आवे वाला समय ही बताएगा कि किस कुशवाहा के अंटी में कितना ह दम. काहे कि ईहां टिकट हथियावे से लेकर चुनाव तक में अंटी ढीला करे पडेग़ी, ई तो तय है. वईसे ई कोल्हान ब्रांड कुशवाहा साहिब के लग्गू भग्गू लोगन गीत गईले है, ए भाई जरा देख के चलो, आगे-पीछे ही नहीं, ऊपर-नीचे भी देख के चलो.

हाथी मानव संघर्ष को रोकने के लिए ग्रामीणों की बसावट का होगा आकलन

मानव बसावट को हाथियों से दूर रखने के लिए उठाए जाएंगे कदम

- झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण को 12 करोड़ की राशि आवंटित

रवि भारती। रांची

हाथी मानव संघर्ष को रोकने के लिए वन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कार्ययोजना तैयार की है. वन प्रबंधन सुविधाओं के तहत ग्रामीणों की स्थिति का आकलन किया जाएगा. साथ ही मानव बसावट को हाथियों से दूर रखने के ठोस उपाए भी किए जाएंगे. इसके लिए वन विभाग सोलर लाइट की भी खरीदारी करेगा. इस कार्य योजना का सामाजिक अंकेक्षण पूर्व के तीन वर्षों का कराया. प्रतिष्ठित संस्थान से थर्ड पार्टी से मूल्यांकन भी कराया जाएगा. राज्य सरकार इस योजना की मॉनिटरिंग के लिए भारत सरकार के पैटर्न को भी अपनाएगी. योजना के निरीक्षण का प्रतिवेदन और भौतिक प्रगति हर माह की पांच तारीख को कार्यालय में समर्पित किया जाएगा.

हाथियों को रोकने के लिए बांस का होगा पौधरोपण : वन विभाग के अनुसार हाथियों के उत्पात को रोकने के लिए बांस के पौधे लगाए जाएंगे. विभाग इस योजना पर भी काम कर रहा है. वन विभाग ने तर्क दिया है कि हाथियों को बांस के पौधे पसंद है. इस कारण हाथियों के नेचुरल कॉरिडोर के दोनों ओर बांस के पौधे लगाए जाएंगे. क्योंकि हाथियों के कॉरिडोर से छेड़छाड़ करने पर

व्याघ्र-हाथी परियोजना के तहत खर्च किए जाएंगे दो करोड़

वित्तीय वर्ष 2024-25 में "व्याघ्र एवं हाथी परियोजना" के तहत 10 सेंचुरी के विकास और रखरखाव के लिए दो करोड़ 23 लाख 1500 रुपए खर्च किए जाएंगे. वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण को अनुदान योजना के तहत 12 करोड़ रुपए दिए जाने की स्वीकृति दी गई है. इसका भी सोशल ऑडिट पूर्व तीन वर्षों का कराया जाएगा. वित्तीय वर्ष 2024-25 से नियमित रूप से सोशल ऑडिट कराया जाएगा. थर्ड पार्टी इसका मूल्यांकन करेगी. साथ ही योजना के शत-प्रतिशत निर्धारित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य को प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाएगा.

पिछले पांच साल में हाथियों ने 480 लोगों की जान ली

झारखंड में पिछले पांच साल में हाथियों ने 480 लोगों की जान ले ली. केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 499, असम में 385 और पश्चिम बंगाल में 358 लोगों ने हाथियों के हमले में जान गंवाई है.

हाथियों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता है. वहीं सोलर इलेक्ट्रिक फेंसिंग से हाथियों का स्वभाविक रास्ता भी डिस्टर्ब हुआ है.

सतीघाट मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा

अध्यात्म और पर्यटन का अद्भुत संगम होगा महातीर्थ सतीघाट मंदिर : सुदेश

संवाददाता। रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि महातीर्थ सतीघाट मंदिर की पहचान को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित किया जाएगा. सतीघाट मंदिर हमारी आस्था का बड़ा केंद्र है. आने वाले दिनों में महातीर्थ सतीघाट मंदिर अध्यात्म और पर्यटन का अद्भुत संगम होगा. वे गुरुवार को सोनाहातु के पांडुडीह गांव में स्थित महातीर्थ सतीघाट मंदिर निर्माण के लिए आयोजित भूमि व शिला पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्नान घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया.

महातीर्थ सतीघाट मंदिर का निर्माण सैंड स्टोन से होगा

महातीर्थ सतीघाट मंदिर का निर्माण सैंड स्टोन से होगा. यह खास सैंड स्टोन मिर्जापुर से मंगाए जाएंगे. 3.94 एकड़ में फैले मंदिर परिसर में दो तोरण द्वार, स्नान घाट, मेला के लिए मैदान, सेंट्रल प्लाजा, एमपी थियेटर, विभिन्न तरह की दुकानें, हॉल, पार्किंग, पार्क, सड़कें, पानी, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था की जाएगी.

चुनाव की तैयारियों को लेकर पुलिस अफसरों का प्रशिक्षण आज

वरीय संवाददाता । रांची

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड पुलिस को चुनावी मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गयी है. झारखंड में आचार संहिता जल्द ही लग सकती हैं. इसे देखते हुए चार अक्टूबर (शुक्रवार) को सभी रेंज के डीआईजी और जिलों के एसपी के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. चुनाव आयोग के निर्देश पर धुर्वा स्थित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम दिन के 11 बजे से शाम के 5.15 बजे तक चलेगा. निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार और आईजी अभियान एवी होमकर पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे.

आयोग के मैनुअल के तहत प्रशिक्षण : विधानसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नयी दिल्ली से जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है. प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों को मतदानकर्मियों की सुरक्षा से लेकर बूथ की निगरानी तक की रणनीति से अवगत कराया जायेगा. उन्हें मतदान सामग्री की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों से निपटने के तरीके भी बताये जायेंगे. मतदाताओं को असुविधा न हो, उन्हें कोई मतदान से वंचित न कर पाये और कोई उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए कोई दबाव बनाये, तो वैसे लोगों से कैसे निपटना है, इससे संबंधित बातों की जानकारी पुलिस अफसरों को दी जायेगी.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले पुलिस अधिकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईजी एवी होमकर, डीआईजी धनंजय सिंह इंद्रजीत महथा, अश्विनी कुमार सिन्हा, अनूप बिरथरे, सुनील भास्कर, संजीव कुमार,सुरेंद्र कुमार झा, चौथे मनोज रतन, वाईएस रमेश सहित सभी जिलों के एसपी, एसएसपी शामिल होंगे.

कोर्ट की खबरें

हाईकोर्ट का निर्देश- पूजा के दौरान अतिरिक्त महिला सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए

विधि संवाददाता। रांची

झारखंड के अलग-अलग जिलों में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराध पर रोक के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि प्रमुख जगहों पर सीसीटीवी कैमरा से मॉनिटरिंग की जाए, महिलाओं की आपातकाल में मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर का स्थानीय टीवी चैनल और अखबारों में विज्ञापन के जरिए प्रचार प्रसार किया जाए और सभी जगहों पर स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किया जाए. वहीं अदालत ने दुर्गा पूजा को लेकर सरकार को पूजा पंडाल के आसपास अतिरिक्त महिला सुरक्षा बल की नियुक्ति करने और पिंक बसों के संचालन के समय को विस्तार देने का निर्देश दिया है. अब इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट 18 नवंबर को सुनवाई करेगा. हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता भारती कौशल ने इस संबंध में जनहित याचिका दायर की है. राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव कुमार ने इस मामले में पक्ष रखा. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है.

पीएमएलए कोर्ट ने स्वीकार की पूजा सिंघल की याचिका

रांची । पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लांड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने मनरेगा घोटाले के जरिए अवैध कमाई करने और उन पैसों की मनी लांड्रिंग करने की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की याचिका स्वीकार कर ली है. दरअसल, पूजा सिंगल की ओर से याचिका दाखिल कर कहा गया था कि ईडी के पास कई ऐसे दस्तावेज हैं, जो अनुसंधान के क्रम में जब्त किए गए हैं. लेकिन न्यायालय में दाखिल चार्जशीट में उन दस्तावेजों का जिक्र नहीं किया गया था. पूजा सिंघल की ओर से इन दस्तावेजों का अवलोकन करने की अनुमति मांगी गई थी. जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है.

सुनील तिवारी के खिलाफ केस में हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के करीबी और उनके प्रेस सलाहकार रहे सुनील तिवारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के केस में ट्रायल कोर्ट द्वारा चार्जफ्रेम किए जाने के आदेश पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. इसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुनील तिवारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने पक्ष रखा. गुरुवार को इस केस में दोनों पक्षों की ओर से अंतिम बहस हुई. बता दें कि खूंटी की एक युवती ने सुनील तिवारी पर दुष्कर्म करने और जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए गाली देने का आरोप लगाया है.

झारखंड व महाराष्ट्र के आरओ एवं एआरओ का जुटान

दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु व ट्रेनर.

संवाददाता। रांची

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा उनके लिए ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का आयोजन निर्वाचन सदन में किया गया. इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में झारखंड के साथ-साथ महाराष्ट्र के भी निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को आयोग के प्रशिक्षकों ने चुनाव कराने संबंधी विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के मार्गदर्शन में राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के वैसे पदाधिकारी जिनके द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव हेतु विगत माह में ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया था परंतु, प्रशिक्षण के क्रम में आयोजित परीक्षा में काम अंक प्राप्त हुए थे.

इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों ने ऑनलाइन माध्यम से निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को निर्वाचन के दौरान उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के विषय में बिंदुवार प्रशिक्षण दिया. साथ ही शांतिपूर्ण एवं त्रुटि रहित निर्वाचन कराने में आयोग के दिशा निर्देशों के अनुपालन संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराई.

प्रशिक्षण सत्र में विगत में कम अंक प्राप्त करने वाले सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें. वहीं मुख्य निर्वाचन कार्यालय से पदाधिकारियों के प्रशिक्षण में सहायता हेतु सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार, सिस्टम एनालिस्ट एस. एन. जमील सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे.

तैयारी पूरी

पांच-छह अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन गैस्ट्रोकॉन-24 का आयोजन

देशभर के 200 से अधिक पेट व लीवर रोग विशेषज्ञों का होगा महाजुटान

- इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ने किया है राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन
- पेट, लीवर, आंत से संबंधित बीमारियों के इलाज की एडवांस तकनीक पर होगी चर्चा

संवाददाता । रांची

डोरंडा स्थित जैप-1 ऑडिटोरियम (शौर्य सभागार) में पांच-छह अक्टूबर को इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन गैस्ट्रोकॉन-24 का आयोजन किया जा रहा है. सम्मेलन में झारखंड के अलावा देश भर के प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट भाग लेंगे.अलग-अलग राज्यों से 200 से ज्यादा एक्सपर्ट इसमें शिरकत करेंगे. गुरुवार को प्रेस क्लब में ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मनोहर लाल प्रसाद और ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. प्रणव मंडल, को-चेयरमैन डॉ. जयंत घोष ने बताया कि गैस्ट्रोकॉन-24 में पेट, लीवर, आंत जैसे रोगों के बारे विस्तार से चर्चा की जाएगी. किस बीमारी के इलाज में क्या-क्या नई एडवांस तकनीक आयी है, हम चिकित्सक मरीजों को कैसे और बेहतर चिकित्सा सुविधा दे सकें, इस पर आपस में जानकारी साझा करेंगे. कौन सी चिकित्सा पद्धति का इस्तेमाल दूसरे राज्यों में एक्सपर्ट डॉक्टर कर रहे हैं, झारखंड में किन एडवांसमेंट को एडॉप्ट कर यहां के मरीजों का अच्छा इलाज किया जा सके, इस पर हमारा फोकस होगा. डॉ. मनोहर लाल ने बताया कि मोटर डिस्फेजिया (खाना घोटने में दिक्कत), पैनक्रियाटाइटिस, लीवर ट्रांसप्लांट, पेट में पानी भर जाने पर नया इलाज क्या है, हेपेटाइटिस बी के बारे में नए इलाज आदि की जानकारी आपस में साझा की जाएगी. मौके पर डॉ. प्रणव कुमार मंडल, डॉ. मनोहर लाल प्रसाद, डॉ. जयंत घोष, डॉ. रवीश रंजन, डॉ. चंदन यादव, डॉ. संगीत सौरभ, डॉ. सतीश मिड्डा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. अनिकेत अग्रवाल और डॉ. अंतरिक्ष कुमार मौजूद थे.

सम्मेलन के संबंध में जानकारी देते आयोजन समिति के सदस्य.

सम्मेलन में देश भर के एक्सपर्ट डॉक्टर्स लेंगे हिस्सा

सम्मेलन में दिल्ली से डॉ. अनिल अरोड़ा, डॉ. पीयूष रंजन, डॉ. विकास सिंघला, चंडीगढ़ से डॉ. एसके सिन्हा, कोलकाता के डॉ. संदीप पाल, आईएलबीएस नई दिल्ली के डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. अमर मुकुंद, हैदराबाद के डॉ. जीवी राव, डॉ. कपिल शर्मा समेत अन्य एक्सपर्ट डॉक्टर बतौर वक्ता हिस्सा लेंगे. कांफ्रेस के दौरान लाइव सर्जरी के साथ-साथ बिहार-झारखंड के चिकित्सक पेट, आंत-लीवर की बीमारियों पर अपनी महत्वपूर्ण केस स्टडी और विशेष शोध प्रस्तुत करेंगे. कांफ्रेस में पहली बार लाइव वर्कशॉप का आयोजन होगा, जिसमें बिना चीर-फाड़ के एंडोस्कोपिक पद्धति द्वारा खाने में होनेवाली दिक्कत से संबंधित बीमारी, एक्लासिया कार्डिया का ऑपरेशन, पैंक्रियाज से संबंधित बीमारी, पैंक्रिएटिक सिंडोसिस्ट का ड्रेनज, ईआरसीपी द्वारा पित्त की नली के बड़े-बड़े स्टोन का स्पाई ग्लास द्वारा ऑपरेशन किया जाएगा. साथ ही पीजी स्टूडेंट्स की बेहतर भागीदारी व ज्ञानवर्धन के लिए गैस्ट्रोक्विज और पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया जा रहा है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 176

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 10

ब्रीफ खबर

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने पेंशनर को किया सम्मानित

घाटशिला । सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया घाटशिला शाखा की ओर से गुरुवार को एक सादे समारोह में पेंशनरों को शाखा प्रबंधक सारथी पत्रों ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि पेंशनरों को बैंक की योजनाओं के बारे में जानकारी होनी चाहिए ताकि उन्हें जमा राशि पर अधिक ब्याज मिल सके. उपस्थित पेंशनरों ने भी बैंक के कामकाज और कर्मचारियों की सराहना की.

विधायक ने बांटे बिजली बिल माफी के प्रमाण पत्र

जमशेदपुर । घोड़ाबांधा में आज बुरुवार को मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को माफ किए गए बिजली बिल के प्रमाण पत्र वितरित किए. इस दौरान खराब मीटर, बढ़ा हुआ बिल, मीटर चेंज, नाम ट्रांसफर आदि समस्याओं का समाधान ऑन द स्पॉट किया गया.

मऊभंडार में कलश पूजन में शामिल हुए मंत्री

घाटशिला । घाटशिला के विधायक सह प्रदेश के जल संसाधन व उच्च शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने आज महिला समिति दुर्गा पूजा मंडप मऊभंडार पहुंचकर कलश पूजन में भाग लिया. समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सिंह, अध्यक्ष आरती दत्त, सचिव रूबी सिंह के साथ नवल सिंह भी मौजूद थे. रामदास सोरेन ने कहा कि वह शुरू से ही समिति के साथ थे और भविष्य में भी रहेंगे.

पार्क की चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास

जमशेदपुर । छोटा गोविंदपुर स्थित वीर शिवाजी पार्क की चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास गुरुवार को जिला परिषद सदस्य डॉ. परितोष ने किया. डॉ. परितोष ने कहा कि पार्क का चारों ओर से अतिक्रमण हो रहा था. चारदीवारी निर्माण से यह रुकेगा. वाकिंग ट्रैक, ओपन जिम और हाईमास्ट लाइट की भी स्थापना की जाएगी. इसे गोविंदपुर का बेहतर पार्क बनाया जाएगा.

सदर अस्पताल में दिव्यांग जांच शिविर पांच को

जमशेदपुर । खासमहल स्थित सदर अस्पताल में पांच अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक दिव्यांग जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा. इसमें नया प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं और जिनका पांच साल से अधिक हो गया है वह प्रमाण पत्र का नवीनीकरण करा सकते हैं. आवेदन पत्र प्रखंड कार्यालय के बाहर मेधा दूध काउंटर पर हर दिन सुबह छह बजे से मिलता है.

जमशेदपुर पूर्वी से चंदन यादव लड़ेंगे चुनाव

जमशेदपुर । कांग्रेस नेता सह समाजसेवी चंदन यादव ने जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव लड़ने की घोषणा की. इसकी जानकारी उन्होंने एग्रिको में प्रेस वार्ता कर दी. बताया कि अब तक जितने भी विधायक व सांसद हुए, सभी ने लोगों को ठगने का काम किया और अपना हित साधा है. क्षेत्र के गरीब, पिछड़े दलित व मजदूरों की आवाज बनने के लिए ही उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया.

गवर्नर से मिले कुड़मी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष

जमशेदपुर । कुड़मी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने बृहस्पतिवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाक़ात की. इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया. उन्होंने बताया कि राज्यपाल से मुलाकात के दौरान झारखंड में कुड़मी समाज के विभिन्न लंबित मांगों की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया गया. जल्द ही समाज का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल महोदय से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपेगा.

महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह की शोभा यात्रा

27 सितंबर से चल रहा सप्ताहव्यापी महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह बृहस्पतिवार को समाप्त हो गया. इस दौरान पूरे जिले में अलग-अलग जगहों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई. समापन समारोह से पूर्व साकची जेएनएसी कार्यालय गोलचक्कर से अलग-अलग झाकियों के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई. जिसका धालभूम क्लब में समापन हुआ. समापन समारोह में मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता मौजूद रहे. इस दौरान उन्होंने सप्ताहव्यापी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया.

बागबेड़ा में विसर्जन रूट में बदलाव, बड़ी गाड़ियों पर रहेगा प्रतिबंध

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की ड्रोन कैमरे से होगी निगरानी

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

शारदीय नवरात्र प्रारंभ होने के साथ ही दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं. उपायुक्त अनन्य मित्तल, एसएसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी ऋषभ गर्ग समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों ने दुर्गा पूजा कमिटी के पदाधिकारियों के साथ बागबेड़ा बड़ौदा घाट का निरीक्षण किया. बड़ौदा घाट जाने के दौरान नाला पर बने पुल की रेलवे द्वारा चारपहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित किए जाने पर सिदो कान्हू मैदान के रास्ते विसर्जन जुलूस ले जाने का निर्देश दिया. साथ ही उक्त रास्ते का निरीक्षण किया. मौके पर मौजूद पूजा कमिटी के पदाधिकारियों से कहा कि बड़ी प्रतिमाएं एवं बड़े वाहन परिवर्तित मार्ग से नहीं जाएंगे. इसका ख्याल रखें. 407 वाहन में आने वाली छोटी प्रतिमाएं ही उस रास्ते से जाएंगी. आने-जाने का रास्ता काफी खराब होने पर अधिकारियों को इसकी तुरंत मरम्मत करने के लिए कहा.

अधिकारियों ने पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से घाटों पर बैरिकेडिंग किये जाने, ससमय साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा विसर्जन के दौरान सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि इस बार विसर्जन जुलूस के साथ-साथ प्रतिमा विसर्जन की भी ड्रोन से निगरानी की जाएगी. इस दौरान घाट पर गहरे पानी में कोई नहीं जाए. इसके लिए लाल निशान लगाएं जाएंगे. गोताखोर की व्यवस्था रहेगी. उपायुक्त ने सभी दुर्गा पूजा पर विसर्जन करें जिससे विधि व्यवस्था बनाए रखने में कोई बाधा नहीं उत्पन्न हो.

बड़ौदा घाट का निरीक्षण करते डीसी-एसएसपी व अन्य

नदी किनारे फिसलन वाले क्षेत्रों में नहीं जाएं : डीसी

उन्होंने कहा कि घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे, पूजा समिति दुर्गा पूजा को सफल संपन्न कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें. उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि नदी किनारे फिसलन वाले क्षेत्रों में नहीं जाएं, अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें. मौके पर पीडी आईटीडीए दीपांकर चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम शताब्दी मजूमदार, जिला परिषद सदस्य कविता परमार, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के महासचिव आशुतोष सिंह, सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति के महासचिव ललन यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

जहां बेपटरी हुई थी मालगाड़ी वहां पहुंचे रेल जीएम, किया निरीक्षण

आधा किलोमीटर पैदल चल ट्रैक का लिया जायजा, कई बिंदुओं पर की जांच

संवाददाता । चांडिल

दक्षिण-पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) अनिल कुमार मिश्रा गुरुवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के आला अधिकारियों की टीम के साथ चांडिल पहुंचे. इस दौरान उन्होंने गुमटी संख्या केएस 7 के सामने ट्रैक का निरीक्षण किया. करीब आधा किलोमीटर तक पैदल चलकर रेल लाइन का जायजा लिया गया. इसके पूर्व जीएम विशेष सैलून से वहां तक पहुंचे. विदित हो कि सोमवार दोपहर टाटा-रांची रेलखंड के चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत इसी गुमटी के सामने एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई थी. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया था कि इस घटना में रेल पटरी ऊपर उठ गयी थी. हालांकि घटना के वक्त फाटक के दोनों ओर लोगों की भीड़ के बावजूद कोई भी चोटिल नहीं हुआ. मौके पर रेल लाइन से जुड़ी विभिन्न बिंदुओं पर जांच की गई.

इस दौरान चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य चौधरी ने बताया कि मुख्यालय से रेल जीएम रेलवे ट्रैक की विशेष जांच के लिए पहुंचे हैं. चांडिल के अलावा टाटानगर, गम्हरिया, सीनी, खरसावां समेत अन्य स्टेशनों के अंतर्गत आने वाले रेलवे लाइन की भी जांच की जा रही है. इसके साथ ही चांडिल में मालगाड़ी के डीरेल होने की घटनास्थल का भी जायजा लिया गया. उन्होंने कहा कि चांडिल में मालगाड़ी के डीरेल होने की घटना की सभी पहलुओं पर जांच कराई जा रही है. जो भी दोषी होगा, उसपर कार्रवाई की जाएगी. दोबारा इस प्रकार की घटना नहीं हो इसका भी प्रबंध किया जा रहा है. निरीक्षण के दौरान चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम समेत सुरक्षा, सिग्नल व अन्य विभागों के वरीय अधिकारी शामिल थे.

रेल लाइन का निरीक्षण करते रेल महाप्रबंधक, डीआरएम व अन्य

अंडरपास बनाने की मांग

रेल जीएम के चांडिल पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने फाटक संख्या केएस 7 पर अंडर पास बनाने की मांग रखी. बाजार का फाटक होने के कारण यहां हर वक्त लोगों की भीड़ लगी रहती है. टाटानगर को दिल्ली से जोड़ने वाली इस रूट पर रेल का आवागमन अधिक है. मालगाड़ियों का परिचालन भी अधिक है. ऐसे में कुछ देर खुला रहने के बाद फाटक फिर बंद हो जाता है. इससे लोगों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ती है. इसी फाटक से होकर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र का एकमात्र महाविद्यालय अवस्थित है. बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे फाटक होकर गुजरते हैं. लोगों ने जीएम से उक्त फाटक पर अंडरपास बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया है.

ओपीडी का उद्घाटन चुनावी स्टंटः सरयू राय

जमशेदपुर । जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा कि एमजीएम कॉलेज अस्पताल, जमशेदपुर के नये भवन में चिकित्सा की तैयारी के बिना ही ओपीडी का उद्घाटन करना जमशेदपुर की जनता को धोखा देना है. यहां जारी एक बयान में श्री राय ने कहा कि नये भवन में अभी तक पानी की व्यवस्था नहीं हो पाई है. यहां का छात्रावास जर्जर है. छात्रावास में पानी घुस जाता है. परिसर में खेल का मैदान तक नहीं है. गर्ल्स हॉस्टल की बाउंड्री सही नहीं है. छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं. इसके बावजूद नये भवन में ओपीडी का उद्घाटन करना महज चुनावी स्टंट ही है.

श्री राय ने कहा कि विगत पांच वर्षों में राज्य के बजट से स्वास्थ्य सेवाओं के मद में करीब 34 हजार करोड़ रुपये आवंटित एवं खर्च हुए, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं में कोई सुधार नहीं हुआ है. सरकार को बताना चाहिए कि ये 34 हजार करोड़ की धनराशि कहां खर्च हुई. विधायक ने इसकी स्पेशल ऑडिट कराने की मांग की. ताकि पता चल सके कि पांच वर्षों में इतनी बड़ी धनराशि का स्वास्थ्य विभाग ने किया क्या.

जयराम ने की डुमरी से चुनाव लड़ने की घोषणा

सरायकेला से प्रेम मार्डी समेत छह प्रत्याशी घोषित

- कोल्हान की सभी सीटों के लिए रायशुमारी जारी

संवाददाता । धनबाद

जहां एक तरफ भाजपा, कांग्रेस, झामुमो जैसी बड़ी पार्टियां उम्मीदवारों के नाम को लेकर मंथन ही कर रही हैं, वहीं झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो ने डुमरी विधानसभा से खुद चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी. धनबाद परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में जयराम ने झारखंड की छह विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा की. जिसमें डुमरी से जयराम महतो, जमुआ से रोहित कुमार दास, राजमहल से मोतीलाल सरकार, तमाड़ से दयमंती मुंडा, सरायकेला से प्रेम मार्डी एवं छतरपुर से प्रीति राज के नाम हैं. इसके साथ ही जयराम ने कहा कि वह दो विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे. दूसरे क्षेत्र की घोषणा आचार संहिता लागू होने से पहले कर दी जाएगी. डुमरी के अलावा बेरमो, मांडू, टुंडी एवं बाघमारा उनकी पसंद है. इन चार में से किसी एक विधानसभा से भी जयराम चुनाव लड़ेंगे. जयराम ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अबतक 69 आवेदन मिले हैं. पार्टी की कोशिश है कि झारखंड की 81 सीटों पर चुनाव लड़े. फिलहाल उन्होंने कहा कि उत्तरी छोटानागपुर की सभी 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. इसके लिए सभी विधानसभा क्षेत्र में रायशुमारी की जा रही हैं. वर्तमान में 11 सदस्यों की टीम कोल्हान की सभी सीटों के लिए रायशुमारी कर रही है.

कुख्यात कादिम व डॉली का बेटा गिरफ्तार

22.68 लाख का ब्राउन शुगर व 1.49 लाख नगद किया गया जब्त

- शाहबाज खान के साथ एक महिला भी पकड़ायी

संवाददाता । आदित्यपुर

गुरुवार को आदित्यपुर थाना में प्रेसवार्ता में एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत मुस्लिम बस्ती में छपेमारी कर 113.44 ग्राम ब्राउन शुगर पकड़ाया है. इसकी कीमत करीब 22 लाख 68 हजार रुपए है. शाहबाज खान और आशुरान बीबी को गिरफ्तार किया गया है. इनके पास से 1 लाख 49 हजार 780 रुपए नगद भी मिले हैं. शाहबाज खान कुख्यात अपराधी कादिम खान और ड्रग पैडलर डॉली खान का बेटा है. कादिम खान और उसकी पत्नी डॉली खान दोनों जेल में बंद हैं. वह आशुरान बीबी से ब्राउन शुगर की पुड़िया बनवाने का काम करता था. एसपी ने बताया कि 2 से 3 महीने में जिला पुलिस ने आदित्यपुर थाना से 14 लोगों को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ कर जेल भेजा गया है. ब्राउन शुगर को टेबल फैन के नीचे के बॉक्स में छुपाकर रखा गया था.

एसपी ने बताया कि पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 नशे के कारोबारियों पर कार्रवाई का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा गया है. ऐसे मामले में आरोपी जमानत के बाद भी जेल में ही रहता है. इस छापेमारी में आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह के साथ एएसआई राहुल कुमार सिंह, धीरंजन कुमार, रंजीत कुमार सिंह, समा सुसारी लकड़ा के साथ थाना के पुलिस बल शामिल थे.

दुर्गा पूजा में चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

असामाजिक तत्वों पर नजर रखेगा जिला पुलिस का बाइक दस्ता

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

दुर्गा पूजा के मद्देनजर शहर में विधि व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए जिला पुलिस ने बाइक दस्ते का गठन किया है. यह दस्ता शहर में घूम-घूमकर मनचलों एवं असामाजिक तत्वों पर नजर रखेगा. बृहस्पतिवार को सिटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बाइक दस्ते के साथ शहर का भ्रमण किया. इस दौरान सभी एक साथ सायरन बजाते हुए निकले.

सिटी एसपी ने बताया कि दुर्गा पूजा के सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी. इसी के मद्देनजर बाइक दस्ते का गठन किया गया है. बाइक दस्ता सभी मुख्य बाजारों में गश्ती करेगा और इस दौरान सूचना संकलन करते हुए आपराधिक तत्वों को पर भी नजर रखेगा. जिससे आगामी पर्व और त्योहार शांति एवं सौहार्द के साथ संपन्न हो सके.

उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर अतिरिक्त महिला पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी. महिलाएं सादे लिबास में भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त रहेंगी. साथ ही मनचलों पर नजर रखेंगी. वहीं पुलिस को निरंतर गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है. इससे पहले बिष्टुपुर थाने में बाइक दस्ते में शामिल पुलिसकर्मियों को ब्रीफ किया गया. उन्हें बताया गया कि पूजा के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में असमाजिक तत्वों से कैसे निपटना है.

बाइक दस्ते के साथ गश्त करते सिटी एसपी ऋषभ गर्ग.

सुखद हेमंत सोरेन पहले कर चुके थे उद्घाटन, विधायक मंगल ने किया शुभारंभ

पटमदा के किसानों को 16 वर्ष बाद मिली कोल्ड स्टोरेज की सौगात

विशेष सहयोगी । पटमदा

पटमदा प्रखंड क्षेत्र के किसानों को 16 वर्ष बाद कोल्ड स्टोरेज की सौगात मिली. विधायक मंगल कालिंदी ने गुरुवार को इसका शुभारंभ किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस कोल्ड स्टोरेज में स्थानीय किसान टमाटर, धनिया, बीट, गाजर, आलू, महुआ, गुड़, इमली, अंडा व विभिन्न प्रकार के फल रख सकते हैं. जिसे वे समय-समय पर निकालकर बाजार मूल्य के हिसाब से बेच सकते हैं. पटमदा में कोल्ड स्टोरेज की मांग वर्षों पुरानी थी. कृषि मंत्री दीपिका पांडेय से मुलाकात कर चालू करने की मांग रखी थी.

हालांकि कोल्ड स्टोरेज का उद्घाटन 2021 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन (ऑनलाइन) कर चुके थे. लेकिन संचालक नहीं मिलने की वजह से कोल्ड स्टोरेज बंद रहा. मिली जानकारी के अनुसार 2008 में तत्कालीन विधायक दुलाल भुइयां ने इसका शिलान्यास किया. लेकिन निर्माण नहीं हो पाया. 2014 दुलाल भुइयां को हराकर रामचंद्र सहिस विधायक बने. रघुवर सरकार में कुछ समय के लिए वे मंत्री भी बने. उस दौरान उन्होंने कोल्ड स्टोरेज का दोबारा शिलान्यास किया. लेकिन निर्माण पूरा नहीं हो पाया. 2019 में मंगल कालिंदी के विधायक बनने के बाद उन्होंने इसका निर्माण शुरू कराया. 2021 में हेमंत सोरेन ने इसका ऑनलाइन उद्घाटन किया. लेकिन तकनीकी कारणों से संचालन बंद रहा. गौरतलब है कि कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा 10 करोड़ की लागत से इस कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कराया गया है.

कोल्ड स्टोर का उद्घाटन करते विधायक मंगल कालिंदी

सिंचाई के लिए चांडिल डैम से पानी लाने का हो रहा प्रयास : विधायक

उन्होंने कहा कि राज्य में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने वाले आजसू-बीजेपी सरकार ने लोगों को ठगने का काम किया है. वर्ष 2013 में हेमंत सोरेन सरकार ने गरीबों के लिए शुरू की गई 10 रुपये में धोती-साड़ी योजना को बंद कर दिया गया. पटमदा बोड़ाम में सालों भर खेती हो, इसके लिए चांडिल डैम से पानी लाने का वे प्रयास कर रहे हैं. उपस्थित लोगों से विधायक ने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हेमंत सोरेन को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की अपील की. मौके पर जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो, विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, झामुमो नेता सुभाष कर्मकार, कालीपद महतो, अश्विनी महतो, दीपंकर महतो, छुटुलाल हांसदा, हर्ष अजमेरा, रंजीत कुमार, ज्योति कुमारी, सिजेन हेम्ब्रम समेत अन्य कई लोग मौजूद थे.

झामुमो विधायक मंगल के करीबी बृंदावन जेएलकेएम में हुए शामिल

बृंदावन दास को पार्टी में शामिल कराते झामुमो नेता.

विशेष सहयोगी । पटमदा

झामुमो नेता सह ग्राम प्रधान संघ पटमदा के अध्यक्ष बृंदावन दास गुरुवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) में शामिल हो गए. मानगो स्थित पार्टी के जिलाध्यक्ष किशोरी हांसदा ने उन्हें विधिवत पार्टी में शामिल कराया. वे लोकसभा चुनाव के पूर्व झामुमो में शामिल हुए थे. बृंदावन महतो जुगसलाई विधायक मगंल कालिंदी के काफी करीबी माने जाते हैं. दास ने कहा कि जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो के ही विचारों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया है. वे इससे पूर्व भाजपा व कांग्रेस में भी रहकर सक्रिय राजनीति कर चुके हैं. गुरुवार को उन्हें माला पहनाकर जिलाध्यक्ष ने विधिवत रुप से पार्टी में शामिल कराया. बताया जाता है कि बृंदावन दास जेएलकेएम से जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी हो सकते हैं. हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई.

ब्रीफ खबरें

कार्डधारकों को चीनी की आपूर्ति की जाए : फूलकांत

आदित्यपुर । दुर्गा पूजा, काली पूजा और छठ पूजा को ध्यान में रख कर राज्य के समस्त एनएफएस तथा सफेद कार्डधारकों को 2-2 किलोग्राम चीनी आपूर्ति की जाए. उक्त मांग वरिष्ठ कांग्रेस नेता और फेयर प्राइस डीलर एससोसिएशन के प्रदेश सचिव फूलकांत झा ने झारखंड सरकार से की है. श्री झा ने राज्य के एनएफएस 5800000 परिवार, 16 लाख ग्रीन कार्डधारक तथा 3.50 लाख सफेद कार्डधारी को उक्त लाभ देने की मांग की है.

रेलवे इंप्लाई वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

जमशेदपुर । रेलवे इंप्लाई वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक बृहस्पतिवार को बर्मामाइंस के कैरेज कालोनी में केंद्रीय अध्यक्ष मनोज मिश्रा की अध्यक्षता में हुई. जिसमें रेल कर्मचारियों के अलावे उनके मुहल्लों में व्याप्त समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया. मनोज मिश्रा ने बताया कि एसोसिएशन एक सामाजिक संगठन है, यह किसी यूनियन से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा नहीं है. कर्मचारियों की समस्या का समाधान अधिकारियों के साथ वार्ता करके निकला जा रहा है. कर्मचारी एवं आम जनता की हितों को देखते हुए हर रविवार स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम कैरेज कॉलोनी में आयोजित किये जा रहे हैं.

पंद्रह दिन बाद रंगियाधड़ा गांव को मिला ट्रांसफार्मर

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र की माटिहाना पंचायत के रांगियाधड़ा गांव का ट्रांसफार्मर 15 दिन पहले जल गया था . ग्रामीणों की सूचना के बाद भाजपा नेता मनोज पाल ने इससे सांसद बिद्युत बरण महतो को अवगत कराया गया. सांसद ने जानकारी मिलने के बाद पहल करते हुए ग्रामीणों को 24 घंटे के अंदर ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया. ग्रामीणों ने बिजली संकट दूर होने पर सांसद के प्रति आभार प्रकट किया. मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार कर, मनोज पाल, गोपाल साव, प्रहल्लाद घोष, मंगल मुंडा, शिबू मुंडा, गणेश मुंडा, सुभाष मुंडा, बापी घोष आदि उपस्थित थे.

दस महाविद्या देवी स्थान में कलश स्थापना, मां की पूजा

आदित्यपुर । आदित्यपुर कालोनी स्थित एमआईजी दस महाविद्या देवी स्थान में इस वर्ष भी पूरे भक्ति भाव से कलश स्थापना कर नवरात्रि में मां की विशेष पूजा अर्चना की जा रही है. देवी स्थान के पुजारी पंडित राजेश कौण्डिल्य ने बताया कि हर वर्ष यहां विशेष आराधना के लिए कलश स्थापना कर मां की पूजा यहां होती है. उन्होंने बताया कि दस महाविद्या मां की विशेष पूजा आराधना है. दस महाविद्याओं की पूजा से साधारण भक्तों को भी मां का आशीर्वाद मिलता है.

साकची में मारवाड़ी महिला मंच का डांडिया पांच को

जमशेदपुर । शहर की सामाजिक संस्था मारवाड़ी महिला मंच जमशेदपुर शाखा की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्रि के अवसर पर भव्य डांडिया धमाल का आयोजन आगामी पांच अक्टूबर को साकची स्थित धालभूम क्लब मैदान में होगा. डांडिया धमाल कार्यक्रम शाम 6.30 बजे से शुरू होगा, जो रात 10 बजे तक चलेगा. इसकी सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं. यह जानकारी संस्था की अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी. कहा कि मां दुर्गा की आराधना डांडिया के बिना अधूरी रहती है. इस आयोजन में सभी आयु वर्ग के स्त्री, पुरुष और बच्चे भाग ले सकते हैं.

कांड्रा के समाजसेवी विजय महतो को मातृ शोक

आदित्यपुर । कांड्रा पंचायत अंतर्गत मध्यबस्ती निवासी समाजसेवी विजय महतो की मां माधवी महतो का निधन गुरुवार को हृदय गति रुकने से हो गया. वे 61 वर्ष की थीं. वह पिछले कई दिनों से बीमार थीं. उन्होंने रांची के रिम्स में अंतिम सांस ली. कांड्रा मध्यबस्ती स्थित सत्संग उप योजना केन्द्र में श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचन्द्रजी के दीक्षा समारोह का आयोजन माधवी महतो द्वारा किया जाता था. उनके निधन से गुरु बहन और गुरु भाइयों एवं क्षेत्र में शोक की लहर है. वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार को छोड़ गईं हैं. कांड्रा वासियों ने उनकी मृत्यु पर शोक प्रकट किया है.

एसएसपी से मिला सिंहभूम चैंबर का प्रतिनिधिमंडल, यातायात दबाव कम करने की मांग

मानगो में दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही ट्रैफिक जाम की समस्या

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शहर में बढ़ती यातायात समस्याओं के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की.

प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी को बताया कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव के कारण आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, विशेषकर मानगो पुल के क्षेत्र में यातायात जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है. एसएसपी किशोर कौशल ने यातायात समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि प्रशासन इस दिशा में उचित कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुधारने और जनता को राहत देने के लिए जरूरी कदम उठाने का आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में चैंबर का पूर्ण सहयोग देने का वादा किया. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने एसएसपी के प्रति आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि यातायात समस्या के समाधान के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे शहरवासियों को राहत मिल सके.

करनडीह में भी जाम से हलकान रहते लोग

परसुडीह थानान्तर्गत करनडीह में चौक पर जाम लगना आम बात हो गई है. चौक होने के कारण चारों ओर से वाहनों की आवाजाही होती है. जिसके कारण बीच सड़क में कोई वाहन फंसने से जाम लगना शुरू हो जाता है. अभी दुर्गा पूजा का दौर है. जिसके कारण पोटका, हाता, सुंदरनगर, नरवा पहाड़ आदि क्षेत्रों से लोग खरीददारी करने के लिए जमशेदपुर पहुंच रहे हैं. सड़क जाम रहने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों ने चौक पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग की.

एसएसपी को ज्ञापन सौंपते सिंहभूम चैंबर के अध्यक्ष व अन्य सदस्य.

डिमना रोड में फ्लाईओवर निर्माण से संकीर्ण हुआ मार्ग

मानगो में हो रहे फ्लाईओवर के पीलर निर्माण के कारण डिमना रोड में यातायात का दवाब बढ़ा है. जिसके कारण अक्सर वहां जाम लग रहा है. फ्लाईओवर निर्माण के लिए डिमना रोड में सड़क का कुछ हिस्सा सुरक्षा के दृष्टिकोण से घेर लिया गया है. जिसके कारण वहां सड़क संकरी हो गई है. सड़क जाम के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है. घंटो लोगों को जाम खुलने के इंतजाम में खड़ा रहना पड़ रहा है. खासकर ड्यूटी जाने वाले लोग एवं स्कूल जाने वाले बच्चे समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं. बीते दिनों मंत्री बन्ना गुप्ता ने सड़क जाम से निजात दिलाने के लिए फ्लाईओवर निर्माण में लगी कार्यकारी एजेंसी को इसका ध्यान रखने का निर्देश दिया था.

विपक्ष पर जमकर बरसे उच्च शिक्षा एवं तकनीकी मंत्री

भाजपा ने खनिज संपदा को लूटा : रामदास सोरेन

18 साल राज किया, विकास तो दूर घास तक नहीं उखाड़ सकी भाजपा

संवाददाता । घाटशिला

उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने आज गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कि 15 नवंबर 2000 को अलग राज्य गठन के बाद 18 वर्ष तक भाजपा ने राज किया और विकास के नाम पर सिर्फ यहां के खनिज संपदा को लूटने तथा गरीब आदिवासी को यहां से भागने का काम किया. विकास की बात तो दूर घास तक नहीं उखाड़ सका.

वह कशीदा पंचायत के माहलेडीह गांव स्थित ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग केंद्र में बिजली उपभोक्ताओं को संबोधित कर रहे थे. इन उपभोक्ताओं के बीच आज मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत बिजली बिल माफी का प्रमाण पत्र वितरित किया गया.

रामदास सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार ने गरीब उपभोक्ताओं के घर को रोशन करने का काम किया है. हेमंत सोरेन की सरकार यहां के आदिवासी, मूलवासी व अल्पसंख्यक लोगों पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि राज्य का संपूर्ण विकास हो सके. 2024 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को रोकने के लिए कई राज्यों के भाजपा मुख्यमंत्री रांची में जमे हुए हैं. भविष्य में यदि भाजपा की सरकार झारखंड में बनती है तो सबसे पहले इन सभी योजनाओं को बंद करने का काम करेगी और यहां के गरीब आदिवासी को फिर से बिजली बिल का बोझ देकर लूटने का काम करेगी. इसलिए सभी से आग्रह है कि हेमंत सोरेन की सरकार बनी रहे इसके लिए आप सभी एकजुट रहें.

उपभोक्ताओं को प्रमाण पत्र देते मंत्री रामदार सोरेन.

घाटशिला विस क्षेत्र में 47900 उपभोक्ताओं का माफ हुआ बिजली बिल

इस अवसर पर विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता राजकिशोर प्रसाद ने बताया कि घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में कुल 47900 उपभोक्ताओं का 39 करोड़ 19 लाख रुपये का बिजली बिल माफ किया गया है. यह वैसे उपभोक्ता हैं जिनकी प्रति माह 200 यूनिट तक बिजली खपत होती थी. . मौके पर ईएसई सुनिल कुमार, रांची के विद्युत कार्यपालक अभियंता अनूप कुमार बिहारी, शाहिद काफी संख्या में विद्युत विभाग के पदाधिकारी एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता उपस्थित थे.

गणेश महाली ने खरसावां विस सीट पर पेश की अपनी दावेदारी

जिलाध्यक्ष को आवेदन सौंपते गणेश महाली.

- चंपाई सोरेन के भाजपा में आने से बदला समीकरण

संवाददाता । आदित्यपुर

जब से सरायकेला के वर्तमान विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हुए हैं तभी से सरायकेला से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए वर्षों से फील्डिंग कर नेताओं पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं. इस सीट से दो बार भाजपा के टिकट पर भाग्य आजमा चुके गणेश महाली को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं इस बार इनका टिकट कट न जाए. जबकि इस सीट पर एक और संभावित प्रत्याशी रमेश हांसदा टिकट की जुगत में ही दिन रात एक किये हुए हैं. इन सारी संभावनाओं के बीच गुरुवार को भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव को गणेश महाली ने आगामी विधानसभा चुनाव में खरसावां विधानसभा से पार्टी प्रत्याशी बनाने के लिए अपना दावेदारी पेश की है. चूंकि वह जान गये हैं कि चंपाई सोरेन के आने से उनका टिकट का गणित बिगड़ सकता है. इसलिए उन्होंने अब खरसावां सीट से अपनी दावेदारी पेश की है.

ऐसे में सवाल उठता है कि अर्जुन मुंडा अगर सीएम कैंडिडेट के रूप में होंगे तो उनको पार्टी चुनाव कहां से लड़ाएगी. फिलहाल गणेश महाली के खरसावां सीट से दावेदारी प्रस्तुत करने से समीकरण बिगड़ता दिख रहा है. चूंकि गणेश महाली भी अर्जुन मुंडा के खास शिष्य हैं. तो क्या भविष्य में गणेश महाली अपने गुरु के लिए यह सीट जीतकर भी छोड़ देंगे. ऐसा एक बार मंगल सिंह सोय कर चुके हैं उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर खरसावां से अर्जुन मुंडा को विधानसभा भेजने का काम किया था.

मानगो नित्यानंद कॉलोनी के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर

सड़क पर बह रहा नालियों में जमा गंदा पानी

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

मानगो नित्यानंद कॉलोनी के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं. काफी दिनों से नालियों में जमा पानी एवं उससे आ रही दुर्गंध से लोगों का जीना मुहाल है. आलम यह है कि गंदगी की वजह से घरों में इस बार नवरात्र का व्रत नहीं हो रहा है. बस्ती में व्याप्त गंदगी के खिलाफ लोगों में काफी नाराजगी है. लोगों ने इसके लिए नगर निगम को जिम्मेदार ठहराया. बताया कि विगत 16 सितंबर से नित्यानंद कॉलोनी का नाला पूरी तरह गंदगी से भर गया है. गंदा पानी बीच सड़क पर बह रहा है जिससे पूरा मोहल्ला बजबजा रहा है. इसकी लिखित शिकायत दर्जनों बार मानगो नगर निगम में की है, लेकिन कुछ भी कार्रवाई नहीं हुई. गंदगी के कारण लोगों ने इस बार अपने घर में देवी की आराधना करने हेतु कलश स्थापना नहीं की और मां भगवती का पाठ भी नहीं रखा है. मजबूरन लोगों को मंदिर की ओर रुख करना पड़ा.

मौके में पहुंचे भाजपा नेता विकास सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम को इसकी जानकारी देकर जल्द नाली की सफाई की मांग की. अन्यथा सड़क जाम करने की बात कही. मौके पर मुख्य रूप से देवाशीष कुमार, प्रदीप महापात्र, अनीता साहू, पूजा गोराई, रूपा चक्रवर्ती, सरस्वती गोराई, मधु गोराई सहित स्थानीय लोग मौजूद थे.

पहुंच पथ नहीं बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया ईटागढ़ पुल जाम

संवाददाता । आदित्यपुर

सरायकेला जिले के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत ईटागढ़-आसंगी पुल बनकर तैयार हुए दो साल बीत जाने के बाद भी पहुंच पथ (एप्रोच रोड) का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. आक्रोशित ग्रामीणों ने पहुंच पथ बनाने की मांग को लेकर गुरुवार सुबह घंटों पुल जाम कर रखा. आसंगी ईटागढ़ पुल जाम होने से सैकड़ों की संख्या में राजनगर प्रखंड से गम्हरिया और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र काम करने आने वाले मजदूर फंसे रहे. पुल जाम कर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि दस साल के लंबे संघर्ष के बाद सरकार ने पुल का निर्माण कराया, लेकिन कछुआ चाल की गति से पुल बना है. अब पुल बनकर तैयार हुए दो साल से भी अधिक समय बीत गया है, लेकिन ईटागढ़ व आसंगी दोनों तरफ एप्रोच सड़क नहीं है. जिससे आवागमन बाधित हो रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि एप्रोच रोड योजना पास होने के बाद भी इसे लंबित रखा गया है जो सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों के उदासीनता को दर्शाता है.

चंपाई सोरेन पर लगाया अनदेखी का आरोप : स्थानीय ईटागढ़ के ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक सह पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पर अनदेखी का आरोप लगाया है. ग्रामीणों ने कहा कि पांच टर्म लगातार विधायक रहने और मुख्यमंत्री बनने के बाद भी चंपाई सोरेन ने एप्रोच रोड के निर्माण में दिलचस्पी नहीं दिखाई. जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है.

ईटागढ़ पुल जाम करतेआक्रोशित ग्रामीणों की भीड़.

लापरवाही 22 सितंबर को मुंशी ऊंचाई से गिरकर हुआ था घायल, छुपा ली गई घटना

भालुकपतड़ा के अस्पताल भवन निर्माण में सुरक्षा से भी हो रहा खिलवाड़

संवाददाता । डुमरिया

डुमरिया प्रखंड के भालुकपतड़ा में 11 करोड़ की लागत से बन रही अस्पताल भवन निर्माण कार्य में न सिर्फ घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा बल्कि ठेकेदार द्वारा मजदूरों की सुरक्षा से भी खिलवाड़ किया जा रहा है. सुरक्षा मानकों के पालन में घोर अनियमितता बरती जा रही है. गत 22 सितंबर को कार्यस्थल का मुंशी वीरसिंह लागुरी दो तल्ला छत पर बने सीवर होल से गिरकर घायल हो चुका है. वीरसिंह लागुरी पश्चिमी सिंहभूम के टोंटो प्रखंड का निवासी है. उसने बताया कि विगत 22 सितंबर को छत से दो तल्ले नीचे गिर गया. किस्मत से जान बच गई. इस घटना की मुख्य वजह छत पर बने बड़े होल को कोई घेराबंदी किये बिना कार्य करना माना जा रहा है. ठेकेदार द्वारा इस घटना को दबा दिया गया. मीडिया को भी इसकी जानकारी नहीं हो पाई. इस योजना के जेई महेंद्र कुमार प्रधान ने बताया कि इस घटना की जानकारी संवेदक द्वारा विभाग को भी नहीं दी गई है. संवेदक द्वारा सुरक्षा मानक बरतने में लापरवाही बरती जा रही है. मनमाने ढंग से भवन का निर्माण कार्य करा रहा ठेकेदार अस्पताल भवन निर्माण कार्य में अनियमितता के भेंट चढ़ी छज्जा का मलबा बुधवार को मजदूर लगाकर हटा दिया गया. छत के उपर जहां से छज्जा जुड़ा हुआ था, उस बीम का ढलाई को मशीन के सहारे तोड़ा जा रहा है. ताकि वहां फिर से छज्जा बनाया जा सके और यह काम बहुत जल्दी में कराया जा रहा है. पूरी बिल्डिंग की नींव से लेकर छत की ढलाई तक गुणवत्ता को लकर सवाल खड़ा हो रहा है. अस्पताल परिसर मे तीन बिल्डिंग बनाई गई है. विगत वर्ष एक दिसंबर को इनमें से एक बिल्डिंग की छत की ढलाई ठेकेदार के निजी इंजीनियर द्वारा कराई जा रही थी. इस बाबत झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन ऑफ कारपोरेशन निगम लिमिटेड के कनीय अभियंता महेंद्र प्रधान ने स्वयं बताया था कि उन्हें ढलाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है. इससे प्रतीत होता है कि ठेकेदार मनमाने ढंग से भवन का निर्माण कार्य करा रहा है.

निर्माणाधिन भवन की क्षत पर बना सीवर होल.

समय से पहले सेंट्रिंग खोलने से गिरा छज्जा: जेई

छज्जा गिरने के संबंध मे कनीय अभियंता महेंद्र कुमार प्रधान ने बताया कि छज्जा ढलाई के सेंट्रिंग इक्कीस दिन के बाद खोलना है. परंतु उसे 10 दिनों में ही खोल दिया गया. जिसके कारण छज्जा गिर गया है. कनीय अभियंता ने बताया कि सेंट्रिंग खोलने का अनुमति उनसे नहीं ली गई थी.

जिंदगी से खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा : विधायक

इस मामले में पोटका के विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पूरे मामले को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत कराते हुए जांच का मांग करेंगे. उन्होंने बताया कि काफी प्रयास के बाद अस्पताल भवन निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है. यहां गरीब लोग इलाज कराने आएंगे. उनकी जिंदगी से खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा.

न्यूज अपडेट

नमो फैंस क्लब के संरक्षक सतीश शर्मा सम्मानित

आदित्यपुर । कैंसर एवं डेंगू जैसी जानलेवा बीमारी के मरीजों की जीवन रक्षा के लिऐ नमो फैंस क्लब के सदस्यों द्वारा लगातार पिछले छह सालों से सिंगल डोनर प्लैलेट्स (SDP) डोनेट किया जा रहा है. ब्लड बैंक जमशेदपुर में आज टीम पीएसएफ द्वारा 1000 एसडीपी की संख्या पूरी होने पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस सम्मान समारोह में नमो फैंस क्लब के संरक्षक सतीश शर्मा को उत्कृष्ट जन सेवा के लिये सम्मानित किया गया. पिछले नौ सालों से नमो फैंस क्लब महारक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मृत्युंजय कुमार, ब्लड बैंक जमशेदपुर के जीएम संजय चौधरी, आयोजक अर्जित सरकार, अमिताभ चटर्जी, अभिलाष मिश्रा, सत्यजीत साहू सहित सैकड़ों रक्तवीर शामिल हुए.

राजलाबांध पूजा कमेटी मनायेगी सिल्वर जुबली

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा की राजलाबांध सार्वजनिन दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्य इस बार 25 वर्ष पूरा होने के अवसर पर सिल्वर जुबली की मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं. कमेटी के सभी सदस्य अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं. सिल्वर जुबली को लेकर राजलाबांध गांव में उत्सव का माहौल है. भव्य दुर्गा मंडप की रंगाई पुताई कार्य अंतिम चरण में है. पश्चिम बंगाल के मूर्तिकार मूर्ति बनाने में जुटे हुए हैं. दुर्गा मंडप एवं आसपास इलाकों में पश्चिम बंगाल के कारीगरों द्वारा आलोक सज्जा के साथ सुसज्जित किया जाएगा. महाअष्टमी एवं महानवमी के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. अध्यक्ष असित मिश्रा ने कहा कि इस बार पूजा कमेटी आयोजन का 25वां वर्ष मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं.

प्रवीण सेवा संस्थान के पंडाल पहुंचे अर्जुन मुंडा

आदित्यपुर । प्रधानमंत्री के हजारीबाग के दौरे में शामिल होने की वजह से प्रवीण सेवा स्मृति संस्थान के पंडाल उद्घाटन में शामिल न हो सके पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा बुधवार देर रात पंडाल को देखने पहुंचे. जहां पूजा कमेटी के मुख्य संरक्षक सह पूर्व विधायक अरविंद सिंह ने अर्जुन मुंडा का स्वागत किया. अर्जुन मुंडा ने बने भव्य पूजा पंडाल का अवलोकन किया और कारीगरी की तारीफ की. अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रवीण सेवा संस्थान का यह दुर्गा पूजा पंडाल शक्ति और शांति का संदेश दे रहा है. अर्जुन मुंडा ने कहा कि शांति और शक्ति यह दोनों ऐसी चीज हैं जो हरेक राष्ट्र, हरेक व्यक्ति में समान रूप से होनी चाहिए. पश्चिम बंगाल से आए कारीगरों द्वारा म्यांमार के गोल्डन टेंपल स्वरूप के पूजा पंडाल को तैयार किया गया है, जो बौद्ध धर्म की थीम पर आधारित है.

जिला कमिटी के पदाधिकारियों का अभिनंदन

जमशेदपुर । फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन की घाटशिला प्रखंड कमिटी की एक बैठक गालुडीह धर्मशाला में हुई. जिसमें जिला कमिटी के अध्यक्ष मोहन साव पारस, महासचिव प्रमोद गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष नागेश जायसवाल मौजूद रहे. इस दौरान प्रखंड कमिटी ने जिला कमिटी के तीनों पदाधिकारियों का अभिनंदन किया. प्रखंड अध्यक्ष भागीरथ हेंब्रम ने कहा कि जिलास्तर के पदाधिकारियों के निरंतर प्रयास एवं पत्राचार के कारण ही सरकार ने बंद हो चुकी अनुकंपा नियुक्ति लागू की. साथ ही कमीशन में भी बढ़ोतरी की. उन्होंने सभी डीलरों से एकता बनाए रखने तथा जिला कमिटी को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया. जिलाध्यक्ष मोहन साव पारस ने कहा कि एकजुटता के कारण ही सरकार मांगों को मानने को बाध्य हुई.

दो बाइक की टक्कर में दो युवक घायल, गंभीर

घाटशिला । घाटशिला थाना क्षेत्र के बड़ाजुड़ी गांव के समीप गुरुवार की दोपहर दो बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया. डॉ आरएन टुडू ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया. दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. शोबान किस्कू के सिर और सुबोध सोरेन के मुंह पर गंभीर चोट है. घायल शोबान घाटशिला थाना क्षेत्र के बैतालपुर गांव निवासी बताया जा रहा है. वह दामपाड़ा की ओर से बड़ाजुडी की ओर जा रहा था. अचानक सामने से आ रहे बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी. मुसाबनी के बड़ाघाट निवासी घायल सुबोध सोरेन ने बताया कि वह बारेडीह गांव में चल रहा फुटबॉल मैच देखने जा रहा था.

उपभोक्ताओं को सौंपा बिल माफी का प्रमाण पत्र

बहरागोड़ा। प्रखंड सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं का समस्यायों का निवारण किया गया तथा बिजली बिल माफी का प्रमाण पत्र वितरित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक समीर कुमार मोहंती का बिजली विभाग के अनुमंडल पदाधिकारी अमरजीत प्रसाद ने गुलदस्ता देखकर स्वागत किया. कार्यक्रम में विधायक समीर कुमार मोहंती ने झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया. उन्होंने उपभोक्ताओं से झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया. विधायक ने उपभोक्ताओं को बिजली माफी का प्रमाण पत्र सौंपा.

रांची में धरना देगा कोल्हान पान (तांती) समाज

आदित्यपुर । कोल्हान के खरसावां स्थित निरीक्षण भवन में गुरुवार को कोल्हान प्रमंडल पान (तांती) समाज कल्याण समिति की बैठक हुई. यह बैठक निरंजन दास की अध्यक्षता में हुई. बैठक में पान (तांती) समाज ने संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार के पुनः शुरू कराने के लिए रांची में एकदिवसीय धरना देने का निर्णय लिया. इसमें जो भी राजनीतिक दल हमारे समाज का समर्थन करेगा, चुनाव में उनके पक्ष में मतदान करने पर विचार किया जाएगा .कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष मोतीलाल दास, विशिष्ठ अतिथि दिनेश दंडपाट, केंद्रीय महासचिव हरीशचंद्र भंज, मुख्य संरक्षक कार्तिक पात्रो, संगठन संस्थापक उमाकांत दास के साथ विभिन्न प्रखंड इकाइयों से पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

गोइलकेरा बाजार में दुर्गा पूजा को लेकर हुई सफाई

गोइलकेरा । गोइलकेरा में दुर्गा पूजा का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया जाता है. इसकी तैयारियां पूजा समितियों ने शुरू कर दी हैं. गोइलकेरा के ओम श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति व श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति के पंडाल का निर्माण कार्य अंतिम चरण पर है. इधर दुर्गा पूजा को लेकर गुरुवार को गोइलकेरा प्रखंड के बीडीओ विवेक कुमार के निर्देश पर गोइलकेरा बाजार व आसपास क्षेत्र में जेसीबी लगाकर नालियों व अन्य स्थानों पर साफ-सफाई की गई. वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्गा पूजा के मद्देनजर साफ-सफाई होने से लोगों को बदबू से राहत मिलेगी. मौके पर बीडीओ विवेक कुमार, थाना प्रभारी कमलेश राय भी मौजद थे.

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में शारदीय नवरात्र की पूजा-अर्चना शुरू, शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना में लीन हुए भक्त

कलश स्थापना के साथ पहले दिन पूजी गईं देवी की प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि पर मनाया जाने वाला दुर्गोत्सव हर्षोल्लास के साथ शुरू हो गया. नवरात्रि के पहले दिन प्रतिपदा के पावन अवसर पर गुरुवार को विभिन्न स्थानों में देवी की प्रतिमा और कलश स्थापित कर शक्ति की आराधना शुरू की गई. कई भक्तों ने अपने घर में कलश स्थापित कर देवी महाशक्ति की आराधना शुरू की है. कई स्थानों में चंडीपाठ भी प्रारंभ किया गया है. वहीं कई स्थानों पर महाषष्ठी के पावन अवसर पर बेलवरण के साथ देवी का आवाहन किया जाएगा. महासप्तमी के दिन कलश यात्रा निकालकर दुर्गोत्सव मनाया जाएगा. दुर्गोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है. शारदीय नवरात्रि पर चौका में देवी के नौ रूपों की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है. शुक्रवार को देवी के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की कलश यात्रा निकालकर पूजा-अर्चना की जाएगी.

देवी की पूजा-अर्चना करती महिलाएं .

चौका में सजा मां का दरबार

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन चौका में सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा समिति की ओर से शुभ मुहूर्त पर कलश यात्रा निकाली गई. इसके बाद नवदुर्गा मंदिर में घट का विधि विधान से स्थापना कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना श्रद्धा व भक्तिभाव से की गई. इसके साथ ही मंदिर में चंडीपाठ भी शुरू हुआ. देवी के दर्शन-पूजन के लिए पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु नव दुर्गा मंदिर पहुंचे. श्रद्धालुओं में महिलाओं की संख्या अधिक थी. चौका में भक्तों ने देवी की पूजा-अर्चना के बाद मां का जयकारा लगाया. पूजा-अर्चना के बाद माता की आरती की गई. पंडित शक्तिपद चटर्जी व अविनाश चटर्जी श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा सुनाएंगे.

स्नेह, करूणा, धैर्य और इच्छाशक्ति का प्रतीक है मां शैलपुत्री

पौराणिका कथाओं के अनुसार अपने पिता राजा दक्ष द्वारा पति शिव जी का निरादर सहन नहीं कर पाने के कारण सती ने यज्ञ की वेदी में कूदकर देह त्याग दिया था. इसके बाद मां सती ने पर्वतराज हिमालय के घर शैलपुत्री के रूप में जन्म लिया. देवी शैलपुत्री यानि पार्वती का विवाह भी भोलेनाथ के साथ हुआ. वहीं, मार्कण्डेय पुराण के अनुसार, पर्वतराज यानी शैलराज हिमालय की पुत्री होने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा. साथ ही माता का वाहन बैल होने के कारण इन्हें वृषारूढ़ा भी कहा जाता है. इसके अलावा शैलपुत्री को सती, हेमवती और उमा के नाम से भी जाना जाता है. मां शैलपुत्री को स्नेह, करूणा, धैर्य और इच्छाशक्ति का प्रतीक माना जाता है.

महिलाओं ने कलश स्थापित कर की मां शैलपुत्री की पूजा

किरीबुरु । गुवा, रामनगर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में गुरुवार को महिलाओं ने नवरात्र को लेकर कलश स्थापना की. नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई. इस दौरान सुबह 11 बजे मंदिर के पुजारी मलय पाणिग्राही ने विधि विधान के साथ कलश स्थापना की. कई महिलाओं ने अपने घरों में कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की पूजा की. इस दौरान महिलाएं 9 दिनों तक अन्न ग्रहण नहीं करेंगी. सिर्फ एक टाइम फलाहार कर मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करेंगी. नौवें दिन नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें चुनरी ओढ़ाकर भोजन कराई जाएगी. ऐसा माना जाता है कि नवरात्र की पूजा अर्चना नौ कन्याओं का पूजन करने के पश्चात ही सफल होती है.

टीपीएल से अचानक काम से हटाने का 400 मजदूर कर रहे हैं विरोध

मजदूरों का नोवामुंडी खदान गेट पर धरना-प्रदर्शन शुरू

- मजदूरों को बिना नोटिस दिये काम से बैठा दिया गया है

संवाददाता । किरीबुरु

काम से अचानक हटाये जाने से नाराज टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड (टीपीएल) के लगभग 400 से अधिक ठेका मजदूरों ने टाटा स्टील की नोवामुंडी खदान प्रबंधन के गेट पर तीन अक्टूबर की सुबह से ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है. मजदूरों ने बताया कि वे सभी झारखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, ओडिशा आदि क्षेत्र के हैं. वे टीपीएल कंपनी के अधीन रहकर पिछले तीन-चार वर्षों से विभिन्न प्रोजेक्ट में कार्य कर रहे थे. 30 सितम्बर को उनके गेट पास की अवधि समाप्त हो गयी. इसके बाद उन्हें गेटपास बनाकर नहीं दिया और सभी को टीपीएल कंपनी ने बिना नोटिस के काम से बैठा दिया. मजदूरों ने कहा कि हमारा डेढ़ माह का वेतन, फाइनल पैसा का भुगतान आदि भी नहीं दिया गया है. कंपनी का कोई भी अधिकारी बात करने नहीं आ रहा है.

टाटा स्टील कंपनी प्रबंधन ने खिलाफ नोवामुंडी खदान के गेट के सामने धरना-प्रदर्शन पर बैठे ठेका मजदूर.

आखिर हम मजदूर जायें तो कहां जायें. हमें न्याय चाहिये. हमारी बातें कोई सुनने को तैयार नहीं है.

दूसरी तरफ इस मामले के जानकार सूत्रों का कहना है कि टाटा एलबम की नोवामुंडी खदान प्रबंधन ने नोवामुंडी में अपना नया टाउनशिप, अस्पताल, विद्युत स्टेशन आदि लगभग 5-6 बड़े प्रोजेक्ट का काम 4-5 वर्ष पूर्व टीपीएल कंपनी को दिया था. इस प्रोजेक्ट को पूरा करने हेतु टीपीएल ने लगभग 15-20 हजार मजदूरों की बहाली कर ठेका मजदूर के रुप में काम पर रखा. जैसे-जैसे प्रोजेक्ट पूरा होता गया वैसे कंपनी ने मजदूरों को काम से हटाना शुरू कर दिया. वर्तमान में टीपीएल का एक प्रोजेक्ट छोड़ लगभग सभी प्रोजेक्ट पूरा हो गया या पूरा होने की स्थिति में है. ऐसे में अब बचा प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए टीपीएल कुछ चुनिंदा मजदूरों को ही रख रही है. आवश्यकता से अधिक जो मजदूर हैं उसकी छंटाई निरंतर कर रही है. मजदूरों के पास भी दूसरा कोई रोजगार कहीं नहीं दिख रहा है, इसलिए वे रोजगार की आस में आंदोलन कर रहे हैं.

सदर व झींकपानी में 10 करोड़ से 4 सड़कों की होगी मरम्मत

संवाददाता । चाईबासा

विधानसभा क्षेत्र के सदर व झींकपानी प्रखंड में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क निर्माण योजना के तहत करीब 10 करोड़ की लागत से चार सड़कों की मरम्मत होगी. परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने गुरुवार को चारों सड़कों का शिलान्यास किया. इसके तहत सदर के टोबासा से पता गुईरा तक सोसोहातु से कुईदबुसु तक, दुम्बीसाई से बड़ा मौदी तक एवं झींकपानी में मड़कमहातु से कुदापी तक सड़क मरम्मत का कार्य होगा. सभी सड़कों का शिलान्यास पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर किया गया. जर्जर सड़क से जूझ रहे ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई. सड़क बनने की सूचना से ग्रामीणों में खुशी देखी गई. वहीं ग्रामीणों ने मंत्री के प्रति आभार प्रकट किया. ग्रामीणों ने मांदल नगाड़े की धुन पर नाचते गाते परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा का स्वागत किया. इस दौरान मंत्री ने ग्रामीणों के संग बैठक की. ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया. मंत्री ने कहा कि चाईबासा विधानसभा क्षेत्र को विकसित करना मेरी प्राथमिकता है. चुनाव के समय जनता से जो वादा किया गया है, उसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है. क्षेत्र में बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी व अन्य बुनियादी सुविधाओं के प्रति हमारी सरकार सजग और गंभीर है. मौके पर मसीह देवगम, कैलाश, अचल तूराम सामद, सूरज बोयपाई, लागो, झींकपानी प्रखंड प्रमुख प्रदीप तामसोय, सोंगा बुड़ीउली, विनोद गोप, सुंदर गोप, अखिलेश समेत अन्य ग्रामीण और झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

सड़क की मरम्मत कार्य का शिलान्यास करते मंत्री दीपक बिरुवा.

न्यूज अपडेट

लिटिल एंजल पब्लिक स्कूल के विजेता बच्चों को किया पुरस्कृत

किरीबुरू । लिटिल एंजल पब्लिक स्कूल, मेघाहातुबुरु के तत्वावधान में 3 अक्टूबर को खेलकूद प्रतियोगिता से संबंधित पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया. यह प्रतियोगिता पांच सितम्बर को आयोजित की गयी थी. इसमें नन्हें बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखायी थी. पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पंसस अनिता पुरती एवं प्राचार्य नाजमी खानम ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया. जिन बच्चों को पुरस्कृत किया गया, उसमें नर्सरी की प्रिया कुमारी, हिमांशी साहू, वैभव, अयांश राज, एलकेजी से मोहम्मद अली, पुष्पांजलि, दिव्यांका नागरू, अर्णव धनवार. यूकेजी से लक्ष्य राज कृष्णा, प्रणव मंडल, आयुष सिंह, आयुष पासवान क्रमशः प्रथम से लेकर चार स्थान तक शामिल थे.

मेघाहातुबुरु में ग्रामीण थीम पर बनाया जा रहा आकर्षक पंडाल

किरीबुरु । श्री श्री दुर्गा पूजा एवं काली पूजा कमिटी, मेघाहातुबुरु द्वारा युद्ध स्तर पर पंडाल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है. इस बार यहां गांव की थीम पर पंडाल का निर्माण हो रहा है. इस कमिटी द्वारा 13 अक्टूबर की शाम लगभग 8 बजे से ऐतिहासिक रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. यहां का रावण दहण 100 किलोमीटर से अधिक परिधि क्षेत्र में आकर्षण का केन्द्र रहता है. यहां 65 फीट ऊंचा रावण का प्रारुप तैयार किया जा रहा है. इस कमिटी के अध्यक्ष में मेघाहातुबुरु के सीजीएम आरपी सेलबम, महासचिव दुर्गा चरण परिडा, सचिव सीताराम महतो, मृत्युंजय कुमार, अभिजीत कुमार हैं.

कोंकुवा रोलीसाई में जगत माझी ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

चक्रधरपुर । सोनुआ प्रखंड के देवांवीर पंचायत के कोंकुवा रोलीसाई में झामुमो के युवा नेता जगत माझी के प्रयास से करीब 20 दिनों बाद बिजली आपूर्ति बहाल हुई. ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी ग्रामीणों ने सांसद जोबा माझी और जगत माझी को दी. जगत माझी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से 25 केवी का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग की. गुरुवार को जगत माझी ने फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया. मौके पर देवांवीर पंचायत के पूर्व मुखिया अमर सिंह चाकी, जानकी हेम्ब्रम आदि ग्रामीण मौजूद थे.

सेल, मेघाहातुबुरु के क्वार्टरों से अवैध कब्जा हटाने का नोटिस

किरीबुरु । सेल की मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन के प्रशासनिक व कार्मिक विभाग ने अपने टाउनशिप स्थित ए-टाइप के लगभग 150 क्वार्टरों (आवास) से कब्जा हटाने के लिए नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया है कि 15 दिनों के अंदर सेल के आवास से अपना अवैध कब्जा हटा लें. अन्यथा सभी के खिलाफ विभागीय व कानूनी कार्यवाही की जायेगी. प्रबंधन के इस नोटिस से सैकड़ों परिवारों में हड़कम्प मच गया है. उल्लेखनीय है कि सेल की मेघाहातुबुरु एवं किरीबुरु प्रबंधन के सैकड़ों आवासों पर वर्षों से गैर सेलकर्मियों का कब्जा है. कई बार प्रबंधन ने अवैध कब्जा हटाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. हर बार राजनीतिक मुद्दा बनता रहा.

धातकीडीह में एचएलएम ट्रॉफी 6 व 7 को, पूर्णिमा करेंगी उद्घाटन

चांडिल । चांडिल प्रखंड के धातकीडीह में 6 और 7 अक्टूबर को दो दिवसीय एचएलएम ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता सीजन 3 का आयोजन किया गया है. जन सेवा ही लक्ष्य के संस्थापक सह समाजसेवी हरेलाल महतो के जन्मदिन के अवसर पर यह भव्य आयोजन किया जा रहा है. 6 अक्टूबर को धातकीडीह फुटबॉल मैदान में समाजसेवी हरेलाल महतो का जन्मदिन मनाया जाएगा. इसके बाद दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा. पद्मश्री एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित नेशनल आर्चरी कोच पूर्णिमा महतो फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगी. उनके साथ विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में डायन कुप्रथा के खिलाफ संघर्ष करने वाली पद्मश्री छुटनी महतो भी शामिल होंगी. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो शामिल होंगे. इसके अलावा विशिष्ट व विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में रक्षा राज्यमंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो आदि शामिल होंगे. प्रतियोगिता के प्रथम दिन शाम को रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

स्थानीय गायक कुंदन कुमार गोप की टीम मानभूम गीत व नृत्य प्रस्तुत करेगी. गायक कुंदन कुमार गोप के साथ गायिका कनिका कर्मकार, मानभूम कलाकार शैलेंद्र व रितु मेहता प्रस्तुति देंगे. वहीं दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं. विजेता टीम को जन सेवा ही लक्ष्य की ओर से दो लाख और उपविजेता को डेढ़ लाख रुपए की राशि से सम्मानित किया जाएगा. इसके अलावा तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले टीम को एक-एक लाख रुपये की राशि मिलेगी. बेस्ट खिलाड़ी और बेस्ट गोलकीपर को साइकिल दी जाएगी.

प्रतियोगिता के समापन के दिन 7 अक्टूबर को फुटबॉल मैदान में ही रक्तदान शिविर लगाया जाएगा. ब्रह्मानंद हृदयालय ब्लड बैंक, तामुलिया के सौजन्य से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को जन सेवा ही लक्ष्य की ओर से सम्मानित किया जाएगा.

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ ने मजदूरों की बोनस की मांग को लेकर की बैठक

संवाददाता । किरीबुरु

सेल की गुवा खदान प्रबंधन से दुर्गा पूजा में बोनस व अन्य मांगों को लेकर झारखंड मजदूर संघर्ष संघ ने गुवा रेलवे मार्केट स्थित अपने कार्यालय में ठेका मजदूरों के साथ बैठक की. बैठक की अध्यक्षता झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडे ने की. उन्होंने कहा कि गुवा प्रबंधन दुर्गा पूजा को लेकर इस वर्ष ठेका मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस एवं अन्य मांगों में समान कार्य का समान वेतन, मरीज को गुवा सेल अस्पताल से रेफर करने पर गाड़ी भाड़ा दिया जाए. प्रत्येक साल ठेका मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस दी जाए, ठेका मजदूरों का रिचेटमेंट बेनीफिट का पैसा सेल प्रबंधन द्वारा काट लिया जाता है, अनुबंध खत्म होने पर ठेका कर्मियों को दिया जाए, सीक छुट्टी में बढ़ोतरी की जाए, नाइट अलाउंस में बढ़ोतरी की जाए, डिस्पैच में बढ़ोतरी का पैसा दिया जाए. वर्कऑर्डर में साफ-साफ लिखा है कि जैसे ही काम खत्म होता है उसे रिचेटमेंट का पैसा दिया जाए. परंतु सेल प्रबंधन ऐसा नहीं कर रही है जिसकी जांच होनी चाहिए. सेल प्रबंधन द्वारा सिक्योरिटी एजेंसी कोबरा को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था, लेकिन पुनः उसी एजेंसी को नाम बदल कर काम दिया गया है. इसकी भी जांच होनी चाहिए. अगर सेल प्रबंधन इन मांगों पर विचार नहीं करता है तो 2 से 3 दिनों के अंदर ठेका मजदूरों के साथ बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा.

जिला खनन विभाग ने पुड़ीसिली के पास गिट्टी लदा दो हाइवा किया जब्त

- चालक के पास गिट्टी से संबंधित कागजात नहीं था

संवाददाता । चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला खनन विभाग एक बार फिर एक्शन मोड में आ गया है. विभाग की टीम ने लगातार दूसरे दिन अभियान चलाकर गिट्टी ले जा रहे दो हाइवा को जब्त किया है. जानकारी के अनसार खनन विभाग की टीम ने पुड़ीसिली-गम्हरिया सड़क पर छापामारी अभियान चलाकर पुड़ीसिली के पास गिट्टी ले जा रहे दो हाइव को जब्त किया है. बताया गया कि हाइवा चालक के पास गिट्टी से संबंधित कागजात नहीं था. खनन विभाग की टीम ने दोनों हाइवा को कपाली ओपी पुलिस के हवाले कर दिया है. इस संबंध में खनन विभाग मामला दर्ज करने की तैयारी कर रहा है. खनन विभाग की ताबड़तोड़ छापामारी अभियान के बाद गिट्टी और बालू का अवैध परिवहन करने वालों में हड़कंप मच गया है.

खनन विभाग द्वारा जांच के दौरान जब्त किया गया हाइवा.

एक सप्ताह दिन-रात चलेगा अभियान

इस संबंध में जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति ने बताया कि विभाग का विशेष अभियान एक सप्ताह तक दिन-रात चलेगा. जिले भर में किसी भी समय छापामारी की जा सकती है. इसके लिए टीम का गठन किया गया है, जो अलग-अलग क्षेत्र में काम कर रही है. विभाग को मिल रही सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलाया जा रहा है. इसमें टीम को सफलता भी मिल रही है. विदित हो कि बुधवार को तड़के जिला खनन विभाग ने आदित्यपुर और गम्हरिया थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया था. अभियान के दौरान टीम को सफलता भी मिली थी और अवैध रूप से बालू ले जा रहे दो ट्रैक्टर को जब्त किया गया था. टीम ने छापेमारी कर आदित्यपुर थाना क्षेत्र से एक ट्रैक्टर को अवैध बालू के साथ जब्त किया गया था. दूसरा ट्रैक्टर गम्हरिया थाना अंतर्गत जगन्नाथपुर बोलाईडीह रोड से जब्त किया गया था.

कार्यक्रम चक्रधरपुर के संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में अचीवर्स डे कार्यक्रम

शिक्षा हमारे जीवन की नींव, मजबूती से करें निर्माण : सांसद

- स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, नृत्य किया प्रस्तुत

संवाददाता । चक्रधरपुर

शिक्षा हमारे जीवन की नींव की तरह है. इसका हमें मजबूती से निर्माण करना चाहिए. यह बात सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने कहीं. वे गुरुवार को चक्रधरपुर के पोटका स्थित संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम में अचीवर्स डे (उपलब्धि दिवस) कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं. उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के साथ अनुशासन भी बेहद जरुरी है. बच्चे पढ़-लिखकर स्कूल व क्षेत्र का मान बढ़ायें. संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में बेहतर भूमिका निभा रहा है. इसके लिए स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का अहम योगदान है. इससे पूर्व विद्यालय की छात्राओं ने प्रार्थना गीत पेश किया. इसके बाद सांसद जोबा माझी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मौके पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक गीत, नृत्य, नाटक की प्रस्तुति दी. जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा. इस अवसर पर सांसद जोबा माझी ने स्कूल की परीक्षाओं में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले टॉपर विद्यार्थियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर हौसला बढ़ाया.

संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में अचीवर्स डे कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पुरस्कृत करती सांसद जोबा माझी

पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे. वहीं स्कूल के कक्षा नर्सरी से लेकर नौंवी तक के वैसे विद्यार्थी जिनकी स्कूल में उपस्थिति बेहतर रहीं उन्हें भी पुरस्कार प्रदान किया गया. इस दौरान स्कूल परिवार की ओर से प्राचार्य फादर पुथुमय राज ने सांसद जोबा माझी व विशिष्ट अतिथि नगर परिषद् के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण देव साह को शॉल ओढ़ाकर व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया. अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया. इस मौके पर स्कूल की उप प्रचार्य सिस्टर रानिट समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

मालुका व कलाइयां में विशेष ग्राम सभा का हुआ आयोजन

संवाददाता । किरीबुरु

सबकी योजना सबका विकास अथवा जन योजना अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत मालुका और कलाइयां में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया. नीति आयोग की सहयोगी संस्था पीरामल फाउंडेशन पंचायती राज विभाग एवं अन्य विभाग की भागीदारी से महत्वपूर्ण मुद्दों को जनता को बताया गया. मुख्य अतिथि के तौर पर मालुका में जगन्नाथपुर के बीईओ और सीईओ उपस्थित हुए तथा कलाइयां में पीरामल फाउंडेशन के डिस्ट्रिक लीडर अभिषेक गौतम उपस्थित हुए. दोनों पंचायतों में गांव के मानकी-मुंडाओं, महिला, बच्चे, शिक्षक, सहिया, सेविका, जेएसएलपीएल, वार्ड मेमर्स तथा बुजुर्गों ने अपनी भागीदारी को सुनिश्चित किया. पीरामल फाउंडेशन के अभिषेक गौतम ने दोनों जगह, ग्राम सभा का एजेंडा कैसे बने तथा ग्राम स्वराज की कल्पना को कैसे फलीभूत करें, ताकि पंचायत विकसित बने और ग्राम सभा में किन-किन चीजों की आवश्यकता है उन विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की. इस कार्यक्रम में बुजुर्गों, बच्चों का सम्मान किया गया और पौधरोपण कर संकल्प लिया गया कि ग्राम विकास कार्य योजना बनाने हेतु ग्राम पंचायत के सभी नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करेंगे. इसके बाद स्वच्छता, मादक पदार्थों के दुरुपयोग और फिट इंडिया पर शपथ ली गई. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ.

वोटर भी हैं खुश, क्योंकि चुनाव के समय ही मिलता है नेताजी के आवभगत का मौका, ग्रामीणों के बीच डॉ. आरसी प्रसाद, डॉ. अमरदीप यादव, हर्ष अजमेरा की हो रही चर्चा

विधानसभा चुनाव : ग्रामीण क्षेत्रों में नेताजी की गाड़ियां उड़ाने लगी धूल

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

भाजपा की परिवर्तन रैली के समापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हजारीबाग आगमन के साथ ही जिला विधानसभा चुनाव के रंगता नजर आ रहा है. टिकट की दौड़ में शामिल नेताओं की गाड़ियां सरपट दौड़ने लगी हैं. नेताजी सुबह 7:00 बजे से ही क्षेत्र में जाना शुरू कर देते हैं. गाड़ी की धूल देखकर ग्रामीण भी खुश हो जाते हैं. उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं रहता है कि किस पार्टी की गाड़ी उनके गांव में धूल उड़ा रही है, बस नेताजी की गाड़ी होनी चाहिए. लोग सुबह काम धंधा छोड़कर 6:00 बजे से ही नहा धोकर सड़क पर माला लेकर महिला, पुरुष नवयुवक और बच्चे खड़े रहते हैं. नेताजी का खूब स्वागत करते हैं. उन्हें पहले माला पहनकर गली, मोहल्ले, चौक-चौराहों पर जिंदाबाद का नारा लगाते हुए घुमाते हैं. नेताजी भीड़ देखकर खुश हो जाते हैं और फिर वे अपनी जेब ढीली करते हैं. नेताजी की गाड़ी वापस होते ही फिर ग्रामीण पक्ष और विपक्ष की बात करने लगते हैं, जिसमें कोई कांग्रेस की बात करता है तो कोई भाजपा की. कांग्रेस से सबसे ज्यादा डॉ. आरसी प्रसाद की ग्रामीण क्षेत्रों में तारीफ होती है. वहीं भाजपा से डॉ. अमरदीप यादव, हर्ष अजमेर की चर्चा होती है. वहीं भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता की भी चर्चा होती रहती है. सदर प्रखंड के चंदवार, रेवार, गुरहेत सीतागढ़, कटकमसांडी,

बांझा, डांड, लुकिंग सुलसी के सैकड़ों ग्रामीणों ने शुभम संदेश को बताया कि पांच साल में एक बार हम ग्रामीणों को नेताजी का स्वागत करने का मौका मिलता है. चुनाव के बाद जीतने वाले राजधानी में रहते हैं और हारने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में आना पसंद नहीं करते हैं. ऐसे में अब चुनाव आया है तो हम लोग नेताजी के स्वागत में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं.

जनता के लिए 10 बार लाठी खा चुके हैं प्रदीप : सदर प्रखंड के किसान प्रदीप कुमार ने बताया कि अमरदीप यादव भाजपा का एक ऐसा उम्मीदवार हैं, जो जनता एवं विद्यार्थियों के लिए 10 बार पुलिस का डंडा खा चुके हैं. वे जनहित में तीन बार जेल भी जा चुके हैं. वे कई आंदोलन में खड़ा रहे हैं. उन्होंने 1998 में राजनीति में कदम रखा. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कॉलेज मंत्री भी रहे. ऐसे व्यक्ति को अगर पार्टी टिकट देती है तो ग्रामीण क्षेत्रों में इनका भरपूर समर्थन मिलेगा. यह जात-पात की लड़ाई नहीं, बल्कि जमात की लड़ाई लड़ते हैं. उन्होंने यह भी बताया कि अक्सर देखा गया है कि जब ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी शहर पढ़ने के लिए जाते थे, कुछ सीनियर विद्यार्थी और कुछ बदमाश लोग नए विद्यार्थी समझ कर परेशान करते थे. उस वक्त भी अमरदीप यादव नए विद्यार्थियों की मदद करते थे और उसे गाइड भी करते थे.

राजेंद्र लाल ग्रामीणों को करते रहते हैं सहयोग : कटकम दाग थाना क्षेत्र के राजेंद्र लाल महतो ने बताया कि हर्ष अजमेर राजनीति में नया है, लेकिन वर्षों से समाज सेवा कर रहे हैं. जनता के लिए हमेशा खड़ा रहते हैं. वह कभी किसी काम को इनकार नहीं करते हैं. जितना होता है वह खड़े होकर करते हैं. यहां तक कि वह विद्यार्थी, महिला, खिलाड़ी, संगीतकार को प्रोत्साहन देते रहते हैं. बुजुर्ग, महिला पुरुष, मंदिर मस्जिद या फिर शादी विवाह में भी सहयोग करने का प्रयास करते हैं. लेकिन उनके पास कुर्सी का पावर नहीं है, जिसकी वजह से वह केवल शारीरिक और धन से सहयोग करते हैं. ऐसे उम्मीदवार को अगर पार्टी टिकट देती है तो उनकी जीत आसानी से हो सकती है. ये जीतने के बाद दिल्ली, महाराष्ट्र नहीं बल्कि क्षेत्र रहने वाले में से हैं.

जात-पात करने वाले को नहीं मिलेगा वोट

सदर प्रखंड के मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 2024 के चुनाव में जात-पात और धर्म की लड़ाई लड़ने वाला ढोंगी नेता को वोट नहीं मिलेगा, चाहे वह जिस पार्टी से हो. वोट उसी उम्मीदवार को देंगे जो क्षेत्र में आम जनता के लिए खड़ा रहता है. कांग्रेस नेता डॉ. आरसी प्रसाद मेहता को तो अगर पार्टी टिकट देती है, तो उन्हें भरपूर समर्थन मिलेगा. मेहता एक ऐसे उम्मीदवार हैं जो लगातार 4 साल से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं और वह ग्रामीण क्षेत्रों में हमेशा खड़ा रहते हैं. उन्होंने 4 साल में हजारों मोतियाबिंद का ऑपरेशन मुफ्त में किया है. वह पहला व्यक्ति हैं, जो हजारीबाग में टोल टैक्स से स्थानीय लोगों को माफ करवाया है. वह कृषि कानूनों के खिलाफ में भी ट्रैक्टर रैली निकाल चुके हैं. सुख-दुख में हमेशा साथ रहते हैं.

हिंदुत्व के नाम पर नहीं, काम देखकर मिलेगा वोट

नरेश कुमार पांडे ने बताया कि अब चुनाव आया है तो एक नेताजी झूठी अफवाह फैला रहे हैं. वह चुनाव लड़ना चाहते हैं और ऊंची कुर्सी पर बैठना चाहते हैं. शहर के एक नेताजी ऐसे हैं जिन्होंने कभी क्षेत्र का भ्रमण नहीं किया और जब चुनाव आया है तो वह भोले-भाले लोगों को तरह-तरह का प्रलोभन दे रहे हैं और झूठी अफवाह फैला रहे हैं. वह कभी विकास की बात नहीं करते, बल्कि हिंदुत्व की बात करते हैं. वह सदर विधानसभा क्षेत्र से हिंदुत्व के नाम पर भाजपा का टिकट चाह रहे हैं, लेकिन इस बार हिंदू के नाम पर नहीं, काम देखकर वोट दिया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग की हत्या के दोषी को उम्र कैद

कोडरमा। नाबालिग की हत्या के एक एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने गुरुवार को आरोपी सुरेश नाथ गोस्वामी (58) को 302 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई. साथ ही 10 हजार जुर्माना लगाया. वहीं न्यायालय ने 201 आईपीसी में दोषी पाते हुए 3 वर्ष की सजा सुनाई है. सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी. मामला वर्ष 14 अक्टूबर 2023 का है. इसको लेकर मरकच्चो थाने में मृतक के दादा इंद्रदेव नाथ गोस्वामी ने मामला दर्ज कराया था. बाद में बच्चे का शव हत्या कर तालाब में फेंका हुआ पाया गया था. सुनवाई के दौरान सभी 10 गवाहों का परीक्षण कराया गया. न्यायालय ने दो अन्य को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया.

चतराः कार्यशाला का किया गया आयोजन

चतरा। झारखंड जैव विविधता पर्षद के द्वारा जैव विरासत स्थल घोषित करने को लेकर गुरुवार कार्यशाला का आयोजन हुआ. झारखंड जैव विविधता पर्षद के सदस्य सचिव सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी संजीव कुमार (अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक) ने पलाश भवन सभागार में आयोजित कार्यशाला में 100 जैव विविधता विरासत स्थल को दिसंबर माह तक चिन्हित करने का लक्ष्य रखा है. उक्त लक्ष्य के आलोक में अभी तक झारखंड के चतरा, रांची, हजारीबाग, लातेहार, देवघर, गिरीडीह व अन्य जिलों से 40 से भी अधिक जैव विविधता विरासत स्थल को चिन्हित किया जा चुका है.

बिरयानी की दुकानों की जांच की मांग

रामगढ़। शहर में प्रतिबंधित मांस के साथ गिरफ्तार सरफराज आलम और सिमरन परवीन को लेकर विश्व हिंदू परिषद की रामगढ़ इकाई ने गंभीर आरोप लगाए हैं. जारी बयान में कहा गया है कि सरफराज की गतिविधि से हिंदू समाज के लोगों का धर्म भ्रष्ट होने की आशंका है. संगठन के जिला मंत्री छोटू वर्मा ने गुरुवार को एक प्रेस बयान जारी कर यह कहा है कि गिरफ्तार सरफराज आलम नई सराय में बिरयानी दुकान चलाता था. ऐसी सूचना है कि वह प्रतिबंधित मांस का उपयोग बिरयानी बनाने में करता था. उसकी बिरयानी दुकान से गैर मुस्लिम समुदाय के लोग भी ऑर्डर मांगते थे. सरफराज बिरयानी की होम डिलीवरी भी करता था. अगर सरफराज और सिमरन को हिंदू संगठन के सदस्यों के द्वारा नहीं पकड़ा जाता, तो उनके पास जो 80 किलो प्रतिबंधित मांस था.

मां भद्रकाली, मां कुलेश्वरी व लेंबोइया पहाड़ी मंदिर बने आस्था का केंद्र

कलश स्थापना और मां शैलपुत्री की पूजा के साथ नवरात्र आरंभ

- भूतल से 1575 फीट की ऊंचाई पर घनघोर पहाड़ियों के बीच अवस्थित है मां कुलेश्वरी का प्राकृतिक सरोवर

अभिमन्यु सिंह। चतरा

इस बार शारदीय नवरात्र व दुर्गा पूजा पर कई शुभ संयोग बन रहे हैं.

शक्ति स्वरूपा माता दुर्गा की आराधना का सबसे बडा महापर्व शारदीय नवरात्र का आगाज होते ही गुरुवार से शक्ति स्थलों में पूजा अर्चना, कलश स्थापना के साथ आरंभ हो गया. नवरात्र व दुर्गा पूजा को लेकर शक्ति स्थलों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है. पूजा को लेकर भव्य तैयारियां की गई हैं. कई वर्षों बाद इस बार शारदीय नवरात्र व दुर्गा पूजा पर कई शुभ संयोग बन रहे हैं. इस बीच माता रानी का पूजन अर्चन का विशेष लाभ भक्तों को मिलने वाला है.

जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर, पत्थलगड़ा के लेंबोइया पहाड़ी स्थित मां दक्षिणेश्वरी देवी चामुंडा मंदिर, इटखोरी के मां भद्रकाली मंदिर, हंटरगंज के मां कुलेश्वरी मंदिर, जोरी के मां काली मंदिर, सिमरिया के मां भवानी और चाडरम मंदिर, गिद्धौर के बलबल स्थित मां बागेश्वरी मंदिर समेत अन्य देवी मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया है. मंदिर प्रबंधन की ओर से शारदीय नवरात्र की कई तैयारियां की गई है, जहां श्रद्धालु कलश स्थापित कर माता रानी की आराधना में लीन हो. इटखोरी के मां भद्रकाली तथा हंटरगंज के मां कुलेश्वरी मंदिर में झारखंड और बिहार से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर माता की आराधना में लीन हो गए हैं. नवरात्र के धार्मिक ग्रंथ दुर्गा सप्तशती में मां कुलेश्वरी का व्याख्यान किया गया है. इस ग्रंथ में मां कुलेश्वरी संतान दायिनी के रूप में वर्णित हैं. मान्यता है कि नवरात्र के दौरान मां कुलेश्वरी प्राकृतिक सरोवर में प्रवेश करती हैं. इसी मान्यता के तहत नवरात्र के दौरान श्रद्धालु मां कुलेश्वरी के प्राकृतिक सरोवर में डुबकी लगाकर माता की आराधना का शुभारंभ करते हैं. पूरे नवरात्र के दौरान मां कुलेश्वरी के प्राकृतिक सरोवर में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मची रहती है. यहां पूरे 9 दिनों तक माता के सभी नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना श्रद्धालुओं के द्वारा पूरे विधि विधान के साथ करते हैं.

दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन भी अलर्ट : इसी प्रकार लेंबोइया पहाड़ी पर भी अखंड ज्योत जलाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है. शक्ति स्वरूपा माता के अराधना का यह सिलसिला बुधवार की शाम से ही आरंभ हो गया है. अगले 9 दिनों तक जिले के सभी देवी मंदिरों में माता की पूजा अर्चना और दुर्गा सप्तशती के पाठ से संपूर्ण इलाका भक्तिमय बना रहेगा. शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को लेकर शहर तथा कस्बों में पंडालो का निर्माण कराया जा रहा है. विशेष साफ सफाई के तहत मंदिरों को तथा पंडालों को कलाकारों के द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है. देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए हैं. शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन भी अलर्ट है. पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर पूजा समितियों को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं. जिला प्रशासन के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर दंडाधिकारियों की नियुक्ति की बात कही गई है. इसके साथ ही पंडालों में क्लोज सर्किट कैमरा लगाने तथा महिला पुरुष श्रद्धालु के लिए अलग-अलग बैरिकेड किए जाने का का निर्देश दिया गया है. पूजा में खलल डालने वालों पर भी प्रशासन की पैनी निगाह रहने की बात शांति समिति की बैठकों में कही गई है. जिले के सभी थानों में शांति समिति का बैठक आयोजित कर पूजा समिति व अन्य जनमानस को शांति एवं सद्भावना के साथ दुर्गा पूजा का पवित्र त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील प्रशासन के द्वारा की गई है.

शारदीय नवरात्र को लेकर पूजा समितियों ने निकाली कलश यात्रा

संवाददाता। पत्थलगड़ा

शारदीय नवरात्र को लेकर कलश यात्रा निकालते पूजा समिति के लोग.

प्रखंड में गुरुवार को शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा कलश यात्रा के साथ शुरू हो गया। शारदीय नवरात्र को लेकर यहां विभिन्न पूजा समितियों के द्वारा कलश यात्रा निकली गई. कलश यात्रा में सैकड़ों महिला व कन्याओं के साथ-साथ कई युवकों ने भी पवित्र कलशपात्र लिया. कलशयात्रा में बतौर मुख्य अतिथि चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रज किशोर तिवारी ने कलश देकर यात्रा का शुभारंभ किया. कलश यात्रा अपने अपने पूजा पंडाल व मंदिरों से निकली जो कई गांवों का भ्रमण कर विभिन्न जलाशयों तक पहुंची. वहां आचार्यों द्वारा पूरे विधि विधान पूर्वक गंगा पूजन कर कलश में जल भरवाया. तत्पश्चात सभी कलश लेकर पूजा स्थल तक पहुंचे. ज्ञात हो कि यहां प्रखंड मुख्यालय सुभाष चौक पत्थलगडा, नावाडीह व नोनगांव में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है. इसके अलावे कुब्बा मंडप व लेंबोइया मंदिर में कलश स्थापित कर नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा विधि विधान से होती है. उक्त सभी जगहों पर कलश स्थापन के साथ ही मां दुर्गा के नौ स्वरूपों में प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा आराधना की गई. क्षेत्र में दुर्गोत्सव को लेकर धूमधाम व काफी उत्साह है. प्रखंड मुख्यालय स्थित दुर्गा मंडप में समिति द्वारा भव्य पंडाल बनाया गया है. पंडाल व आस पास के क्षेत्रों को रंग बिरंगे व दूधिया लाइट से सजाया गया है. त्योहार को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गया है.

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विधायक सुनीता चौधरी ने की मां दुर्गा की आराधना

संवाददाता। रामगढ़

मां दुर्गा की पूजा करते सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विधायक सुनीता चौधरी.

शारदीय नवरात्र गुरुवार से प्रारंभ हो गया. गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी अपनी धर्मपत्नी रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी के साथ रांची स्थित आवास में कलश स्थापना कर विशेष पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान करने में जुटे रहे. उन्होंने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री की आराधना की और मां भगवती से रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण झारखंड वासियों के सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की. मौके पर ईशान चौधरी, पीयूष चौधरी, सोनल प्रिया, विनय कुमार, नीरज मंडल, अनिता सिन्हा आदि मौजूद थे.

ईसीआरकेयू में कई संगठन के लोग हुए शामिल

'सभी मिलकर रेलकर्मियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे'

सम्मेलन के दौरान ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के लोग.

संवाददाता। रामगढ़

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन की मंडल स्तरीय महासंगम सह युवा कार्यकर्ता सम्मेलन धनबाद रेलवे ऑडिटोरियम में बुधवार को संपन्न हुआ. मंच का संचालन ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह पी एन एम प्रभारी मो ज़्याऊद्दीन ने किया तथा सहयोग सहायक महामंत्री ओमप्रकाश तथा एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा ने किया. इस मौके पर ईसीआरएमयू, आरकेटीए, एआईआरटीयू तथा ओबीसी एसोसिएशन आदि के कई प्रमुख केंद्रीय पदाधिकारी और सक्रिय सदस्य अपने पूर्व के संगठन को छोड़ कर ईसीआरकेयू से जुड़े. ईसीआरकेयू के केंद्रीय नेतृत्व और विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों ने इन नये युवाओं को पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया. बरकाकाना शाखा से सचिव महेंद्र प्रसाद महतो, संदीप शर्मा, मुकेश लाल, रणधीर प्रसाद, विकास कुमार, सरयू प्रसाद शामिल हुए. मौके पर एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा, ईसीआरएमयू के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कुमार, राकेश कुमार, मो वसीम, धीरेंद्र कुमार,अजय कुमार, अमित कुमार, जवाहर लाल, शंभु कुमार, संजय कुमार, राहुल आदि उपस्थित थे.

जिला शिक्षा पदाधिकारी और अतिरिक्त कार्यक्रम पदाधिकारी ने किया विदा

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए तीरंदाजी वॉलीबॉल और ताइक्वांडो की टीम रवाना

संवाददाता। हजारीबाग

रवाना होने के मौके पर खिलाड़ी और पदाधिकारी.

खेलो झारखंड अंतर्गत राज्य स्तरीय स्कूली (एसजीएफआई) खेल प्रतियोगिता में तीरंदाजी, वॉलीबॉल और ताइक्वांडो का आयोजन खेल गांव रांची में 4 से 5 अक्टूबर के बीच किया जाएगा. इसमें जिले से तीनों खेलो के 86 खिलाड़ी भाग लेंगे जिन्हें गुरुवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी परवीन रंजन, अतिरिक्त कार्यक्रम पदाधिकारी कौशल कुमार, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह और शारीरिक शिक्षा शिक्षको में मधुसूदन कुमार सिंह, सुनील यादव, पवन कुमार, अश्विनी श्रीवास्तव, अनूप मेहता, सरोज मालाकार ने जीत की शुभकामना देकर विदा किया. दो दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों से तीरंदाजी, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो के हजारों खिलाड़ी भाग लेंगे. खेल गांव के हरिवंश ताना भगत स्टेडियम में वॉलीबॉल, गणपत राय इंडोर स्टेडियम में ताइक्वांडो और टिकैत उमराव शूटिंग रेंज 3 में तीरंदाजी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. हजारीबाग से जिला खेल टीम का नेतृत्व प्रतिनियुक्त शारीरिक शिक्षा शिक्षक रौशन कुमार प्रसाद, सुनील महतो, उपेंद्र अग्रवाल, हरिकांत पांडेय, मनीष कुमार, सागर कुमार, सुरेंद्र कुमार करेंगे. राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी को राष्ट्रीय स्कूली खेल एसजीएफआई प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा. उक्त प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और संबंधित खेल एसोएिएशन में काफी उत्साह देखा जा रहा है. खिलाड़ियों और एसोएिएशन को प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है.

खास बातें

- खेल गांव रांची में 4 और 5 अक्टूबर को होगा आयोजन
- खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

उत्पाद विभाग ने चलाया छापामारी अभियान

अवैध शराब जब्त, तीन होटल के मालिक गिरफ्तार किए गए

संवाददाता। रामगढ़

दशहरा पर्व और ड्राई डे के मद्देनजर रामगढ़ जिले में गुरुवार को उत्पाद विभाग के द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया. विभिन्न लाइन होटल और प्रतिष्ठानों से अवैध शराब जब्त की गई. साथ ही तीन होटल के मालिकों को गिरफ्तार किया गया है. सहायक उत्पाद आयुक्त सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि 2 अक्टूबर और 3 अक्टूबर को ड्राई डे घोषित किया गया था. उत्पाद बल एवं सशस्त्र गृहरक्षकों के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन व व्यापक छापामारी अभियान चलाया गया. छापामारी अभियान के दौरान गोला थाना अंतर्गत शोभा लाइन होटल, पुराना सिरका एवं रजरप्पा थाना अंतर्गत मुरुबन्दा एवं रामगढ़ थाना अंतर्गत होटल टी एंड ट्रीट, महादेव होटल, लवली होटल, थालसा होटल, सम्राट होटल, राधा लाइन होटल में छापामारी की. सभी जगहों से 48 बोतल बीयर, 10 पीस केन बीयर एवं 50 बोतल विभिन्न ब्रांडों के विदेशी शराब सहित कुल 36 लीटर अवैध बीयर एवं 12 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई. अभियान में शोभा होटल से जीतू महथा, लवली होटल से लवली साव एवं थालसा होटल से कमल किशोर तिग्गा को गिरफ्तार किया गया. मुरुबन्दा के रविन्द्र कुमार, पुराना सिरका के योगेंद्र महतो, सम्राट होटल के संचालक भीम कुमार कुशवाहा एवं थालसा होटल के संचालक विजय कुमार कच्छप के विरुद्ध अभियोग दर्ज किया गया है.

समस्या ग्राहक पंचायत की बैठक में उठा मुद्दा, एसडीओ और जेई दे रहे डेट पर डेट

ईचाक का दरिया गांव दो माह से अंधेरे में, जीएम को ज्ञापन

संवाददाता। ईचाक (हजारीबाग)

ग्राहकों के लिए काम करने वाली अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की ईचाक इकाई ने पिछले दो माह से ईचाक के दरिया में जले ट्रांसफार्मर और संबंधित प्रखंड के एसडीओ और जेई द्वारा की जा रही आनाकानी को लेकर बिजली जीएम को ज्ञापन सौंपा है. प्रखंड संयोजक सौरभ कुमार तथा सदस्य अशोक मेहता के साथ बिजली जीएम को ज्ञापन देने ग्राहक पंचायत के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता गए थे. इस बाबत जानकारी देते हुए प्रखंड संयोजक ने बताया कि ईचाक का हदारी क्षेत्र कृषि बहुल गांव है. यहां बिजली से खेती भी की जाती है. कम पावर का ट्रांसफार्मर होने के कारण

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की ईचाक इकाई की बैठक में उपस्थित लोग.

बार-बार जल जाता है. विभाग से लगातार जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग की जा रही है. बताया जा रहा है कि गांव की क्षमता के अनुसार ट्रांसफार्मर लगाया जाए, परंतु विभाग की ओर से पिछले दो माह से डेट पर डेट दिया जा रहा है. ट्रांसफार्मर नहीं लगाया जा सका है. पूरा गांव दो माह से अंधेरे में है. दुर्गा पूजा शरू हो गई है. ऐसे में ट्रांसफार्मर नहीं होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. अशोक मेहता ने बताया कि पूजा से पहले ट्रांसफार्मर बदलने की मांग जीएम से की गई है. अगर इस दिशा में कदम नहीं उठाया तो ग्राहक पंचायत अपने स्तर से मुद्दा को उठाएगी और आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन भी किया जाएगा. इस बाबत एक बैठक हदारी में गांव में हुई. बैठक में मुखिया प्रतिनिधि कुशलचंद मेहता, ग्राहक पंचायत के प्रखंड संयोजक सौरभ कुमार, सदस्य अशोक मेहता, बंशी प्रसाद मेहता, विनोद कुमार, राजेंद्र प्रसाद मेहता, जगदीश प्रसाद मेहता, वरुण कुमार, छत्रधारी मेहता, राजेंद्र मेहता, बसंत राम, सफीक अंसारी, दामोदर महतो, विनोद कुमार मेहता, युवराज मेहता, संतोष मेहता, अशोक मेहता आदि उपस्थित थे.

स्वतंत्रता सेनानी सत्यानंद सिंह की परपौत्री कांफ्रेंस में हिस्सा लेंगी

चौपारण की बेटी मृणालिनी पहुंचीं लंदन स्ट्रीट

संवाददाता। चौपारण

स्वतंत्रता सेनानी सत्यानंद सिंह की परपौत्री एवं सियाराम सिंह की पौत्री मृणालिनी राज रिसर्च स्कॉलर के रूप में चयनित होकर ब्रिटेन के कई शहरों में आयोजित विभिन्न कॉन्फ्रेंसों में हिस्सा लेने लंदन पहुंच चुकी है. वर्तमान में वह जेआरएफ रिसर्च स्कॉलर में चयनित होकर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) रुड़की से अंग्रेजी साहित्य में रिसर्च स्कॉलर के रूप में पीएचडी कर रही है. वहीं से उसका चयन चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट लंदन (यूनाइटेड किंगडम) द्वारा रिसर्च ग्रांट के रूप में 1 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2024 तक ब्रिटेन के विभिन्न शहरों लंदन, नॉरविच,

मृणालिनी

ब्रिंघटन में आयोजित विभिन्न कॉन्फ्रेंसों में भाग लेने एवं रिसर्च करने के लिए चुना गया है. उसी के तहत वह लंदन पहुंचकर निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल हो रही है.

गांव में ही बीता बचपन : मृणालिनी का बचपन सेलहारा से होते हुए हजारीबाग पहुंचा. वह इंटरमीडिएट डीएवी हजारीबाग से, स्नातक संत जेवियर कॉलेज रांची से, एमए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से करने के बाद आईआईटी रुड़की में रिसर्च स्कॉलर के रूप में पीएचडी कर रही है. मृणालिनी के पिता जन्मेजय सिंह मध्य विद्यालय सेलहारा में सरकारी शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं. मां अंजनी सिंह स्नातक उत्तीर्ण गृहणी एवं भाई मयंक राज दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नयी दिल्ली से एमबीए (एचआरडी) की पढ़ाई कर रहा है. मृणालिनी की ऊंची उड़ान पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है. शिक्षक जनार्दन वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मृणालिनी की सफलता से ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियां भी प्रोत्साहित होंगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सप्तम चंद्र शुक्र का योग से जीवनसाथी के साथ खुशी के पल गुजरेंगे. आय के द्वार खुलेंगे. कार्य के लिए समय अनुकूलता देगा. व्यापार के लिए स्थिति सुखद रहेगी. बहन का सहयोग मिलेगा. मंदिर में घी का दीपक जलावें.

वृष उदर विकार उत्पन्न हो सकता है. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. ऋण लेने से बचना चाहिए. माता दुर्गा को लाल फूल अर्पण करें.

मिथुन सर्दी बुखार से स्वास्थ्य पर असर होगा. संतान के कार्य से लाभ होगा. शिक्षा में लाभ होगा. रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क किसी से विवाद हो सकता है. पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. कोई नुकसान हो ऐसा कार्य नही करे. मिठाई बच्चों को दें.

सिंह समय शुभ है. आय का अटका मामला ठीक होगा. किसी प्रकार का आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाए.

कन्या शाम में कोई पार्टी हो सकती है, पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आय होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

तुला कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगी. समय अनुकूल है. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है. लक्ष्मी माता को लाल फूल अर्पण करें.

वृश्चिक पैतृक सम्पति से लाभ होगा. आपके व्यवहार से आय और धन बृद्धि होगा.पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी.

धनु आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. कोई अटका कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. किसी अपने से कोई लाभ होगा. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अपनों के सहयोग से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर कोई शुभ कार्य होने से मन खुश होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. आलस का त्याग करें. कार्य पर ज्यादा ध्यान दें. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

कुंभ समय शुभ है. शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे.आपके अपने का विवाह सम्बंधित शुभ और सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शनि चालीसा और छाया दान करना चाहिए.

मीन विवाद से अपने आप को दूर रखें. आपके अथक प्रयास से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. आपके मेहनत से धन आएगा. घी का दीपक माता दुर्गा को दिखावें.

अड़की में पत्थर से कूचकर अधेड़ की हत्या, क्षेत्र में मची सनसनी

खूंटी। अड़की थाना की बाड़ी निजकेल पंचायत के टोला लुपुंगडीह के समीप गुरुवार सुबह एक अधेड़ ग्रामीण का शव बरामद किया गया. शव की पहचान गांव के ही विजय मुंडा (55) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार विजय मुंडा बुधवार को हॉकी मैच देखने सायको थानांतर्गत हितडीह गांव गया था. वहां से रात में वह वापस घर नहीं लौटा. गुरुवार सुबह कुछ ग्रामीणों ने जब लोवा डोभा के किनारे खून से लथपथ उसके शव को देखा, तब उसके स्वजनों एवं गांव वालों को इसकी जानकारी हुई. बाद में इसकी सूचना अड़की थाना की पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल शुरू की. अपराधियों ने उसकी हत्या पत्थर से सिर को कूचकर की है.

दिलीप नामधारी डालटनगंज से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे

मेदिनीनगर। स्थानीय गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल में दिलीप सिंह नामधारी ने वरिष्ठ साथियों व कार्यकर्ताओं के साथ डालटनगंज भंडरिया विधानसभा चुनाव से संबंधित विषयों पर विचार विमर्श के लिए बैठक हुई. बैठक में कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया कि दिलीप सिंह नामधारी डालटनगंज भंडरिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. नामधारी ने जनता के निर्णय को स्वीकार करते हुए चुनाव लड़ने पर सहमति जताई. मालूम हो कि दिलीप सिंह 2009 में भाजपा से चुनाव लड़े थे. लेकिन कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी ने उन्हें लगभग चार हजार मतों से हराया था.

जीत-कुंडो कराटे चैंपियनशिप में जाएंगे संत मरियम के विद्यार्थी

मेदिनीनगर। मुंबई में आयोजित 23 वां नेशनल स्पोर्ट्स जीत-कुन्डो चैंपियनशिप में संत मरियम स्कूल के तीन बाल कराटेकार अयान सिद्दीकी, उज्जवल राज व आर्यन कुमार सिंह भाग लेंगे. चैम्पियनशिप द स्पोर्ट्स जीत कुंडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जा रहा है. इसमें पूरे भारत के विभिन्न राज्यों के मार्शल-आर्ट्स खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. बाल कराटेकार मुख्य मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार के नेतृत्व में चार अक्टूबर को मुंबई के लिए रवाना होंगे.

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू, प्रथम दिन हुई मां शैलपुत्री की पूजा -अर्चना

वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज रहा छिन्नमस्तिके मंदिर

संवाददाता। रामगढ़

रजरप्पा कोयलांचल सहित आसपास के विभिन्न मंदिरों में विधिवत कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू हो गया. शारदीय नवरात्रा के प्रथम दिन गुरुवार को मां दुर्गे के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई. पूजा अर्चना के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड देखी गई. इस दौरान वैद्धिक मंत्रोच्चारण से पूरा मंदिर प्रक्षेत्र गूंजयमान रहा. इधर, रजरप्पा स्थित लुगू बाबा आश्रम में भी विधि -विधान के साथ नौ कलशों की स्थापना किया गया. कलश स्थाना से पूर्व अहले सुबह स्नान ध्यान के बाद जलयात्रा निकालकर गंगा पूजा की गयी. तत्पश्चात गंगा को कलश में

भरकार आश्रम लाया गया. यहां वैद्धिक विधि से कलश स्थापना पूजन कर मां शैलपुत्री का आह्वान किया गया. साथ हीं यहां मौजूद साधकों द्वारा मां दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारंभ किया गया. मौके पर मौजूद आश्रमाचार्य रामशरण गिरी बाबा ने बताया कि यहां लगातार नौ दिनों तक भंडारे व रात्रि में भक्ति जागरण किया जाएगा. जिसमें भारी संख्या में लोग मौजूद रहेंगे. इन्होंने कहा कि मां दुर्गे के नौ स्वरूपों को जो भी भक्त सच्चे मन से पूजा करते हैं, मां उन्हें मनोवांछित फल प्रदान करती है.

रजरप्पा में फूलों से सजा मां का दरबार

शारदीय नवरात्र को लेकर देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्मस्तिका मंदिर का विशेष श्रृंगार किया गया है. यहां कोलकाता से मंगाए फूलों से मंदिर को सजाया गया है. इस कार्य मे दो दर्जन मजदूर लगे हुए हैं. जिससे छिन्नमस्तिका मंदिर का नजारा काफी अद्भुत व अलौकिक नजर आ रहा था. वहीं विद्युत सज्जा का कार्य भी जोर शोर से किया जा रहा है.

मानदेय की मांग को लेकर धरना- प्रदर्शन

ऊर्जा मित्रों ने राजभवन के समक्ष दिया धरना

राजधानी रांची में राजभवन के समक्ष गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर धरना देते ऊर्जा मित्र.

संवाददाता। रांची

बिजली विभाग के सैकड़ों ऊर्जा मित्रों ने पांच सूत्री मांग को लेकर गुरुवार को राजभवन के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया. जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि 2017 से बिजली विभाग में ऊर्जा मित्र के रूप में काम कर रहे हैं. आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से सभी को नौकरी दी गई है. पूरे राज्य में 65 सौ ऊर्जा मित्र हैं. एक सब डिवीजन में 20-25 ऊर्जा मित्र हैं. प्रत्येक तीन से चार साल में कंपनी बदलती रहती है. जब एक कंपनी में काम करते हैं. तब महीना में चार से पांच हजार रुपये वेतन दिया जाता है. वह भी पांच महीने बाद मिलता है. समय पर पैसा नहीं दिया जाता है. बकाया पैसा भी नहीं दिया जाता है. आउटसोर्सिंग कंपनी का कार्यकाल जब पूरा हो जाता है, तब कंपनी ऊर्जा मित्रों का पैसा लेकर रफ्फूचक्कर हो जाती है.

गिरिडीह के मुश्ताफ अंसारी और पवन कुमार वर्मा ने कहा कि घर-घर में जाकर बिजली बिल निकालते हैं. कंज्यूमर को बिजली बिल भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं. एकदिन में एक सौ घरों का बिजली बिल निकालने के लिए कहा जाता है. एक महीना में 1500 का टारगेट दिया जाता है. जब पूरा नहीं होता है. तब 25 प्रतिशत वेतन काट लिया जाता है. एक बिल पर चार रुपए दिया जाता है. इसके एवज में हर महीने पांच हजार रुपये दिये जाते हैं. ऊर्जा मित्रों को वेतन देने के लिए 12 हजार रुपये का टेंडर निकलता है. मौके पर अध्यक्ष इंगेश्वर ठाकुर,महावीर साहु, बैजु महतो, संतोष कुमार, प्रमोद मंडल, सागर प्रसाद, सरोज सौरभ, अशोक कुशवाहा, इंद्र नाथ ठाकुर, रामकिशुन राम समेत अन्य शामिल थे.

...तो 30 दिन में तुलसीदामर खदान चालू करवाएंगे

संवाददाता। भवनाथपुर

भवनाथपुर से केतार होते हुए पाचाडुमर मुख्य पथ सुदृढ़ीकरण निर्माण का शिलान्यास गुरुवार को खरौंधी मोड़ के समीप विधायक भानु प्रताप शाही की उपस्थिति में बुजुर्ग चंद्रदेव राउत ने पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर तथा शिलापट्ट का अनावरण कर किया. उक्त सड़क का निर्माण पथ निर्माण के तहत करीब 14 करोड़ की लागत से बनाई जायेगी. मौके पर विधायक श्री शाही ने कहा कि इस सड़क को अपने मंत्रित्वकाल में बनवाया था, जो समय के साथ खराब होने लगी थी,

जिसे देखते हुए दुबारा इस चमचमाती सड़क निर्माण के लिए आज शिलान्यास किया हूं. आज कुल कुछ नेताओं का आंख के साथ साथ मानसिक संतुलन खराब होने लगी है. वैसे नेताओं को विधायक भानु द्वारा उनके घर के सामने किया गया विकास दिखाई नहीं दे रहा है. कहा कि अनंत प्रताप देव जनता को गुमराह करते हुए कहते चल रहे है कि सीमेंट फैक्ट्री नहीं लगवा देते तो यहां के युवकों को रोजगार मिलता, अगर विधायक सीमेंट फैक्ट्री लगवा सकता है, तो मंत्री मिथिलेश ठाकुर और सीएम हेमंत सोरेन गढ़वा और बरहेट में पॉवर प्लांट आज तक क्यों नही लगवा सके. उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो वादा करते है, 30 दिनों के अंदर तुलसीदामर खदान को चालू करवाएंगे.

पेज एक का शेष

हंगामा क्यों है बरपा...

लेकिन उनके स्वयं के निर्वाचन पर भ्रष्टाचार का आरोप चस्पां हो गया. उनका चुनाव रद्द हो गया. उन्होंने इमरजेंसी लगा दी और संविधान में संशोधन कर लोकसभा का कार्यकाल पांच साल के बदले छह साल कर दिया. इसलिए 1977 में चुनाव हुए. इंदिरा गांधी हार गईं. मोरारजी प्रधानमंत्री बने और कांग्रेस की नौ राज्य सरकारों को इस आधार पर बर्खास्त कर दिया कि कांग्रेस जनसमर्थन खो चुकी है. मोरारजी की सरकार दो साल भी नहीं चल पाई. 1980 में चुनाव हुए. फिर इंदिरा गांधी की सरकार बनी. उन्होंने भी मोरारजी का तर्क अपनाते हुए राज्यों की जनता पार्टी की सरकारों को बर्खास्त कर दिया. 1984 में उनकी हत्या हो गयी. चुनाव 1985 में होना था. लेकिन उनकी हत्या से उपजे आक्रोश को कैश कराने के लिए राजीव गांधी ने 1984 में ही चुनाव करा दिया और प्रचंड बहुमत से जीत गये. 1989 में चुनाव हुए. बोफोर्स घोटाले के घटाटोप और वीपी सिंह की बगावत के बीच कांग्रेस हार गई. वीपी सिंह की सरकार बनी. वह चली नहीं और कांग्रेस ने उनकी जगह चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री बनाया जरूर, लेकिन चार महीने में ही समर्थन खींच लिया. फिर 1991 में चुनाव हुए. बीच चुनाव राजीव की हत्या हो गयी. नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने. उन्होंने तीन तिकड़म-खरीद-फरोख्त से पांच साल सरकार चलाई. उन्होंने अयोध्या में विवादित ढांचे के ध्वंस को आधार बनाकर भाजपा की चार सरकारें बर्खास्त कर दीं. 1996 में किसी को बहुमत नहीं मिला. अटलबिहारी वाजपेयी 13 दिन प्रधानमंत्री रहे. फिर कांग्रेस ने देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल को प्रधानमंत्री बनवाया, लेकिन वे दोनों कांग्रेस को खुश नहीं रख सके और 1998 में फिर चुनाव कराना पड़ा. अटल जी फिर प्रधानमंत्री बने. लेकिन 13 महीने बाद एक वोट से सरकार गिर गई. फिर 1999 में चुनाव हुए. तब से आज तक लोकसभा के चुनाव पांच साल के नियमित अंतराल पर हो रहे हैं. विधानसभाएं भी 1994 में बोम्मई केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बर्खास्त नहीं हो रही हैं, लेकिन करीब 90 बार अलग-अलग कारणों से विधासभाएं भंग हो चुकी हैं.

अब यदि 1967 तक का चक्र चलाना है तो कुछ विधानसभाओं का कार्यकाल घटाना-बढ़ाना पड़ सकता है. यह व्यवस्था भी करनी पड़ेगी कि यदि अल्पमत में आ जाने के कारण सरकारें गिरती हैं तो अगली विधानसभा शेष अवधि के लिए ही चुनी जायेगी. यही व्यवस्था लोकसभा के लिए भी करनी होगी. पंचायती राज कानून में यह व्यवस्था है कि पंचायतों के असमय भंग होने की स्थिति में अगली पंचायतों का कार्यकाल बची हुई अवधि तक ही होगा. संसद चाहे तो इसे अपना सकती है. हमारा संविधान मुख्यतः अमेरिका और यूके के मॉडल पर बना है. अमेरिका में चुनाव होनेवाले हैं, नीचे से ऊपर तक. वोट एक ही दिन पड़ेंगे. नवंबर के पहले सोमवार के बाद के मंगलवार यानी इस बार पांच नवंबर को. यूके (ब्रिटेन) में भी नीचे के सभी चुनाव मई के पहले वृहस्पतिवार को ही होते हैं. हालांकि वहां की लोकसभा (हाउस ऑफ कामंस) असीम शक्ति संपन्न है. वहां के प्रधानमंत्री अपनी मर्जी से समय पूर्व चुनाव कराने के लिए विशेष प्रावधान कर-करा लेते हैं.

जहां तक भारत में एक साथ सभी चुनाव कराने की बात है, इसके पक्ष में भी दलीले हैं और विपक्ष में भी. इस पर बहस लंबी खिंचेगी. लेकिन यहां मैं केवल दो विषयों पर ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं. पहला है चुनावों में कालेधन का इस्तेमाल. चुनाव दिन-ब-दिन महंगे होते जा रहे हैं. क्राउड फंडिंग और छोटे चंदों से चुनाव न लड़े जा सकते हैं, न जीते जा सकते हैं. जो भारी भरकम चंदा देते हैं वे सरकारों, प्रतिनिधियों पर अपने फायदे के लिए दबाव बनाते हैं, नीतियां बनवाते हैं. देश में क्रोनी कैपिटल की मूल वजह यही है. एक साथ चुनाव होने से कालेधन के परनाले का प्रवाह कुछ न कुछ कम जरूर होगा. दूसरा यह कि देश में जहां भी चुनाव होते हैं, धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र के आधार पर विष बुझे बयानों के तीरों से हमारी एकता घायल होती रही है. बार-बार चुनाव से यह जख्म हमेशा हरे रहते हैं और हमारी एकता कमजोर हो जाती है.. एक बार पांच साल के लिए एक साथ चुनाव हो जाये तो कम से कम घावों के भरने के लिए समय मिल जायेगा. कुछ राजनीतिक दल इसलिए इस पहल का विरोध कर रहे हैं कि उनके पास वोट बटोरू नेता नहीं हैं. उन्हें यह भय सता रहा है कि क्षेत्रीय दलों के मुद्दे एक साथ चुनाव होने से गौण हो जायेंगे. लेकिन दिल्ली, आंध्र, तेलंगाना, ओडिशा आदि के उदाहरण भी हैं जो इस आशंका को गलत साबित करते हैं. दरअसल, इससे हमारा लोकतंत्र क्रमशः परिपक्व होगा और राजनीति मुद्दों पर लौट आयेगी. देखिए होता क्या है, विधेयक कब आता है, पास होता है या नहीं और क्या व्यवस्थाएं की जाती हैं. लेकिन तमाम किंतु-परंतु के बावजूद विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ होने ही चाहिए. यह देश हित में भी है और समाज के हित में भी.

विकास में यह मील का....

- लेवल एक 6176 वर्गमीटर व लेवल दो 3900 वर्गमीटर का है. ट्रांसपोर्ट नगर में ड्राइवर व खलासी के आराम करने के लिए 180 बेड की डॉरमेट्री और 150 लोगों के बैठने के लिए फूड कोर्ट भी है.
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई-फाई, लैंड स्केपिंग व मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध कराया कराया गया है.
- ट्रांसपोर्ट नगर में बड़े-छोटे कुल 424 वाहनों को खड़ा करने का प्रावधान किया गया है.
- लेवल एक प्लेटफॉर्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लंबा), 11 लार्ज टेलर (18 मीटर लंबा) और 27 स्मॉल (16 मीटर लंबा) वाहन खड़ा किये जा सकेंगे.
- लेवल दो प्लेटफॉर्म पर 179 लार्ज और 50 स्मॉल वाहन खड़े किये जाएंगे. वहीं, लेवल तीन के प्लेटफॉर्म पर 64 छोटे वाहन खड़े किये जा सकेंगे.
- बाहर से आनेवाले वाहनों के चालक वेयर हाउस में माल उतार कर मुक्त हो जाएंगे. वहां से ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों के माध्यम से माल जगह तक पहुंचाएंगे.
- ट्रांसपोर्ट नगर तैयार होने के बाद भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा.
- राजधानी के मुख्य मार्गों को दरकिनार करते हुए भारी वाहन रिंग रोड का इस्तेमाल कर ट्रांसपोर्ट नगर तक पहुंच जाएंगे.
- ट्रांसपोर्ट नगर बनने से शहर में यातायात का भार कम होगा. वहीं, व्यापारियों के लिए भी मददगार होगा.
- ट्रांसपोर्ट नगर में जमशेदपुर (राष्ट्रीय राजमार्ग-33), हजारीबाग (एनएच-33), मेदिनीनगर (एनएच-75), गुमला (एनएच-23) और पुरुलिया (राज्य राजमार्ग-01) से रांची आनेवाले वाहन खड़े किये जाएंगे.
- रांची शहर के दक्षिण-पूर्व रेलवे से अच्छी तरह जुड़ा होना भी ट्रांसपोर्ट नगर के लिए लाभकारी होगा.

दूसरे फेज की रहेगी यह विशेषता

- ट्रांसपोर्ट नगर फेज टू में नौ एकड़ भूमि पर 55.52 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण किया जाएगा.
- इस फेज में 256 वाहनों को खड़ा करने के लिए प्लेटफॉर्म व जलमीनार का निर्माण होगा.
- इसके अलावा डॉरमेट्री में बेड की संख्या भी बढ़ायी जाएगी.
- फिलहाल, ट्रांसपोर्ट नगर में 180 बेड की डॉरमेट्री है. इसे बढ़ा कर 600 बेड का किया जाएगा.
- योजना के लिए 55.82 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. वर्ष 2025 में फेज टू पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.

आज आधारशिला रखे जाने वाले फ्लाईओवर ...

- धनबाद जिले में मटकुरिया फ्लाईओवर का निर्माण (लागत 256.54 करोड़)
- गोला-मुरी फोर लेन सड़क (लागत 333.17 करोड़)
- भुईयांडीह लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी पथ में स्वर्णरेखा नदी पर फोन लेन पुल निर्माण (लागत 77.77 करोड़)
- अन्य पथों एवं आरओबी निर्माण कार्य (लागत 713.49 करोड़)

देश की विकास परियोजनाएं...

तलाशी की इस कार्रवाई के बाद विभाग इस नतीजे पर पहुंचा था कि इन एनजीओ ने कथित रूप से वर्ष 2010 के फ़ॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के प्रावधानों का उल्लंघन किया था - विदेशी मुद्रा बैंक खातों के स्टेटमेंट और सालाना रिटर्न में दी गई जानकारी में अंतर, तथा विदेशी मुद्रा के रूप में हासिल धन का दुरूपयोग - बाद में इन सभी एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिए गए थे, जिसे उन्होंने अदालत में चुनौती दी, जिन पर फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है.

इंडियन एक्सप्रेस का दावा है कि उसने वर्ष 2023 खत्म होने से पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा इन एनजीओ को जारी किए गए इन्टीमेशन लेटर को रिव्यू किया है. 100-100 पृष्ठों से भी लम्बे इन खतों में एनजीओ के ख़िलाफ़ लगाए गए अहम आरोपों को ट्रैक करने के लिए विभिन्न एग्रीमेंटों, वित्तीय स्टेटमेंट, ईमेल और बोर्ड बैठकों में चर्चा में रही बातों की प्रतियां भी शामिल की गई हैं.

नौ दिन बाद एनजीटी की रोक हटेगी फिर भी गहराया रहेगा बालू का संकट

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में बालू उठाव पर लगी रोक 15 अक्तूबर के बाद से हट जाएगी. रोक हटने के बावजूद प्रदेश में बालू का संकट बना रहेगा. इसकी वजह यह है कि अब तक 444 बालू घाटों में से 328 बालू घाटों के माइनिंग प्लान को मंजूरी नहीं मिल पायी है. वहीं 400 से अधिक बालू घाटों को पर्यावरण स्वीकृति भी नहीं मिल पाई है. नियमतः बिना माइनिंग प्लान मंजूर किए और पर्यावरण स्वीकृति के बिना बालू का उठाव नहीं हो सकता है.

कैसे मिलती है पर्यावरण स्वीकृतिः पर्यावरण स्वीकृति लेने से पहले ग्राम सभा से माइनिंग प्लान की मंजूरी लेनी पड़ती है. इसके बाद सिया के पास पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन देना होता है. पर्यावरण स्वीकृति मिलने के बाद बालू घाट से बालू उठाव के लिए कंसर्ट टू ऑपरेट (सीटीओ) मिलता है. अब तक सिर्फ 35 बालू घाटों को ही पर्यावरण स्वीकृति मिल पाई है. वहीं कटेगरी टू के बालू घाटों के लिए 256 एमडीओ चयनित किया गया है. 148 एमडीओ के साथ इकरारनामा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है.

खास बातें

- 409 बालू घाटों को अब तक नहीं मिली है पर्यावरण स्वीकृति
- 328 बालू घाटों का माइनिंग प्लान अब तक मंजूर नहीं

अब तक क्या हुई है बालू घाटों देने की प्रगति

- 444 बालू घाटों में से 130 एमडीओ (माइंस डेवलपर ऑपरेटर) की हो चुकी है नियुक्ति
- 41 बालू घाटों का मामला है लंबित
- 242 एमडीओ के चयन की प्रक्रिया कर ली गई है पूरी
- 116 बालू घाटों के माइनिंग प्लान कर लिए गए हैं मंजूर
- 75 बालू घाटों का माइनिंग प्लान डीएमओ के पास मंजूरी के लिए है पड़ा

मंत्री ने बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र बांटे

लोहरदगा। विधायक सह मंत्री वित्त विभाग योजना एवं विकास विभाग वाणिज्यकर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग झारखंड सरकार द्वारा लोहरदगा जिलांतर्गत विद्युत शक्ति उपकेंद्र बिजली ऑफिस पतरा टोली में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना अंतर्गत 30 लाभुकों के बीच बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र वितरण किया गया. इस बीच लाभुकों को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं के लिए मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के तहत बिजली बिल माफी योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत प्रदेश के सभी घरेलू उपभोक्ताओं का बकाया बिजली बिल माफ कर दिया गया है एवं उनके बीच बिजली बिल प्रमाण पत्र का वितरण किया गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के विकास के लिए तत्पर है इसी प्रयास के क्रम में लोगों के कल्याण के लिए 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक भार से मुक्ति मिलेगी.

मन की व्यथा 256.69 किलोमीटर लंबी 65 सड़कों का शिलान्यास किया जाएगा

पूर्व विधायक नहीं चाहते पांकी का विकासः डॉ. मेहता

संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी विस क्षेत्र के विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि अगले कुछ दिनों में विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनने वाली 256.69 किलोमीटर लंबी 65 सड़कों का शिलान्यास किया जाएगा. इन सड़कों के निर्माण के लिए 160 करोड़ 94 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है. 27 करोड़ रुपये की लागत से 15 अन्य सड़कों के निर्माण की भी प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है. परंतु पांकी क्षेत्र के पूर्व विधायक और सिलदिलिया कंस्ट्रक्शन के विकास रोकने के लिए लगातार

प्रयासरत हैं. 188 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क निर्माण की 80 योजनाओं के क्रियान्वयन में उन्होंने अड़ंगा खड़ा करने का प्रयास किया है ताकि 65 पंचायत वाले पांकी विधानसभा क्षेत्र के विकास में स्पीड ब्रेकर खड़ा किया जा सके. वह राज्य सरकार के संरक्षण में वह पांकी का विकास रोकने का प्रयास करते आ रहे हैं.

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास करते रहने और हर अवरोध को उखाड़ फेंकने का संकल्प व्यक्त करते हुए विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पूर्व विधायक केवल और केवल एक ही एजेंडा पर काम करते हैं कि क्षेत्र के विकास योजनाओं का क्रियान्वयन उनकी पार्टनर वाली कंपनी ही मनमाने तरीके से करेगी. विधायक ने गुरुवार को मेदिनीनगर में सहयोगी प्रकाश मेहता और निर्मल मेहता के साथ प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि पूर्व विधायक की पार्टनर वाली कंपनी ने ढूब-छतरपुर के बीच का पुल अधूरा छोड़ रखा है. टाटीदीरी-बोरीदीरी के बीच भी पुल का निर्माण अबतक पूरा नहीं किया है. हुरलोंग की सड़क, सिकनी-कुसमी की सड़क के टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत कर उन्होंने अड़ंगा खड़ा किया है.

खास बातें

- पांकी के विधायक ने पूर्व विधायक से पूछे सवाल
- विधायक ने कहा- पांकी विकास की ओर अग्रसर है

लक्ष्य तो चुनावी एजेंडा

चुनाव एलान पूर्व योजनाओं की बौछार के साथ ही पक्ष विपक्ष के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं. प्रधानमंत्री ने झारखंड के साथ दिल का रिश्ता बताया है और रोटी, बेटी और माटी के सवाल को बतौर चुनावी एजेंडा प्रस्तुत किया है. दूसरी ओर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है प्रधानमंत्री से उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री झारखंडियों को उनका हक दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे. लेकिन प्रधानमंत्री ने इस सवाल पर चुप्पी साधे रखी. हेमंत सोरेन ने एक्स पोस्ट पर लिखा है कि हम दूसरे राज्यों की तरह विशेष राज्य का दर्जा नहीं मांग रहे हैं, अपना हक मांग रहे हैं. हेमंत सोरेन के अनुसार इस सवाल पर पूरी भाजपा की चुप्पी झारखंड का हक मारने की साजिश का हिस्सा है. हेमंत सोरेन का आरोप है कि भाजपा नेताओं की चुप्पी बताती है कि प्रधानमंत्री और भाजपा को झारखंड के मूल निवासियों की चिंता नहीं है. वे बड़े कॉरपोरेट घरानों के हितों को झारखंडी हितों से ऊपर रख रहे हैं. भाजपा नेताओं ने झारखंड राज्य के निर्माण के पीछे के मूल उद्देश्य को दरकिनार कर दिया है और सिर्फ अपने हितों के लिए कार्य कर रहे हैं. हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्र भेज कर केंद्रीय कोल कंपनियों पर झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये दिलाने की मांग की है. गांधी जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की है. इस अभियान में 83300 करोड़ रुपए की योजनाएं देश के 63000 ग्रामों में पांच करोड़ आदिवासियों के उत्थान के लिए लागू की जायेगी. देश के 30 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों के 2740 ब्लॉकों में इस योजना को चलाया जाएगा. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत वर्ष में 10.45 करोड़ अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं और 705 जनजाति समूह इसमें आते हैं. इस अभियान में 25 लक्ष्य तय किए गए हैं और 17 मंत्रालय व विभाग आपस में मिलकर इसमें काम करेंगे. इन 17 मंत्रालय में ग्रामीण विकास, जल शक्ति, ऊर्जा, नवीन ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पेट्रोलियम और नेचुरल गैस, महिला और बाल विकास, शिक्षा, आयुष, टेलीकॉम, स्किल डेवलपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक और इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी, कृषि और किसान कल्याण, मत्स्य और पशु पालन विभाग, पंचायती राज, पर्यटन और जनजाति कल्याण विभाग रखे गए है. इसमें 1380 किलोमीटर सड़क, 250 बहुउद्देशीय केन्द्र, 500 आंगनबाड़ी केन्द्र, 10 छात्रावास, 275 मोबाइल मेडिकल यूनिट, 75800 घरों का विद्युतीकरण किया जाना है. दूसरी ओर झारखंड सरकार भी लगातार योजनाओं का उद्घाटन कर रही है. मुख्यमंत्री ने अनेक योजनाओं का भी उद्घाटन-शिलान्यास किया है. इसके साथ ही झारखंड सरकार मईंया सम्मान योजना को अपना मास्टर स्ट्रोक के बतौर पेश कर रही है.

> हेमंत सोरेन ने एक्स पोस्ट पर लिखा है कि हम दूसरे राज्यों की तरह विशेष राज्य का दर्जा नहीं मांग रहे हैं, अपना हक मांग रहे हैं. हेमंत सोरेन के अनुसार इस सवाल पर पूरी भाजपा की चुप्पी झारखंड का हक मारने की साजिश का हिस्सा है.

सुभाषित

अर्था भवन्ति गच्छन्ति लभ्यते च पुनः पुनः।
पुनः कदापि नायाति गतं तु नवयौवनम्।।

प्रयास और परिश्रम करने पर धन मिलता है. धन मिलता है तो वह नष्ट भी हो जाता है. नष्ट होने के बाद फिर धन की प्राप्ति होती है, परंतु यौवन यानी जवानी एक बार निकल हाथ से निकल जाये तो फिर उसकी वापसी नहीं होती, चाहे आप कितना भी जोर क्यों न लगा लें.

दिखावा बना स्वच्छता अभियान

तमाम असहमतियों के बावजूद मैं मोदी जी को कम से कम दो अच्छे काम या अच्छी पहल का श्रेय देता हूं. एक-साफ सफाई या स्वच्छता को महत्व देना और दूसरा घरों में शौचालय निर्माण को प्रोत्साहन और उसके लिए आर्थिक सहायता. हालांकि प्रारंभ में इन दोनों कामों में जो उत्साह दिखा था, बाद में वह ठंडा पड गया और अंततः भारतीय समाज के संस्कार के अनुरूप वह दिखावा और लगभग कर्मकांड जैसा बन कर रह गया है.

• देश-काल

श्रीनिवास

यह महात्मा गांधी को झाड़ू तक सीमित करने का उपक्रम तो नहीं! तमाम असहमतियों के बावजूद मैं मोदी जी को कम से कम दो अच्छे काम या अच्छी पहल का श्रेय देता हूं. एक- साफ सफाई या स्वच्छता को महत्व देने; और दूसरा घरों में शौचालय निर्माण को प्रोत्साहन और उसके लिए आर्थिक सहायता. हालांकि प्रारंभ में इन दोनों कामों मे जो उत्साह दिखा था, बाद में वह ठंडा पड गया और अंततः भारतीय समाज के संस्कार के अनुरूप वह दिखावा और लगभग कर्मकांड जैसा बन कर रह गया है. जैसे कांग्रेसी दो अक्टूबर को चरखा कातने का कर्मकांड करते रहे हैं, अब भाजपाई झाड़ू लगाने का कर्मकांड करते हैं! इसके लिए कहीं न कहीं खुद मोदी जी भी जिम्मेदार हैं, जो हर मौके को 'ईवेंट' बना देने की कला में माहिर हैं. देखादेखी पार्टी के लोग भी वही करने लगे हैं. और अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए पूरा प्रशासन भी इसमें शामिल दिखता है. 'वीआईपी' लोग ऐसी जगहों पर झाड़ू लगाते हुए फ़ोटो खिंचाते हैं, जहां असल में कोई गंदगी होती ही नहीं. ऐसा भी हुआ है कि साहब के लिए बाहर से थोड़ा 'कचरा' लाकर डाल दिया गया, ताकि वे कैमरे में सचमुच 'सफाई' करते दिखें. इस दिखावे की शुरुआत भी प्रारंभ से ही हो गयी थी. एक संस्मरण साझा कर रहा हूं.

दो अक्टूबर, 2014. हम शिमला में थे. कनक (अब दिवंगत) और किरण जी के साथ. विशुद्ध पर्यटन के मकसद से. पहली बार हिमाचल प्रदेश गये थे. प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की ताजपोशी हो चुकी थी. इस कारण मन खिन्न भी था. मगर लगातार सफर, हिमाचल की खूबसूरती, सेब के बगानों और कहीं कहीं कड़कड़ाती ठंड ने मेरे दिमाग को राजनीतिक पचड़े से लगभग दूर रखा था. फिर भी सफर का प्रारंभ ही राजनीति से जुड़े एक रोचक-हास्यास्पद नजारे से हुआ था. हम शिमला सुबह पहुंचे थे. एक होटल में टिके. सुबह नाश्ते के बाद शहर का केंद्रीय आकर्षण स्थल- 'मॉल' (यह अमूमन हर पहाड़ी शहर में होता है) घूमने गये. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी जयंती को स्वच्छता दिवस के रूप मनाने का ऐलान किया था. शिमला में हेमा मालिनी (सांसद) को उस कार्यक्रम की शुरुआत करनी थी. हमारे 'मॉल' पहुंचने तक कार्यक्रम हो चुका था. लोगों ने बताया कि हेमा मालिनी 'सफाई' कर सकें, इसके लिए कहीं से लाकर वहां कुछ कचरा डाल दिया गया था. इस तरह शिमला की सबसे साफ सुथरी जगह पर 'स्वच्छता अभियान' की औपचारिकता पूरी हुई. अगले दिन के अखबारों में खबर इसी रूप में छपी भी. वहां गांधी की प्रतिमा भी थी. हमने भी उनको नमन किया! तब से लेकर आज तक दिखावे और औपचारिकता का सिलसिला जारी है.

शौचालय निर्माण की योजना कुछ बेहतर चली, काफी हद तक सफल भी हुई. उसमें भी भ्रष्टाचार और खानापूरी का खेल चला. पानी की व्यवस्था नहीं हुई, तो बहुतेरे शौचालय बेमानी भी हो गये. कुछ का उपयोग दुकान, स्टोर या बकरी बांधने में भी होने लगा. वाहवाही लूटने के लिए गांव, प्रखंडों और राज्य तक को 'खुले में शौच से मुक्त' घोषित कर दिया गया, जबकि सच कुछ और है! भाजपा या मोदी का आलोचक होने के नाते नहीं, बिना किसी दुराग्रह के, एक जिम्मेवार नागरिक के तौर पर महसूस करता हूं कि तमाम शोर शराबे और स्वच्छता अभियान की सफलता के दावों के बावजूद समाज में सफाई का संस्कार नहीं बन सका है. कम से कम मेरे शहर (रांची) में तो कोई फर्क नहीं पड़ा है, बल्कि स्थिति बदतर हुई है. राज्य सरकार और नगर निगम सफाई के मामले में अक्षम साबित हुए हैं; और अब नागरिक के स्तर पर भी जागरूकता का कोई एहसास नहीं दिखता. अपने मोहल्ले यहां वहां गंदगी पसरी रहती है, किसी को फर्क नहीं पड़ता. मुझे याद है कि बचपन में गांव (बिहार) में 26 जनवरी और 15 अगस्त को सारे लड़के मिल कर गांव की सफाई करते थे. उसे भी कर्मकांड कह सकते हैं, लेकिन हम पूरी ईमानदारी और मेहनत से सफाई करते थे. अब वह भी बंद है. 2 अक्टूबर, जिसे 'स्वच्छता दिवस' कहा जाता है, को भी सिवाय सरकारी संस्थानों, दफ्तरों में, झाड़ू लगाते राज्यपाल और मुख्यमंत्री आदि के फोटो के अलावा और कहीं स्वेच्छा से अपनी प्रेरणा से सफाई करते हुए लोग नहीं दिखते हैं. इसके साथ एक चिंताजनक बात यह भी है कि प्रधानमंत्री ने गांधी के 'सत्याग्रह' को गैरजरूरी घोषित कर दिया है. अब 'स्वच्छाग्रह' को ही गांधी की पहचान बताने का प्रयास हो रहा है! कहीं यह जानबूझ कर तो नहीं किया जा रहा! क्या सचमुच भारत की स्थिति ऐसी हो गयी है कि देश के किसी समुदाय और तबके को अपनी उचित मांगों के लिए विरोध प्रदर्शन या 'सत्याग्रह' की जरूरत नहीं है? सरकार और उसके समर्थकों का रवैया तो यही है. सरकार और प्रधानमंत्री की आलोचना तक को वे देश का विरोध से बता देते हैं. इन्हीं स्थितियों में तो गांधी और प्रासंगिक हो जाते हैं; और उनका सत्याग्रह भी. झाड़ू तो एक पार्टी का चुनाव चिह्न ही है. गांधी के व्यक्तित्व से सत्य के प्रति निष्ठा और उसका आग्रह हटा दिया जाये, तो गांधी में बचेगा क्या? यह संदेह अकारण नहीं है कि कहीं यह गांधी और गांधीवाद पर झाड़ू फेरने की कोशिश तो नहीं है? साथ के फोटो पर गौर करें. एक में मोदी जी किसी मंदिर में पोछा लगा रहे हैं! जरूरत थी या शौकिया? दूसरे में झाड़ू लगा रहे हैं. यदि सड़क पर ऐसी गंदगी इसलिए पड़ी थी कि प्रधानमंत्री ही साफ करेंगे, तो लानत है इस व्यवस्था पर! कमाल यह भी कि दोनों अवसरों पर कोई उनके साथ नहीं है! इसलिए कि कोई और फोटो में न दिख जाये! **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष
डॉ. मयंक मुरारी

सृष्टि में देवी का अर्थ

बीज आत्मा है, तत्व है मिट्टी. एक है पुरुष, दूसरा है प्रकृति. लेकिन दोनों में एक शक्ति यानी तत्व की प्रधानता है. स्वामी विवेकानंद कहते है कि देवता भी प्रकृति की शक्तियां हैं. प्रकृति की अव्यक्त अवस्था में कोई देवता नहीं था. उस कालावधि में कोई पृथक शक्तियां भी नहीं थी. यह देव के पूर्व का कालखंड है. प्रकृति की शक्तियां ही देवतागण है. समस्त प्रपंचों में विद्यमान एक शक्ति की धारणा को ऋग्वैदिक ऋषियों ने अनुभूत किया था. उस आदिम अवस्था में वात नहीं था मरुत् नहीं थे. मरुत् को कोई पैदा भी नहीं किया था. ये मरुत् इस द्युलोक में स्वधया तदेकं यानी अपनी शक्ति से उत्पन्न हुए थे. इसी प्रकार अन्य शक्तियां भी उत्पन्न हुई. प्राण की भौतिक गति अवरुद्ध थी, परंतु उसका अस्तित्व तो था ही. आज जो भी अस्तित्व में है, वे असत काल में शांत हो जाती है. यह शक्ति है जो कभी प्रकट होकर प्रकृति बनती है और अप्रकट होकर शांत यानी असत् बनी रहती है. सृष्टि में देवी का अर्थ क्या है ? ईश्वर को देवी कहने का भाव है कि जो शक्ति प्रतिपल सृजन, पालन और संहार कर रही है, उसका स्वरूप स्त्रैण है. मैत्री, दाया, करुणा, प्रेम, श्रद्धा के भाव की प्रकृति स्त्रैण होता है. अगर पुरुष में भी इन गुणों का अभाव है तो वह शिखर की ओर आरोहण नहीं कर सकता है. सात्विक स्त्रैण गुण से ही जगत और जीवन में उत्कृष्टता आती है. कला, विद्या, साधना और भावना का रूप स्त्रैण है. अतएव उत्कृष्टता का स्वरूप सृजन में दिखता है, पालन में स्थित रहता है और संहार में विराजता है. जो ब्रह्म है, उसमें सृजन, पालन और संहार की शक्ति के कारण ही महादेवी के रूप में अर्चन किया गया. परमात्मा का स्वरूप देवी का है क्योंकि उसकी शक्ति से सृजन का संसार बनता है. परमात्मा अगर देवी नहीं, तो सृजन के बाद उसका पालन, सेवा और जीव में विद्या और कला का ज्ञान कौन भरता ! शक्ति जब विध्वंस करती है तो ईश्वर अपने देवी स्वरूप को ही प्रकट करते हैं. आखिर शक्ति के बिना शिव भी शव बन जाते है. भारतीय जीवन में देवी की महत्ता अवर्णनीय है. जीवन चक्र का काम त्रिदेव का है लेकिन उसको व्यवस्था देने और नियोजित तरीकें से बढ़ाने का जिम्मा देवियों की शक्ति पर होता है. ब्रह्मा को निर्माण की जानकारी देवी सरस्वती से मिलती है. माता लक्ष्मी का सहचर न मिले, तो विष्णु के लिए पालनकर्म का निर्वहन कठिन हो जाए. शिव इस जगत में संतुलन के लिए संहार की शक्ति एवं प्रेरणा माता गौरी से प्राप्त करते हैं. प्रकृति में ज्ञान का साकार स्वरूप माता सरस्वती है तो प्रकृति में धन, धान्य, रस और संपत्ति का प्रतिरूप माता लक्ष्मी है.

स्वार्थ में अपराधियों का महिमामंडन

• सियासत
विश्वनाथ सचदेव

गुरमीत राम रहीम कल तक बाबा राम रहीम के नाम से जाने जाते थे. आज बहुत से लोग उसे सजायाफ्ता अपराधी के रूप में ही पहचानना ज्यादा पसंद करते हैं. पर पंजाब और हरियाणा में आज भी बाबा राम रहीम को दैवीय शक्तियों वाले व्यक्तित्व के रूप में मानने वालों की संख्या कम नहीं है. और यही बात अपने कृत्यों के लिए आजीवन सज़ा भुगत रहे राम-रहीम को इन दोनों राज्यों की चुनावी राजनीति का ताकतवर मोहरा बनाये हुए है. जब तक बाबा को सज़ा नहीं मिली थी, चुनावी राजनीति के नफे-नुकसान के लिए राजनीतिक दलों के नेता खुलेआम उससे 'आशीर्वाद' प्राप्त किया करते थे. अब खुलेआम ऐसा करने से भले ही राजनेता बच रहे हों, पर बाबा के अनुयायियों की लाखों की संख्या देखते हुए वह इस 'प्रभाव' का लाभ उठाने से नहीं चूकते. शायद इसीलिए जब भी चुनाव आते हैं बीस साल की सज़ा भुगतने वाला यह बाबा राजनेताओं के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है. हर ऐसे मौके पर बाबा किसी न किसी तरह जेल से बाहर आ जाता है. 'पैरोल' और 'फरलो' पर बाबा के छूटने की कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है.

लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था. फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया– पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे. बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया. फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे. इससे ठीक पहले, बाबा को 30 दिन के पैरोल पर रिहाई मिल गयी. फिर 15 अक्तूबर, 2022 को आदमपुर में उपचुनाव से पहले बाबा को चालीस दिन का पैरोल मिला था. इस तरह साल 2022 में राम रहीम 91 दिन जेल से बाहर रहा. साल 2023 में हरियाणा के पंचायत चुनाव से पहले बाबा को 21 जून को चालीस दिन के पैरोल पर छोड़ा गया. नवंबर 2023 में राजस्थान में चुनाव थे. तब भी बाबा 21 दिन जेल से बाहर था. अखबारों में छपे आंकड़ों के अनुसार, 2023 में राम रहीम कुल 91 दिन तक जेल से बाहर था. अब, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, बाबा ने फिर पैरोल पर छूटने के लिए अर्जी दे दी, और वह मंजूर भी हो गयी है.

ज्ञातव्य है कि बाबा अपनी दो शिष्याओं से दुराचार और एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के अपराध की सज़ा भुगत रहा है. हैरानी की बात यह है कि हर चुनाव के मौके पर यह दागी जेल से बाहर होता है. यह सही है कि अब ऐसे मौकों पर राम रहीम चुनावी सभाएं नहीं करता, पर सब जानते हैं कि हरियाणा और आसपास के राज्यों में बाबा का प्रभाव रंग दिखाने वाला है. यही रंग राजनेताओं को ऐसे अपराधियों की मदद लेने के लिए ललचाता है. सही यह भी है कि पैरोल या फरलो पर छूटना किसी भी कैदी का अधिकार है और घोषित रूप से यह अधिकार कोई सरकार नहीं, जेल प्रशासन प्रदान करता है. लेकिन सब जानते हैं कि संबंधित राज्य सरकारों की मर्जी पर ही यह छूट मिलती है– और सब यह भी जानते हैं कि जिस पार्टी की सरकार होती है वह अपने राजनीतिक लाभ-हानि के अनुसार ऐसे मामलों का उपयोग करती है. पैरोल के इस ताज़ा मामले में, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, राज्य सरकार ने संबंधित अपराधी की पैरोल पर रिहाई के लिए राज्य के चुनावी अधिकारी से आग्रह किया है कि बाबा को यह छूट दी जाये. सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल-प्रशासन को होता है, पर इस बात को नज़रअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है. नियम यह कहते हैं कि 'अत्यंत आवश्यक' हो तभी कोई राज्य सरकार किसी कैदी को पैरोल पर रिहाई की सिफारिश कर सकती है. अंतिम निर्णय जेल प्रशासन के हाथ में होता है. संबंधित सरकारें यही तर्क देकर अपना बचाव करती हैं, पर कौन नहीं जानता कि इस नियम और परंपरा का अक्सर उल्लंघन होता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था. फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया– पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे. बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया. फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे.

स्वयं के चुनाव पर निर्भर है हमारी भूमिका

• प्रवृत्ति
राजीव थेपड़ा

सभ्यता का विकास मनुष्य की धूर्तता का विकास भी है. कहने को तो इस संसार में मनुष्य नाम के जीव ने स्वयं को धरती के अन्य सभी जीवों की अपेक्षा सबसे सभ्य व विवेकशील जीव घोषित किया हुआ है, किंतु वास्तव में जब हम इस विषय पर विचार करने बैठते हैं तो हम यह पाते हैं कि मनुष्य ने केवल अपनी भौतिक सफलताओं को विकास का मापदंड समझा है. बहुत सारे मायनों में सभ्यता का विकास मनुष्य की धूर्तता, चालाकी और मक्कारियों का विकास है. उसकी कुटिलता का विकास है. भले ही हम अपने आपको इस धरती का सबसे सभ्य जीव मानते हैं. लेकिन स्वयं को यह उपाधि हमने स्वयं ही दी है. किसी अन्य जीव ने नहीं. यह भी सत्य है कि सभ्यता के इस विकास ने हमें जितना लोगों से जोड़ा है, उससे कई गुना लोगों से दूर भी किया है.

सभ्यता के आरम्भ में जिस प्रकार लोग कबीलों में रहा करते थे और संभवतः आपसी भाईचारे के साथ. क्या यह अपने आप में आश्चर्य की बात नहीं है कि आज लाखों वर्ष पश्चात हम अपने घर में भी घर की तरह नहीं रह पाते. दो भाइयों में भी टूट हो जाती है. सच तो यह है कि सभ्यता के विकास ने हमें व्यक्तिगत प्रतिष्ठा नामक अपने आपमें एक विचित्र सीख दी है. यह सीख अपने आपमें हमारे सामूहिक और सामुदायिक जीवन के लिए क्या मायने रखती है, यह तो एक अलग ही शोध का विषय है, किंतु व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत धन की आकांक्षा ने हमें अपने ही लोगों के प्रति बुरी तरह प्रतिस्पर्धी बना डाला है और यह प्रतिस्पर्धा इस कदर है कि समाज के दूसरे लोगों को तो छोड़िए, अपने स्वयं के घर में भी यह प्रतिस्पर्धा लगातार दिखाई देती है. अपने लोगों के साथ में छीना झपटी भी हमारी साभ्यतिक मौलिक और विवेकशील सोच है, जिसका कि कोई दूसरा जोड़ इस संसार में कहीं नहीं मिलता.

और तो और, इस व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत धन की आकांक्षा ने हमारे स्वभाव में ऐसा आमूल चूल परिवर्तन किया है कि हम दर्पण के सम्मुख खड़े होकर अपने आपको पहचान भी नहीं सकते हैं कि हम धरती पर अपना कौन सा किरदार निभाने आए थे और कौन सा किरदार निभा कर जा रहे हैं. एक्चुअली हमें अपने किरदार का, अपनी रूह का, अपनी आत्मा का तनिक भी नहीं पता है और इसके चलते हमने इस धरती पर सबसे बड़ी बात जो पाई है, जिस पर हम गर्व भी करते हैं, वह है अदाकारी. अदाकारी तो एक अलग एवं प्रतिष्ठित कला का नाम है. किंतु हमने अदाकारी नाम की इस कला को भी अपनी मक्कारियों के जाल में फंसा लिया है. हमारी अदाकारी के पीछे छुपी हुई कुटिलता, मक्कारी, धूर्तता और चालाकियां. यह एक अलग ही मुकाम है, जो केवल मनुष्य नामक प्राणी ने व्यक्तिगत तौर पर अर्जित किया है और सफलता वह पड़ाव है, जिस पर पहुंचकर कोई व्यक्ति हीरो बनता है और वर्तमान समय में हीरोइज़्म का पर्याय केवल और केवल भौतिक सफलता हो चुकी है और इस भौतिक सफलता को पाने के लिए कोई भी येन-केण-प्रकारेण शीर्ष पर पहुंचने को व्याकुल है.

वास्तव में अब लोगों की प्रतिस्पर्धा इसी बात पर है कि कौन कितना कुटिल, मक्कार, चालाक और धूर्त हो सकता है. क्योंकि धन कमाने के लिए अब ये विशेष गुण ही अत्यंत आवश्यक हैं. देखा जाए तो ये शब्द भले ही अलग-अलग हैं, लेकिन सबका अर्थ दरअसल एक ही है. तो हम कहां जा रहे हैं? हम क्या कर रहे हैं? हम क्यों कर रहे हैं? हमें क्या करना है? हमें क्या करना चाहिए? लोगों से हमारे जुड़ाव किस तरह के होने चाहिए? लोगों से हमारे संबंध कैसे होने चाहिए? अब इस पर कोई विचार नहीं होता. उपरोक्त बातें अब केवल और केवल दर्शनशास्त्र का विषय भर रह गई हैं. अब इस पर कोई बातें भी करता है तो वह पिछड़ी हुई मानसिकता का समझा जाता है और निःसंदेह दुनिया पिछड़े मानसिकता के लोगों के तो लिए कतई नहीं है. क्योंकि दुनिया को तो प्रगति करनी है ना. विकास करना है ना. इसलिए उसे प्रत्येक दिन प्रति व्यक्ति आय अथवा इसी तरह के अन्य तरह के आंकड़ों के अनुपात में आगे बढ़ते रहना है. अब ये आंकड़े हमारी आत्मा को कितना डुबोते हैं, कितना कुचलते हैं, कितना कचोटते हैं, इस पर विचार करने का हमें तनिक भी समय नहीं है और ना ही इस दिशा में अब हमारी कोई सोच जाती है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> एक्चुअली हमें अपने किरदार का, अपनी रूह का, अपनी आत्मा का तनिक भी नहीं पता है और इसके चलते हमने इस धरती पर सबसे बड़ी बात जो पाई है, जिस पर हम गर्व भी करते हैं, वह है अदाकारी. अदाकारी तो एक अलग एवं प्रतिष्ठित कला का नाम है. किंतु हमने अदाकारी नाम की इस कला को भी अपनी मक्कारियों के जाल में फंसा लिया है.

मीडिया में अन्यत्र

पश्चिम एशिया में बहुपक्षीय युद्ध में तेजी

ईरान द्वारा 1 अक्टूबर को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से किया गया हमला पश्चिम एशिया में बहुपक्षीय संघर्ष में भयानक इजाफे का प्रतीक है. इस हमले में कुछ भी अचरज नहीं है, क्योंकि ईरान पर, घरेलू और क्षेत्रीय स्तर पर, अपने सहयोगियों की तरफ से, बार-बार इजराइली उकसावों का जवाब देने का दबाव था. यह इजराइल ही था जिसने 1 अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरान के दूतावास परिसर पर हमला करके युद्ध को सीधे ईरान के खेमे तक ले गया. ईरान ने इसका जवाब 14 दिन बाद इज़राइल पर अपने पहले सीधे हमले से दिया, जिससे इजराइल और उसके सहयोगियों को इसका सामना करने की तैयारी के लिए पर्याप्त वक्त मिल गया. इजराइल की जवाबी प्रतिक्रिया इस्फ़हान में एक रडार प्रणाली पर एक प्रतीकात्मक, लावारिस हमले के रूप में थी. जुलाई के अंत में, इजराइल ने तेहरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह की हत्या करके संघर्ष को फिर से बढ़ा दिया. ईरान ने जवाबी कार्रवाई की कसम खाई, लेकिन संयम दिखाया और गाजा में युद्धविराम होने पर गोलीबारी रोकने का वादा किया. लेकिन इजराइल ने न सिर्फ गाजा के खिलाफ युद्ध जारी रखा, बल्कि उत्तर में हिज्बुल्लाह से भिड़कर युद्ध का विस्तार भी किया. पिछले महीने के अंत में, इजराइल ने लेबनान पर हमलों की झड़ी लगा दी, जिसमें हिज्बुल्लाह के कमांडरों और उसके मुखिया हसन नसरल्लाह की मौत हो गई. अब, इजराइल द्वारा 1 अक्टूबर के हमले का जवाब देने की धमकी के साथ, यह संघर्ष और ज्यादा खतरनाक दौर में पहुंचने वाला है.मौजूदा घमासान में कोई भी पक्ष अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हमले से बाज नहीं आ रहा है. इज़राइल की ज्यादा मारक क्षमता ने हमास को 7 अक्टूबर, 2023 को हमला करने से नहीं रोका. इज़राइल की प्रतिशोध की धमकियों ने हिज्बुल्लाह या फिर हौथी विद्रोहियों को इस यहूदी देश पर हमला करने से नहीं रोका. न ही ईरान का 'प्रॉक्सी नेटवर्क' और उसकी मिसाइल क्षमता सीरिया में ईरानी दूतावास परिसर पर बमबारी करके इजराइल को युद्ध का विस्तार करने से रोक सकी. और इजराइल के परमाणु हथियारों ने ईरान को इस देश पर सीधे हमले करने से नहीं रोका. जैसे-जैसे प्रतिरोधक बेअसर होते गए, संकट बढ़ता और व्यापक होता गया. जिस चीज ने हालात को और बदतर बना दिया है वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा नेतृत्वकारी भूमिका से मुंह मोड़ना है. उन्होंने क्षेत्रीय युद्ध को रोकने के वास्ते अपने राजनयिक संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इजराइल को गाजा में खुली छूट दे रखी है. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा एक के बाद एक खतरे की रेखा को लांघना जारी रखने के बाद भी वह टस-से-मस नहीं हुए हैं. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मुक्त/मुक्ता/मुक्ति

मुक्त, मुक्ता और मुक्ति. ये तीनों शब्द संस्कृत तत्सम हैं और तीनों जबरदस्त प्रचलित हैं. इनका प्रयोग हम अपने दैनंदिन जीवन में बार-बार करते हैं या कहें कि करना पड़ता है. जहां तक संबंध की बात है तो मुक्त शब्द छाया रूप में तीनों में विराजमान है. इसलिए पहले मुक्त को समझना आवश्यक है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार मुक्त शब्द का अर्थ है आजाद, स्वतंत्र, स्वाधीन, निर्बाध, बंधनहीन, उन्मुक्त, स्वामीहीन, स्वेच्छाधारी, पुराण के दृष्टिकोण से मोक्ष प्राप्त, क्षिप्त यानी फेंका हुआ. काव्यशास्त्र के अनुसार जिस काव्य या कविता में प्रबंधकीयता नहीं होती यानी एक छंद में कही गयी बात का दूसरे से तारतम्य नहीं हो, उसे मुक्तक कहा जाता है. वहीं जिसकी आवाज स्पष्ट हो, बेधड़क बोलनेवाला हो, जोर से बोलनेवाला हो उसे मुक्तकंठ कहते हैं. जो उदारतापूर्वक और अधिक मात्रा में दान देता हो उसे मुक्तहस्त या खुले हाथवाला कहा जाता है. वहीं मुक्ता का मतलब है सीपी से निकलनेवाला एक श्वेत रंग का बहुमूल्य रत्न. इसे मोती के रूप में हम अच्छी तरह जानते हैं. मोती को नीरज और मुक्तामणि भी कहते हैं. इस हिसाब से कह सकते हैं कि मुक्त और मुक्ता के बीच कोई अर्थगत संबंध भले ही न हो, लेकिन व्युत्पत्ति पर गौर करें तो मोती मुक्ता इसलिए है कि वह सीपी में जन्म लेता है और जब सीपी से मुक्त होता है, तभी मुक्ता या मोती कहलाता है. हां मुक्त का मुक्ति से सीधा संबंध अवश्य है. मुक्त विशेषण है और मुक्ति संज्ञा स्त्रीलिंग. इसलिए कि मुक्ति का मतलब ही होता है मुक्त होना. जैसे सीपी से मुक्त होने के बाद मोती मुक्ता बन जाता है, उसी प्रकार बंधन आदि से छूटने की अवस्था या भाव को मुक्ति कहते हैं. पुराणों के अनुसार जन्म-मरण रूपी बंधन से छुटकारा मिलने मुक्ति या मोक्ष कहा जाता है. मुक्ति का मतलब ब्रह्म स्वरूप की प्राप्ति, किसी दायित्व से छूटने की क्रिया या भाव, किसी अभियोग, नियम, ऋण आदि से छूटने की स्थिति.

मानव का दिव्यगुण है लेटलतीफी

• तीर-तुक्का
डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

कौन बनेगा करोडपति (केबीसी) में लाख टके का एक प्रश्न पूछा गया. दुनिया में किस देश के लोग सबसे ज्यादा लेट-लतीफ होते हैं ? चार ऑप्शन दिए गए – ब्रिटेन, ब्राजील, भारत और बंगलादेश. हॉट सीट पर बैठे हुए व्यक्ति का जवाब था, भारत. पूछा गया, आपको यह जवाब कैसे सूझा? उत्तर था, अपने अनुभव से. थोड़ी देर मौन छाया रहा. कुछ देर बात जब मौन टूटा तो बताया गया, मैं भी कुछ ऐसा ही सोचता था, लेकिन यह---"ग़लत" है. दर्शकों को यह सुनकर बड़ा ताज्जुब हुआ. यदि भारत सबसे ज्यादा लेट-लतीफ देश नहीं है तो भला और कौन हो सकता है? बेशक भारत में भी और देशों की तरह समय की पावंदी की ही शिक्षा दी जाती है. बच्चों को कहा जाता है कि वे अपने स्कूल ठीक समय पर पहुंचें. दफ्तरों में उम्मीद की जाती है कि, अफसरान आएं न आएं, सभी कर्मचारी नियत समय पर आ जाएं. लेकिन ऐसा होता नहीं है. हम सब चाहते तो ज़रूर हैं कि लेट न हों लेकिन हो जाते हैं. क्या किया जाए ? एक बार मुझे एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया. मैं हस्ब-मामूल ठीक समय पर पहुंच गया. लेकिन वहां अभी पंडाल ही लगाया जा रहा था. किसे उम्मीद थी कि मैं वक्त पर पहुंच जाऊंगा? हमारा देश तो एक ऐसा देश है जहां नेता लोग, लेट लतीफी की बात कौन करे, पहुंचना ही भूल जाते हैं. ऐसे में यह सोचना कि लेट-लतीफी में भारत से बढकर कोई दूसरा देश भी हो सकता है, बड़े आश्चर्य की बात लगती है. लेकिन कहा यह जाता है कि भारत नहीं, ब्राजील वह देश है जो अपनी लेट लतीफी के लिए सर्वाधिक विख्यात है. वहां लेट लतीफी को कुछ इस तरह विकसित कर लिया गया है कि यदि कहीं भूले से भी आप समय से पहुंच जाएं तो आपको अनामंत्रित समझ लिया जाएगा. भोजन के लिए आमंत्रित हैं तो फिर तो समय से जाना और भी गलत होगा. आपको भोजन बन जाने तक का इंतज़ार करना पड़ सकता है. और "भुक्खड़" मान लिया जाएगा सो अलग. लेट-लतीफी वहां की संस्कृति का एक हिस्सा है. वहां का आदर्श वाक्य है – "ज़िंदगी एक ठहराव है." जल्दी का काम शैतान का. "आज करे सो कल कर, कल करे सो परसों / हाय हाय क्यों करता है, जीना है बरसों !" लेट आए दुरुस्त आए. लेट-लतीफी, जैसा शब्द से ही प्रतीत होता है, एक बड़ी नायाब चीज़ है. लेट अंग्रेज़ी का शब्द है जिसका अर्थ है, विलम्ब; और लतीफ़ उर्दू का शब्द है. लतीफ़ का मतलब होता है खुश, ज़िंदादिल. यानी लेट होइए और खुश रहिए. जिंदादिली तो लेट होने में ही है. वक्त की पावंदी की बात तो सभी लोग बड़ी गंभीरता से करते ही रहते हैं.

नवरात्र विशेष

शुभम संदेश
www.lagatar.in
रांची, शुक्रवार, 04 अक्टूबर 2024

झारखंड की नौ देवियां

हिमकर श्याम

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि. नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं. ये तीन देवियां हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी). झारखंड में शक्ति पूजा की प्रथा अनादि काल से है, जो मूलतः मातृ पूजा का ही एक प्रकार है. मातृ पूजा के प्रमाण और साक्ष्य सिन्धु घाटी की सभ्यता से भी मिले हैं. मान्यतानुसार देवियां अधिक शक्तिशाली मानी जाती हैं. यहां के आदिवासी आदि काल से ही हिंदू देवी-देवताओं की पूजा करते रहे हैं. गांव-गांव में विद्यमान प्राचीनतम देवी-मंडप इसके प्रमाण हैं. झारखंड की नौ प्रमुख देवी मन्दिरों पर लोगों की अपार श्रद्धा है.

रामगढ़ का मां छिन्नमस्तिका मंदिर

रांची से करीब 80 किमी दूर रामगढ़ के रजरप्पा में स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर एक बड़े शक्तिपीठ के रूप में विख्यात है. भैरवी, भेड़ा और दामोदर नदी के संगम पर स्थित यह पीठ तंत्र साधना का भी बड़ा केंद्र है. इसके निर्माण काल को लेकर पुरातात्विक विशेषज्ञों में मतभेद है. किसी के अनुसार इसका निर्माण छह हजार वर्ष पहले हुआ था तो कोई इसे महाभारत युग का मानता है.

रांची-टाटा का दिउड़ी मंदिर

रांची-टाटा रोड पर तमाड़ से तीन किमी दूर स्थित है प्राचीन दिउड़ी मंदिर. यह दो एकड़ में फैला है. यहां सोलहभुजी मां दुर्गा विराजती हैं. इस मंदिर को आदिवासी और हिन्दू संस्कृति का संगम कहा जाता है. इस मंदिर के पुजारी मुंडा पाहन होते हैं. पाहन और ब्राह्मण दोनों पूजा कराते हैं. इस मंदिर की स्थापना पूर्व मध्यकाल में तकरीबन 1300 ई. में सिंहभूम के मुंडा राजा केरा ने की थी. कहते हैं कि सम्राट अशोक इस देवी के दर्शन के लिए आते थे.

लातेहार का उग्रतारा मंदिर

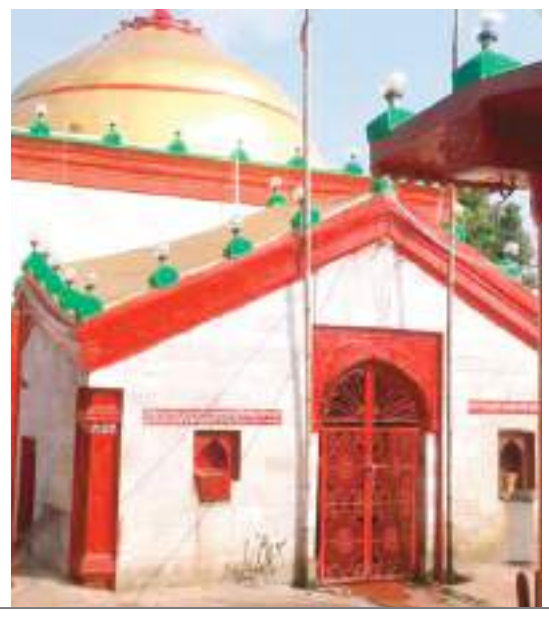

लातेहार के चंदवा प्रखंड के नगर गांव स्थित मां उग्रतारा मंदिर में दुर्गा पूजा का पर्व बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है. यहां सोलह दिनों की नवरात्र साधना होती है. कैथी भाषा में लिखी पांच सौ वर्ष पुरानी पोथी का अनुसरण करते हुए पूजा अनुष्ठान कराया जाता है. मंदिर के निर्माण के संबंध में 'पलामू विवरणिका 1961' में लिखा गया है कि मंदिर बनवाने का श्रेय प्रसिद्ध वीर मराठा रानी अहिल्याबाई को है. यहां दूर-दूर से लोग मां के दर्शन को आते हैं.

दुमका का मौलिक्षा मंदिर

दुमका जिले में शिकारीपाड़ा के पास बसे गांव मलूटी को गुप्त काशी कहा जाता है. यहां पर मौलिक्षा माता का मंदिर है. यहां मां के मस्तक के ही दर्शन किये जा सकते हैं. मंदिर के भीतर गर्भगृह एवं ऊंचे चबूतरा पर मां की सौम्य भव्य प्रतिमा स्थापित है. मां मौलिक्षा, मां तारा की बड़ी बहन के रूप में जानी जाती हैं. यद्यपि मां मौलिक्षा की पूजा देवी दुर्गा के सिंहवाहिनी के रूप में की जाती है.

चतरा का मां भद्रकाली मंदिर

चतरा के इटखोरी प्रखंड मुख्यालय से करीब डेढ़ किमी दूर स्थित भदुली गांव में मां भद्रकाली मंदिर स्थित है. कमल के आसन पर मां भद्रकाली की आदमकद प्रतिमा वरदायिनी मुद्रा में है. मां की चतुर्भुज प्रतिमा करीब साढ़े चार फीट ऊंची और ढाई फीट चौड़ी है. प्रतिमा के चरणों के नीचे ब्राह्मी लिपि में लिखा है कि इसका निर्माण नौवीं शताब्दी में राजा महेंद्र पाल द्वितीय ने कराया था.

गुमला का महामाया मंदिर

गुमला जिला मुख्यालय से से 30 किमी और घाघरा प्रखंड से आठ किमी दूर अवस्थित है हापामुनी गांव. यहां अति प्राचीन महामाया मंदिर है. इस मंदिर की स्थापना विक्रम संवत 965 यानी 908 ई में महाराजा मोहन राय के बेटे गजघंट द्वारा की गई थी. महामाया मां को मंजूषा में बंद करके रखा जाता है. मां को खुली आंख से देखने की परंपरा नहीं है.

गोड्डा का मां योगिनी मंदिर

गोड्डा जिले के पथरगामा प्रखंड में स्थित मां योगिनी मंदिर तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध है. ग्रन्थों के अनुसार यहां पांडवों ने अपने अज्ञात वर्ष के कई दिन बिताए थे. तब यह मंदिर 'गुप्त योगिनी' के नाम से प्रसिद्ध था. मां योगिनी मंदिर के ठीक बायीं ओर से 354 सीढ़ी ऊपर चढ़ने पर मां का गर्भगृह मिलता है. तन्त्र साधना के लिए भी यहां बंगाल से भी काफी भक्त आते हैं.

गढ़वा की गढ़देवी

गढ़वा महाराजा की अधिष्ठात्री कुल देवी हैं गढ़देवी. मंदिर उनके गढ़ के प्रांगण में स्थित है. 1915 के सर्वे में इस मंदिर का प्रमाण मिलता है. गढ़ के महाराज द्वारा इस मंदिर का निर्माण करा देवी की प्रतिमा स्थापित की गयी थी. वर्ष 1914 में गढ़वा के जमींदार सह गढ़ के राजा बाबू अमरदयाल सिंह द्वारा पहली बार बंगाली पद्धति से मां गढ़देवी मंदिर में पूजा की गई थी. इस मंदिर के नाम पर शहर का नामकरण गढ़वा हुआ. यहां भी झारखण्ड, बिहार एवं यूपी के श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं. मां के प्रति अपार श्रद्धा है. भक्तों की हर मनोकामना मां पूर्ण करती हैं.

चतरा का कौलेश्वरी मंदिर

चतरा के हंटरगंज प्रखंड से छः किलोमीटर दूर स्थित मां कौलेश्वरी मंदिर आस्था का केंद्र है. कोल्हुआ पहाड़ की चोटी पर बने इस मंदिर में मां कौलेश्वरी की दिव्य प्रतिमा स्थापित है. इसे दसवीं सदी में बनाया गया था. राजा विराट ने माता की प्रतिमा स्थापित की थी. कौलेश्वरी सिद्धपीठ के रूप में चिन्हित है. वैसे कौलेश्वरी जैन और बौद्ध धर्म के लोगों के लिए भी आस्था का बड़ा केंद्र है.

नवरात्रि में मां विंध्यवासिनी के दर्शन से मिलता सुख-सौभाग्य

आचार्य प्रणव मिश्रा

विंध्याचल त्रिशक्ति पीठ का संगम है. यहां साक्षात माता महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली का निवास स्थान है जिसे त्रिकोण कहा जाता है. त्रिकोण यात्रा बहुत ही शुभ माना जाता है. साल में चार नवरात्र में यहां मां का भव्य पूजन होता है. लाखो भक्त पहुंचते हैं और उनकी मनोकामना भी पूर्ण होती है. शिव पुराण में मां विंध्यवासिनी को सती माना गया है तो श्रीमद्भागवत में नंदजा देवी कहा गया है. मां के अन्य नाम कृष्णानुजा, वनदुर्गा भी शास्त्रों में वर्णित हैं. इस महाशक्तिपीठ में वैदिक तथा वाम मार्ग विधि से पूजन होता है. लगभग सभी पुराणों के विंध्य महात्म्य में इस बात का उल्लेख है कि 51 शक्तिपीठों में मां विंध्यवासिनी ही पूर्णपीठ है.

यह है कथा

विन्ध्य पर्वत श्री हरि को अपने तपस्या से प्रसन्न कर वर मांगा. तप की मद में चूर होकर अपना आकर बढ़ाने लगा. अपना आकर इतना बड़ा कर लिया कि वह हिमालय से भी बड़ा हो गया. सूर्य को ढक लिया. इसके बाद पूरे ब्रह्माण्ड में हाहाकार हो गया. सभी देवी देवता भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा जी के पास गए कि विन्ध्य पर्वत को रोकें. पर वह नहीं माना. तब सभी मिलकर विन्ध्य के गुरु अगस्त ऋषि के पास गए. महात्मा अगस्त तैयार हो गए. विन्ध्य पर्वत अपने गुरु को आता देख झुककर प्रणाम किया. तब अगस्त ऋषि ने कहा कि मैं पर्वत के उस पार जा रहा हूं, जब तक नहीं लौटता हूं, तुम ऐसे ही रहना. गुरु आज्ञा मान विन्ध्य पर्वत झुका रहा. बहुत दिन बीत जाने के बाद जब वे वापस नहीं आए तब विन्ध्य पर्वत रोने लगा और गुरु से प्राथना किया कि गुरु जी अपना वचन वापस ले. गुरु अगस्त ने बताया कि तुम्हारे घमण्ड के कारण इस पृथ्वी को कष्ट हो रहा था इसका दंड मिला है. तब विन्ध्य पर्वत ने क्षमा मांगी. तब अगस्त ऋषि ने माता को सशरीर स्थापित किया और आशीर्वाद दिया कि तेरा स्थान हिमालय और गंगा से भी उच्च होगा. तब से आज तक माता विंध्याचली का वहां वास हुआ.

सीता कुंड

मां विंध्याचली के मंदिर से छः किलोमीटर की दूरी पर सीता कुंड है. मान्यता है कि माता सीता ने खुद इसका निर्माण किया था. इसका पानी हमेशा ठंडा व साफ रहता है. भक्त मानते हैं कि इसमें स्नान से रोग दूर होते हैं.

माता रानी को अर्पित करें गुलाब के फूल के साथ लौंग

आचार्य अजय मिश्रा

नवरात्रि चल रही है. तंत्र साधना, टोटकों के लिए ये नौ दिन खास महत्व के होते हैं. आइए, आज हम इन दिनों उपयोग किए जाने वाले कुछ ऐसे टोटके जाने जो सुख, समृद्धि और सौभाग्य के द्वार खोल देंगे.

- एक पीपल के पत्ते पर राम लिखकर उसपर कुछ मीठा रखें और किसी हनुमान मंदिर में चढ़ा आएं. इससे धन संबंधी समस्याएं दूर होने लगती हैं.
- घर में होने वाले कलेश से परेशान रहते हैं तो एक पीले कपड़े में लौंग का एक जोड़ा बांधकर इसे घर के किसी कोने में टांग दें.
- नवरात्रि के दिनों में हनुमान जी की मूर्ति के सामने चमेली के तेल का दीपक जलाएं. इस दीपक में दो लौंग डाल दें. इसके बाद हनुमान और दुर्गा चालीसा का पाठ करना चाहिए. इस टोटके को करने से सारे रुके काम पूरे हो जाते हैं.
- आर्थिक तंगी से परेशान हैं तो माता रानी को गुलाब के फूल और दो लौंग अर्पित करें. एक लाल रंग के कपड़े में 5 लौंग और 5 कौड़ियों बांधकर तिजोरी में रखने से भी लाभ मिलता है.

- नवरात्रि के पहले दिन माता दुर्गा की मूर्ति के सामने एक सिक्का रखें और इसमें कुमकुम लगाएं. माता को भी कुमकुम का तिलक लगाएं. इस सिक्के को नौ दिन तक तस्वीर या मूर्ति के पास रखा रहने दें और इसमें रोज कुमकुम लगाएं. कलश के भीतर भी एक सिक्का रखें जिसमें अक्षत और कुमकुम डालें. नवमी तिथि के दिन कलश के सिक्के को और माता के पास रखें सिक्के को उठाकर घर की तिजोरी या अपनी पर्स में रखें.
- कोई आपका हिस्सा या हक खा रहा हो तो एक छोटा सा उपाय करें. नवरात्रि में किसी दिन एक सफेद कौड़ी को जला कर भस्म कर लें. अब इस भस्म को सुविधानुसार संबंधित व्यक्ति के घर में कहीं रख दें. जल्द ही असर नजर आएगा.
- अगर नौकरी की तलाश में हैं, तो नवरात्रि के समय किसी भी दिन ब्रह्म मुहूर्त में बिना दाग वाला नींबू लें. नींबू को जेब में रख लें. इसे दोपहर 12 बजे किसी सुनसान चौराहे पर जाकर चार टुकड़े कर के चारों दिशाओं में दूर-दूर फेंक दें. ध्यान रहे कि इसे फेंकते वक्त कोई देखे नहीं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

2009 में पहली बार हुआ था महिला टी20 विश्व कप, पहला खिताब इंग्लैंड ने जीता था

एजेंसी। नयी दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2024 की शुरुआत गुरुवार से हो गयी. टी20 विश्व कप का पहला सेशन साल 2009 में हुआ था. इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला फाइनल खेला गया. इसमें इंग्लैंड ने 6 विकेट से मैच जीतकर पहली बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था. इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करके 86 रन का स्कोर खड़ा किया था. चेज करते हुए कीवी टीम 85 रन पर ही ऑल आउट हो गई थी. टी20 विश्व कप भारत का कैसा रहा है प्रदर्शन? भारत आज तक टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं कर सका है. भारतीय टीम एक बार सिर्फ साल 2020 के विश्व कप फाइनल में पहुंची थी. लेकिन वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था.

टीम इंडिया 2020 में फाइनल खेली थी, उपविजेता बनकर करना पड़ा था संतोष

किसने जीता सबसे अधिक बार टूर्नामेंट?

अब तक महिला टी20 विश्व कप के कुल 8 सीजन खेले गए हैं. इसमें 6 बार ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बाजी मारी है. ऑस्ट्रेलिया ने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में इस खिताब पर कब्जा जमाया है. जो कि सबसे अधिक है.

विश्व कप में किसने बनाए अधिक रन?

आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड सूजी बेट्स के नाम है. सूजी ने न्यूजीलैंड के लिए खेलते हुए 36 मैचों में 1066 रन बनाए हैं. उनके नाम 8 अर्धशतक है. उनका उच्चतम स्कोर 194 नाबाद का रहा है.

किसने लिए सबसे अधिक विकेट?

टी20 विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका की शबनीम इस्माइल के नाम है. शबनिम ने 32 मैचों में कुल 43 विकेट अपने नाम किए हैं. उन्होंने कुल 656 रन दिए हैं. उनका बेस्ट 5 रन देकर 3 विकेट है.

टीम इंडिया आज खेलेगी अपना पहला मैच, न्यूजीलैंड से होगी भिड़ंत

भारत को पहले खिताब का इंतजार, न्यूजीलैंड दो बार का उप विजेता

एजेंसी। नयी दिल्ली

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की शुरुआत हो चुकी है. भारतीय टीम शुक्रवार को महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के अपने शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी. तो सीनियर स्टार खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की दरकार होगी. अपना आखिरी टी20 विश्व कप खेल रही कप्तान हरमनप्रीत कौर कई बार खिताब के करीब पहुंचकर चूकने और निराशाजनक क्षणों की गवाह रही हैं. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2020 में मेलबर्न में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

हार भी शामिल है. अतीत की तरह यह भारतीय टीम भी प्रतिभा से भरपूर है और संभवतः केवल ऑस्ट्रेलिया के पास ही इतनी अच्छी टीम है. लेकिन मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास छह टी20 विश्व कप खिताब हैं जबकि भारत को पहले खिताब का इंतजार है.न्यूजीलैंड दो बार का उप विजेता है और उनके खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करनी होगी. भारत के लिए जीत के साथ आगाज करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान भी हैं. भारत को अपने शीर्ष खिलाड़ी हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा से महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद होगी. शेफाली और मंधाना शानदार फॉर्म में हैं. उन्होंने जुलाई में श्रीलंका में एशिया कप में अपने पिछले इंटरनेशनल मैच में रन बनाए लेकिन भारत फाइनल में मेजबान टीम से हार गया था. मंधाना ने पिछली पांच टी20 पारियों में तीन अर्द्धशतक जड़े हैं. मैच में पूरी संभावना है कि भारत सिर्फ दो तेज गेंदबाजों को खिलाएगा और स्पिनरों पर अधिक निर्भर रहेगा. ऑफ स्पिनर की कमान दीप्ति और श्रेयंका पाटिल, लेग स्पिनर आशा शोभना और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव के कंधों पर होगी.

टी20 विमेंस वर्ल्ड कप : शारजाह में खेला गया टूर्नामेंट का पहला मैच

बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड को हराया

एजेंसी। शारजाह

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का आगाज हो गया. टी20 वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला बांग्लादेश महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम बनाम स्कॉटलैंड महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. लो-स्कोरिंग मुक़ाबले में बांग्लादेश ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड को 16 रन से हरा दिया. यह बांग्लादेश महिला टीम की टी20 वर्ल्ड कप में एक दशक में पहली जीत है. बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड के सामने 120 रनों का मामूली लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में स्कॉटलैंड 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 103 रन ही बना सकी. टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश के टीम का आगाज बेहतरीन रहा और पहले विकेट के लिए दोनों सलामी बल्लेबाजों ने 26 रन बोर्ड पर जड़ दिए. लेकिन फिर बांग्लादेश की टीम लड़खड़ा गयी. स्कॉटलैंड की टीम को कप्तान कैथरीन ब्राइस ने पहली बड़ी कामयाबी दिलाई. स्कॉटलैंड की ओर से सास्किया हॉर्ले ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम की. सास्किया हॉर्ले के अलावा कैथरीन ब्राइस, ओलिविया बेल, कैथरीन फ्रेज़र ने एक-एक विकेट लिए. बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 119 रन बनाए. बांग्लादेश की तरफ से शोभना मोस्टोरी ने सबसे ज्यादा 36 रनों की उम्दा पारी खेली. अपनी इस पारी के दौरान शोभना मोस्टोरी ने 38 गेंदों पर दो चौके भी जड़ें. शोभना मोस्टोरी के अलावा शाति रानी ने 29 रन बनाए. ब्राइस ने खेली नाबाद 49 रन की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही. टीम ने 12 रन के स्कोर पर सस्किया हॉर्ली का विकेट गंवाया दिया. कप्तान कैथरीन ब्राइस 11 रन बनाकर मारुफा अख्तर का शिकार बनीं. ऐलसा लिस्टर भी 11 रन का ही योगदान दे सकीं. इसके बाद तो जैसे विकेटों की झड़ी लग गयी. स्कॉटलैंड की तरफ विकेटकीपर बल्लेबाज सेरा ब्राइस ने नाबाद 49 रन की पारी खेलीं. उन्होंने टीम को जीत दिलाने के लिए आखिर तक लड़ाई लड़ी लेकिन नाकाम रहीं. बांग्लादेश की तरफ से रितू मोनी ने दो विकेट चटकाए.

अजहरुद्दीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलब

एजेंसियां। नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के वित्तीय घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है. ईडी ने उन्हें गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया है. वे एचसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं.

आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को वित्तीय घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले

▪ ईडी ने कांग्रेस नेता को यह पहला समन जारी किया है

में पूछताछ के लिए तलब किया है. ईडी ने कांग्रेस नेता को यह पहला समन जारी किया है, जिसके तहत उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होना है.

पूर्व क्रिकेटर पर अपने कार्यकाल के दौरान धन की हेराफेरी का आरोप है. यह हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी से जुड़ा मामला है. अजहरुद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए अध्यक्ष चुने गए थे. एपेक्स काउंसिल के फंड की हेराफेरी के आरोप में एक्शन लेने के बाद जून 2021 में उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था.

दक्षिण अफ्रीका के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटे तबरेज शम्सी

नयी दिल्ली । स्पिनर तबरेज शम्सी ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर होने का फैसला किया है. 2016 में दक्षिण अफ्रीका की टीम में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से उन्होंने सभी प्रारूपों में कुल 167 विकेट लिए हैं. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने एक संयुक्त बयान में बताया कि इस कदम से 34 वर्षीय शम्सी को दुनिया भर की अलग-अलग लीगों में भाग लेने के लिए स्वतंत्रता मिलेगी, जबकि वह सफेद बाल के दोनों प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहेंगे.

2024-25 के लिए मेकॉन क्रिकेट टीम का सेलेक्शन ट्रॉयल 15-16 अक्टूबर को

संवाददाता। रांची

मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब द्वारा सत्र 2024-25 के लिये मेकॉन क्रिकेट टीम के चयन के लिए दो दिवसीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया है. 15 और 16 अक्टूबर को आयोजित चयन ट्रायल मेकॉन स्टेडियम में आयोजित होगा. मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के सचिव पी के दास ने बताया कि मेकॉन स्टेडियम में सुबह 9 बजे से चयन ट्रायल होगा, जिसमें महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, जिला और राज्य स्तरीय खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं. खिलाड़ियों की उम्र 16 वर्ष

या उससे अधिक होनी चाहिए. चयनित खिलाड़ियों को स्टाइपेंड दी जायेगी. ट्रायल में भाग लेने के लिए इच्छुक खिलाड़ियों को 15 अक्टूबर को मेकॉन स्टेडियम में सुबह 8.30 बजे मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के क्रिकेट विंग के सचिव विकास कुमार सिंह को रिपोर्ट करना है.

29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के क्वाफा में विष्णु व माया

नयी दिल्ली । एशियाई खेलों के पदक विजेता विष्णु वर्धन और युवा माया रेवती ने नयी दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रहे 29वें फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. शीर्ष वरीयता प्राप्त और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन विष्णु को मणिपुर के भिक्की सागोलशेम के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मैच में कड़ी मेहनत करनी पड़ी और अंततः उन्होंने 6-3, 5-7, 6-2 से जीत हासिल की. तेलंगाना के खिलाड़ी ने जोरदार शुरुआत की, भिक्की की सर्विस दो बार तोड़कर 5-1 की बढ़त ले ली. भिक्की ने लगातार दो गेम जीतकर वापसी की और पहला सेट जीवंत रखा. हालांकि, विष्णु ने पहला सेट जीतने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल किया. दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, स्कोर 5-5 से बराबर था, लेकिन भिक्की ने अपने खेल को बेहतर बनाते हुए अगले दो गेम जीतकर मैच को बराबर कर दिया. अंतिम सेट में विष्णु ने दबदबा बनाते हुए 6-2 से जीत दर्ज की.

सफेद गेंद दौरे के लिए जोश बटलर की इंग्लिश टीम में वापसी

एजेंसी। लंदन

वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए नियमित सीमित ओवरों के कप्तान जोस बटलर की इंग्लैंड की टीम में वापसी होगी. इंग्लिश टीम वेस्टइंडीज दौरे पर इस साल अक्टूबर-नवंबर में तीन टी20 और पांच वनडे खेलेगी. बटलर हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे क्योंकि वे पिंडली की चोट से उबर रहे थे. इंग्लैंड ने टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी शामिल किया है, जिसमें 22 वर्षीय यॉर्कशायर के लेग स्पिनर जाफर चौहान शामिल हैं, जिन्हें सीनियर टीम में पहली बार शामिल किया गया है. वह साउथ एशियन क्रिकेट अकादमी के पहले स्नातक हैं. अन्य दो अनकैप्ड खिलाड़ी जॉन टर्नर और डैन मूसली हैं.

इंग्लैंड ने 14 खिलाड़ियों की शुरुआती टीम चुनी है, और 28 अक्टूबर को रावलपिंडी में होने वाले सीरीज के तीसरे मैच के शुरू होने के बाद पाकिस्तान में टेस्ट टीम से दो और खिलाड़ी शामिल किए जाएंगे. बटलर की जगह ऑस्ट्रेलिया सीरीज में इंग्लैंड की अगुआई करने वाले हैरी ब्रूक टेस्ट टीम का हिस्सा हैं. कैरेबियाई दौरे की शुरुआत वनडे से होगी - पहले दो मैच 31 अक्टूबर और 2 नवंबर को एंटीगुआ में होंगे, उसके बाद 6 नवंबर को तीसरे मैच के लिए बारबाडोस जाएंगे. पांच टी20 मैच 9 से 17 नवंबर के बीच खेले जाएंगे.

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम: जोस बटलर, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, जॉन टर्नर.

जयविक्रमा पर लगा एक साल का प्रतिबंध

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के

बाएं हाथ के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर एक वर्ष के लिए सभी प्रकार के क्रिकेट से प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें से अंतिम छह महीने निलंबित हैं, क्योंकि उन्होंने वैश्विक संस्था की भ्रष्टाचार रोधी संहिता का उल्लंघन करने की बात स्वीकार की है. अगस्त में आईसीसी ने जयविक्रमा पर संहिता के दो उल्लंघनों का आरोप लगाया. उन्होंने अनुच्छेद 2.4.7 का उल्लंघन करना स्वीकार किया है, जो एसीयू (भ्रष्टाचार निरोधक इकाई) द्वारा की जा रही किसी भी जांच में बाधा डालना या देरी करना, जिसमें किसी भी दस्तावेज या अन्य जानकारी को छिपाना, छेड़छाड़ करना या नष्ट करना शामिल है जो उस जांच के लिए प्रासंगिक हो सकती है.

सीपीएल 2024 के फाइनल में पहुंची सेंट लूसिया किंग्स

एजेंसी। जॉर्ज टाउन

सेंट लूसिया किंग्स ने प्रोविडेंस के गुयाना नेशनल स्टेडियम में मौसम बाधित मैच में मौजूदा चैंपियन गुयाना अमेज़ॉन वॉरियर्स पर 15 रन की जीत के साथ 2024 रिपब्लिक बैंक कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. वॉरियर्स अब शुक्रवार को बारबाडोस रॉयल्स से भिड़ेगा और उस मैच का विजेता रविवार को किंग्स के साथ फाइनल में भिड़ेगा.

मैच में किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फाफ डु प्लेसिस ने एक बार फिर अपनी टीम के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया. उनके और जॉनसन चार्ल्स के बीच 124 रनों की शुरुआती साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत किंग्स अपने बीस ओवरों में 198/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया. चार्ल्स 45 गेंदों में 79 रन बनाकर मोईन अली की गेंद पर कीमो पॉल द्वारा लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर लपके गए. इसके बाद

वॉरियर्स आज बारबाडोस रॉयल्स से भिड़ेगा

डु प्लेसिस अपने अच्छे अर्धशतक से चूक गए, किंग्स के कप्तान को शमर जोसेफ की गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज ने बेहतरीन कैच पकड़कर पवेलियन भेजा.

इसके बाद वॉरियर्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन वापसी की और एक समय 200 के पार बढ़ रहे किंग्स के स्कोर को 98 रन पर रोक दिया. मोईन अली ने एक बार फिर गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया, उन्होंने अपने चार ओवरों में 24 रन देकर 2 विकेट लिए.

जवाब में, वॉरियर्स 13वें ओवर की समाप्ति पर 106/4 पर पहुंच गया था, इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हो गई जो जल्द ही भारी बारिश में बदल गई बारिश न रुकने पर मैच एक घंटे से अधिक समय बाद रद्द कर दिया गया. जब मौसम ने हस्तक्षेप किया तो वॉरियर्स को शेष 42 गेंदों पर 92 रनों की आवश्यकता थी, शिमरोन हेटमायर 18 गेंदों में 37 रन बनाकर खतरनाक दिख रहे थे और मोइन अली भी उनके साथ शामिल हुए थे.

हेटमायर ने नूर अहमद और रोस्टन चेज़ की गेंदों पर लगातार छक्के लगाए, हालांकि उनकी इस पारी के बावजूद के वॉरियर्स 121 के आवश्यक डीएलएस स्कोर से पीछे थी. वॉरियर्स के पास शुक्रवार शाम को अंतिम एलिमिनेटर मैच में बारबाडोस रॉयल्स की जीत के साथ दोबारा फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा. सेंट लूसिया किंग्स रविवार के फाइनल में दोनों टीमों में से किसी एक का इंतजार करेगी, जिसकी नजर उद्घाटन सीपीएल खिताब पर होगी.

संन्यास बाबर आजम के कप्तानी पद छोड़ने के बाद पाक टीम को एक और झटका

पाक के उम्दा गेंदबाज उस्मान ने क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान के फैंस अभी बाबर आजम के कप्तानी पद छोड़ने के झटके से उबरे भी नहीं थे कि अब उन्हें एक और बड़ा झटका लगा है. दरअसल पाकिस्तान के एक बेहतरीन गेंदबाज ने अचानक अपने ही देश के क्रिकेट से नाता तोड़ दिया है.

बात हो रही है अब्दुल कादिर के बेटे उस्मान कादिर की जिन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि वो अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए नहीं खेलेंगे. वो पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट के अलावा घरेलू क्रिकेट में

भी हिस्सा नहीं लेंगे. यहां दिलचस्प बात ये है कि उस्मान कादिर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहीं इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने की बात नहीं लिखी है.

उस्मान कादिर का करियर

उस्मान कादिर के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि पाकिस्तान को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जिताना रही. साल 2010 में हुए एशियन गेम्स में उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू किया था. उस्मान कादिर इसके बाद ऑस्ट्रेलिया चले गए थे जहां उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया में एडिलेड क्रिकेट क्लब के लिए काफी क्रिकेट खेला. सितंबर 2018 में उन्होंने बिग बैश में पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया. 26 सितंबर 2018 के लिए उन्होंने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए भी डेब्यू किया और इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की इच्छा जाहिर की. हालांकि इसके बाद उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए सेलेक्ट किया. वो बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ भी टीम में सेलेक्ट हुए. इसके बाद उस्मान कादिर पाकिस्तान के लिए ही खेलने लगे. उनका प्रदर्शन भी ठीक ही रहा लेकिन पिछले एक साल से वो टीम में सेलेक्ट नहीं हो पा रहे थे और अंत में उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट से नाता तोड़ लिया.

उन्होंने बस पाकिस्तानी क्रिकेट से अपना नाता तोड़ा है. उस्मान कादिर का प्रदर्शन

उस्मान कादिर ने पाकिस्तान के लिए 25 टी20 और एक वनडे मैच खेला है. उस्मान ने 25 टी20 मैचों में 31 विकेट चटकाए हैं और उनका इकॉनमी रेट 7.95 रन प्रति ओवर रहा. वहीं वनडे में उन्हें एक ही मैच खेलने का मौका मिला. उस्मान कादिर वनडे टीम से 3 साल से भी ज्यादा वक्त से बाहर थे. वहीं टी20 में उन्हें पिछले एक साल से मौका नहीं मिला था, मुमकिन है कि उस्मान ने इसीलिए ये फैसला लिया हो. उस्मान कादिर हाल ही में हुए चैंपियंस कप में भी खेले जिसमें उन्होंने दो मैचों में चार विकेट हासिल किए.

डायमंड लीग 2025 : चीन करेगा शुरुआती दो स्पर्धाओं की मेजबानी, ज्यूरिख में होगा फाइनल

एजेंसी। ज्यूरिख

ज्यूरिख अगस्त में 2025 डायमंड लीग के दो दिवसीय सीजन के समापन समारोह का आयोजन करेगा, जबकि प्रतियोगिता की शुरुआत चीन में दो मुकाबलों के साथ होगी. आयोजकों ने बुधवार को उक्त जानकारी दी. आयोजकों ने बुधवार को बताया कि ज्यूरिख अगस्त में 2025 डायमंड लीग के दो दिवसीय सीज़न के समापन समारोह का आयोजन करेगा, जबकि प्रतियोगिता की शुरुआत चीन में दो मीट से होगी. ट्रैक एंड फील्ड की प्रीमियर वन-डे मीटिंग सीरीज़ के 16वें संस्करण के अनंतिम कैलेंडर में 14 देशों और चार महाद्वीपों के 15 मेज़बान शहर शामिल हैं. शंघाई/सूज़ौ से एक हफ़्ते पहले 26 अप्रैल को जियामेन उद्घाटन कार्यक्रम की मेजबानी करेगा. जून में रोम में होने वाली पहली यूरोपीय मीट से पहले मई में दोहा और रबात में मीटिंग निर्धारित हैं. ओस्लो, स्टॉकहोम और पेरिस में होने वाले आयोजनों के बाद, प्रतियोगिता संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित की जाएगी, जहां जुलाई में ओरेगन के यूज़ीन में प्रीफोंटेन क्लासिक का आयोजन किया जाएगा. मोनाको, लंदन, सिलेसिया, लॉज़ेन और ब्रुसेल्स जुलाई और अगस्त में मुकाबलों की मेज़बानी करेंगे.

2025 डायमंड लीग कैलेंडर

जियामेन - 26 अप्रैल, शंघाई/सूजौ - 3 मई, दोहा - 16 मई, रबात/माराकेच - 25 मई, रोम - 6 जून, ओस्लो - 12 जून, स्टॉकहोम - 15 जून, पेरिस - 20 जून, यूजीन - 5 जुलाई, मोनाको - 11 जुलाई, लंदन - 19 जुलाई, सिलेसिया - 16 अगस्त, लॉज़ेन - 20 अगस्त, ब्रुसेल्स - 22 अगस्त, ज्यूरिख - 27-28 अगस्त.

ब्रीफ खबरें

वैशाली: युवक ने गंडक नदी में कूदकर दी जान

वैशाली । वैशाली में एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी. यह घटना नगर थाना क्षेत्र के पुरानी गंडक पुल के पास की है. युवक की पहचान सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दौलतपुर देवरिया निवासी दिनेश राय के पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गई है. घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की दो टीम युवक को ढूंढने के लिए नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दी. वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर युवक के गांव के लोग एवं राहगीर जुट गए. मृतक दीपक के चचेरे भाई ने बताया कि घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था.

हथियार के साथ डांस मामले में चार गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बलुआ गांव से पुलिस ने छापेमारी कर आर्केस्ट्रा में हथियार के साथ डांस कर रहे युवक व उसके तीन सहयोगियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. अरेराज बीडीओ रंजन कुमार ने बताया की बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक युवक का बंदूक के साथ आर्केस्ट्रा में डांस करते वीडियो वायरल होने की सूचना मिली थी. फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर वायरल वीडियो के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व मे एक टीम का गठन कर वीडियो में दिख रहे युवक साहेब सिंह व उसके सहयोगी रंजीत कुमार, हरेन्द्र कुमार दास व दीपक सहनी को गिरफ्तार किया गया.

सड़क के किनारे सिर कटा शव बरामद हुआ

अररिया । फारबिसगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत फारबिसगंज अररिया मुख्य सड़क मार्ग एनएच 57 फोरलेन सड़क के किनारे गुरुवार की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का सिर कटा शव मिला. स्थानीय लोगों ने सड़क के किनारे सिर कटा शव देख फारबिसगंज थाना पुलिस को इसकी सूचना दी. जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भिजवा दिया. शव को देखने से युवक की उम्र 20 से 25 वर्ष के आसपास लग रही है. मृतक काला फूल पैंट और भगवा कलर का सांडो गंजी पहना हुआ है.

पटन देवी शक्ति पीठ

नवरात्र में लाखों श्रद्धालु आते हैं पूजा करने

पटना । आदिशक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ हो गया है. सनातन धर्म में नवरात्रि विशेष धार्मिक महत्व रखने वाला पर्व है, जिसे शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना के रूप में मनाया जाता है. शारदीय नवरात्र में पटन देवी शक्ति पीठ में पूजा का खास महत्व है. यहां दो विधियों से पूजा होती है. नवरात्र के अवसर पर यहां दूर-दूर से लाखों श्रद्धालु पटन देवी माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं. यह एक पौराणिक और ऐतिहासिक मंदिर है. स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्ष 1912 ईस्वी में पटन देवी मंदिर के नाम पर पटना रखा गया था. पटन देवी भारतवर्ष के 51 शक्तिपीठों में से एक है. पौराणिक कथाओं के अनुसार माता सती के पिता दक्ष प्रजापति एक यज्ञ करवा रहे थे. उस यज्ञ के दौरान राजा दक्ष प्रजापति ने अपनी बेटी सती के पति यानी शिव को अपमान कर दिया था. जिससे देवी सती बहुत गुस्सा हुई हवन आग में कूद कर खुद को खत्म कर ली. जब महादेव को इस बात की जानकारी मिली तब उन्होंने क्रोधित होकर सती के मृत शरीर को हाथ में लिया और घमासान तांडव करने लगे थे.

पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड : सुप्रीम कोर्ट ने सुनायी सजा

पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो को उम्रकैद, पूर्व सांसद बरी

बृज बिहारी प्रसाद (फाइल फोटो)

संवाददाता ।नयी दिल्ली/पटना

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में सजा का एलान किया. कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. जस्टिस संजीव खन्ना, संजय कुमार और आर

निचली अदालत उम्रकैद की सजा सुनाई थी

इससे पहले 24 जुलाई 2014 को हाईकोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष के सबूतों और गवाहों को मद्देनजर रखते हुए सूरजभान सिंह उर्फ सूरज सिंह, मुकेश सिंह, लल्लन सिंह, मंटू तिवारी, कैप्टन सुनील सिंह, राम निरंजन चौधरी, शशि कुमार राय, मुन्ना शुक्ला और राजन तिवारी संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं. कोर्ट ने निचली अदालत के 12 अगस्त 2009 के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था और सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. बता दें कि भाजपा की पूर्व सांसद और बृज बिहार प्रसाद की पत्नी रमा देवी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साक्ष्य के अभाव में आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी थी. उन्होंने कोर्ट के 2014 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने 1998 में हुई पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में

मुन्ना शुक्ला (दोषी)

सूरजभान सिंह (बरी)

पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला सहित दो आरोपियों को दोषी ठहराया. इसके साथ ही कोर्ट ने मुन्ना शुक्ला सहित दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. कोर्ट ने मामले में पटना हाईकोर्ट के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया. कोर्ट ने दोषियों मंटू तिवारी तथा पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह और अन्य को संदेह का लाभ देते हुए उन्हें बरी करने के फैसले को बरकरार रखा.

सक्षमता पास 589 शिक्षकों के प्रमाणपत्र की जांच के लिए बनी कमेटी

गोपालगंज । गोपालगंज में सक्षमता पास 589 शिक्षकों की नौकरी पर तलवार लटक गई है. इन सभी शिक्षकों के प्रमाणपत्र पर विभाग को शक है. ऐसे में गोपालगंज के डीईओ योगेश कुमार ने इसे गंभीरता से लेते हुए जिला स्तर पर पुनः प्रमाणपत्रों की जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया है. इस संबंध में डीईओ की ओर से पत्र जारी किया गया है. गुरुवार से 17 अक्टूबर तक प्रमाणपत्रों की जांच की जाएगी. अगर प्रमाणपत्रों में गड़बड़ी की पुष्टि हो गई तो इन शिक्षकों पर कार्रवाई हो सकती है. डीईओ की ओर से कहा गया है कि सत्यापन के दौरान सक्षमता पास कुछ शिक्षकों के प्रमाणपत्रों को संदिग्ध पाया गया है. यह सत्यापन एक अगस्त से 13 सितंबर के बीच डीआरसीसी बसडीला में किया गया था. अब शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर जिला स्तर पर एक संयुक्त त्रि-सदस्यीय समिति का गठन किया गया है. समिति में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी जमालुद्दीन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ब्रजेश कुमार पाल और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राजन कुमार शामिल हैं.

नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान जच्चा और बच्चा की हुई मौत

- आक्रोशित लोगों ने नर्सिंग होम में जमकर हंगामा किया, तोड़फोड़ की

संवाददाता ।नवादा

नवादा जिले के पकरीबरावां में संचालित निजी नर्सिंग होम पटना क्लीनिक में गुरुवार को प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई. मृतका 26 वर्षीय शोभा देवी पकरीबरावां थाना क्षेत्र के एरुरी गांव मनीष कुमार मांझी की पत्नी थी. घटना के बाद भड़के लोगों ने उक्त क्लीनिक में तोड़फोड़ किया. सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल की. बताया जाता है कि प्रसव पीड़ा के बाद परिजन महिला को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पकरीबरावां पहुंचे थे. उस समय ड्यूटी पर तैनात एएनएम एवं आशा ने बताया कि यहां बच्चा हो जाएगा. ढ़ाई घंटे के बाद उसे बताया गया कि उसकी पत्नी को नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है. इसके बाद उसे पटना क्लीनिक में भर्ती कराया गया.

परिजन के अनुसार उक्त नर्सिंग होम में ऑपरेशन से बच्चा निकालने के लिए 50 हजार रुपए एवं ब्लड की डिमांड की गई. ऑपरेशन के दौरान ही जच्चा-बच्चा की मौत हो गई. इसके बाद नर्सिंग होम के कर्मी उसे नवादा इलाज के लिए ले जाने के बहाने शव को नर्सिंग होम से हटा दिया. परिवार वालों द्वारा महिला के बारे में पूछे जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर गुस्साए लोगों ने नर्सिंग होम में तोड़- फोड़ शुरू कर दिया. सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष अजय कुमार एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे. मामले की जांच-पड़ताल की गई. बाद में शव को डुमरावां पेट्रोल पंप के पास से बरामद किया गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा लाया गया है.

सीएम ने कृष्णा घाट और अप रैंप संपर्कता का किया लोकार्पण

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अशोक राजपथ के पास कार्यक्रम स्थल से जेपी गंगा पथ के कृष्णा घाट संपर्कता का फीता काटकर लोकार्पण किया तथा गायघाट में आयोजित कार्यक्रम स्थल से जेपी गंगा पथ के गायघाट अप रैंप संपर्कता का फीता काटकर लोकार्पण किया. इससे अशोक राजपथ पर लगनेवाले जाम में कमी आयेगी. गाड़ियां अब कृष्णा घाट लिंक पथ से जेपी गंगा पथ का उपयोग कर सकेंगी साथ ही गायघाट में भी अप रैंप बनने से लोगों को जेपी गंगा पथ पर आवागमन में सहूलियत होगी. मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ से लौटने के क्रम में गांधी घाट पर रूककर गंगा नदी के घटते जलस्तर का जायजा लिया. इसके पश्चात् सीएम ने पटना सिटी में नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया. साथ ही मुख्यमंत्री ने सात निश्चय-2 के अन्तर्गत कुल 87 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के अन्तर्गत भवन निर्माण के लिए 408.75 करोड़ की योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया.

मॉर्निंग वॉक के दौरान किया हमला

राजद नेता पंकज यादव को मारी गोली, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता ।मुंगेर

बेखौफ बदमाशों ने राजद नेता पंकज यादव को मुंगेर में गोली मार दी है. पंकज यादव पार्टी में प्रदेश महासचिव थे. वह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे. इसी दौरान उनपर फायरिंग कर दी गई. स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है. घटना के पीछे की वजह अभी साफ नहीं हुई है. शुरुआती जानकारी जो सामने निकलकर आई है उसके अनुसार पंकज यादव को तीन गोली छाती में लगी है. जब वे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे तो बदमाश आए और घटना को अंजाम देकर फरार हो गए. यह घटना सफियासराय थाना क्षेत्र की है. पुलिस ने इस पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है. अभी पुलिस की ओर से कोई बयान नहीं आया है.

घटना को लेकर राजद ने सरकार पर बोला हमला : अब राजद नेता पर हुई फायरिंग के मामले पर पार्टी ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि यह किस तरह का शासन है? किस तरह का सुशासन है? विपक्षी दलों के नेताओं को गोली मारी जा रही है. उत्तर प्रदेश और बिहार के हालात में अब ज्यादा फर्क नहीं है. बिहार में अपराध और अपराधियों का बोलबाला है. सरकार का इकबाल समाप्त हो गया है वह स्पष्ट रूप से दिख रहा है. बिहार में अपराध और अपराधी मस्त हैं, शासन प्रशासन पस्त है. सबसे बड़ी बात है सरकार के अंदर बैठे लोग मलाई काटने में व्यस्त हैं.

उधर, इस घटना को लेकर बीजेपी नेता नीरज कुमार ने कहा कि मुंगेर में जो हुआ वो दुखद है लेकिन योगी के भय से यूपी में अपराधियों का क्या हाल है किसी से छुपा नहीं है.

बीजेपी नेता मिथिलेश तिवारी ने राजद सांसद सुधाकर को भेजा नोटिस

बक्सर । राजद सांसद सुधाकर सिंह को बीजेपी नेता मिथिलेश तिवारी ने लीगल नोटिस भेजा है. बीते बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी के प्रदेश सचिव मिथिलेश तिवारी ने कहा कि अगर वो (सुधाकर सिंह) माफी नहीं मांगेंगे तो कोर्ट में घसीट कर ले जाएंगे. दरअसल सुधाकर सिंह ने मिथिलेश तिवारी पर आरोप लगाया था कि बक्सर में 12 करोड़ की उन्होंने जमीन खरीदी है. एक स्कूल के अध्यक्ष पद पर रहते हुए उन्होंने 50 लाख का गबन भी किया था. ऐसे में बिना वसूली किए इतना पैसा कहां से आ रहा है? अब मिथिलेश तिवारी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर बक्सर से राजद के सांसद को झूठा बताते हुए उन्हें लीगल नोटिस भेजकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा है. मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मेरे बारे में अगर किसी ने भी यह साबित कर दिया कि बक्सर में एक रुपये की भी जमीन हमने खरीदी है तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा. बीजेपी नेता ने कहा कि सुधाकर सिंह बार-बार कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हमने कृषि मंत्री से इस्तीफा दे दिया था.

कारोबार

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री 25% बढ़ी

नयी दिल्ली । सितंबर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की बिक्री सालाना आधार पर 25% बढ़ी है. कुल ईवी रजिस्ट्रेशन 1.49 लाख रहे. बीते साल सितंबर में 1.19 लाख ईवी रजिस्टर्ड हुई थी. इस साल में में यह आंकड़ा 1.47 लाख रहा था. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में 19% वृद्धि दर्ज की गई. इस दौरान कुल 8.37 लाख ईवी रजिस्टर्ड हुए. बीते साल समान अवधि में 7.02 लाख वाहन रजिस्टर्ड हुए थे. वाहन पोर्टल के मुताबिक, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की बिक्री 43,120 यूनिट रही.

2000 रुपये के 98% नोट वापस आए

नयी दिल्ली । जब आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का ऐलान कर दिया तो उसके बाद से 2000 रुपये के नोट वापस आने का सिलसिला जारी है. आरबीआई ने प्रेस रिलीज 2 सितंबर 2024 को जारी की थी और इसमें अब नया अपडेट जारी किया गया है. इसके बाद समय-समय पर आरबीआई ने 2000 रुपये के नोटों के बारे में बताया कि उसके पास कितने नोट वापस आ गए और कितने रुपये के नोट बाकी हैं. 3 जून को बताया था कि 2000 रुपये के 7755 करोड़ रुपये के नोट नहीं आए हैं.

आईटी में इस साल गईं 1,24,000 नौकरियां

नयी दिल्ली । वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और देशों के बीच तनाव से सूचना प्रौद्योगिकी यानी आईटी क्षेत्र पर बुरा असर पड़ रहा है. इसका परिणाम यह हुआ कि इस साल वैश्विक स्तर पर 384 कंपनियों ने कुल 1.24 लाख को नौकरी से निकाल दिया है. चिंताजनक यह है कि कंपनियां अब दूसरी छमाही में दूसरे चरण की छंटनी की तैयारी कर रही हैं. हेल्थटेक स्टार्टअप डोजी ने घाटे को कम करने के लिए भारत में 40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है. वीट्रांसफर ने कर्मचारियों की संख्या में 75% की कटौती की है. प्राइस वाटर हाउस कूपर्स यानी पीडब्ल्यूसी ने लगभग 1,800 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है.

हुंडई मोटर 14 अक्टूबर को लॉन्च कर सकती है अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ

कंपनी आईपीओ से 25000 करोड़ रुपये जुटाने की है तैयारी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

दक्षिण कोरिया की ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ 14 अक्टूबर को खुलने की उम्मीद है. कंपनी आईपीओ के जरिए 25000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है. सरकारी क्षेत्र की इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी (एलआईसी) के 21000 करोड़ रुपये के भी बड़ा हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ होगा जो कि भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ साबित होगा. शेयर बाजार की रेगुलेटर सेबी ने मार्केट शेयर के हिसाब से देश की दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर कार कंपनी हुंडई मोटर को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है.

हुंडई मोटर को सेबी ने ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है. हुंडई मोटर का आईपीओ 14 अक्टूबर सोमवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 16 अक्टूबर तक निवेशक आईपीओ में आवेदन कर सकेंगे. अगले 18-20 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन मिलने की उम्मीद : हुंडई मोटर ने रेगुलेटर के पास जो ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल किया था उसके मुताबिक कंपनी पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के

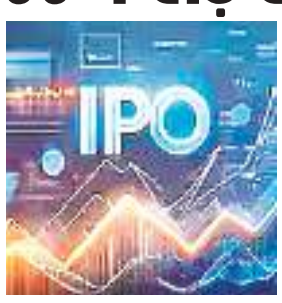

जरिए आईपीओ में पैसे जुटाएगी. इस ऑफर फॉर सेल में 142,194,700 शेयर्स प्रमोटर कंपनी हुंडई मोटर कंपनी की ओर से ऑफर किया जाएगा. आईपीओ प्राइस के हिसाब से हुंडई मोटर इंडिया को 18-20 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन मिलने की उम्मीद है. 28 बिलियन डॉलर तक आंका जा रहा है. पैसेंजर गाड़ियां बेचने के मामले में मारुति सुजुकी के बाद हुंडई मोटर इंडिया दूसरे स्थान पर रही थी. इस सेगमेंट में कंपनी के पास करीब 15 फीसदी मार्केट शेयर है. प्रस्तावित आईपीओ को लेकर जो वैल्यू आंका जा रहा है उसके मुताबिक हुंडई मोटर इंडिया घरेलू शेयर बाजार में दूसरी लिस्टेड ऑटोमोबाइल कंपनियां महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, आईशर मोटर्स से भी आगे निकल जाएगी. ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बाद हुंडई दूसरी ऑटोमोबाइल कंपनी है जो 2024 में अपना आईपीओ लेकर आ रही है. हालांकि हुंडई मोटर अपना आईपीओ तब लॉन्च करने जा रही है जब ईरान-इजरायल के बीच तनाव के चलते दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेज गिरावट देखी जा रही है. भारतीय शेयर बाजार में भी गुरुवार 3 अक्टूबर को तेज गिरावट देखने को मिली है और सेंसेक्स 1770 अंक या 2.10 फीसदी और निफ्टी 550 अंक या 2.12 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

इंटरनेट, 4जी व 5जी से होगा फायदा

2028 तक एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनेगी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

सरकार की डिजिटल पहल के साथ, भारत के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा बदलाव आया है. आस्क कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि गहरी इंटरनेट पहुंच, कुशल और सस्ती 4 जी और 5 जी सेवाओं और डिजिटल क्षेत्र में सरकार की पहल से भारत 2028 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है. भारत वास्तविक समय के भुगतान का एक वैश्विक उदाहरण बन गया है, जो यूपीआई जैसे घरेलू तकनीकी नवाचारों से लाभान्वित हो रहा है. भारत का डिजिटल परिवर्तन आर्थिक विकास के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा. पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के साथ-साथ स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग ने कैशलेस लेनदेन और ऑनलाइन खरीदारी को बढ़ावा दिया है. भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) के अनुसार, डिजिटल कौशल पर भारत का स्कोर डिजिटलीकरण के समग्र स्तर पर जापान, यूनाइटेड किंगडम

और जर्मनी जैसे विकसित देशों से आगे निकल गया है. प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जैसी सरकारी पहलों ने देश में सार्वभौमिक पहुंच और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में मदद की है. मोबाइल और ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच वित्तीय समावेशन को और गहरा करेगी और नई डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देगी.

भारत में डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन शिक्षा, टेली-मेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य, डिजास्टर रिस्पॉन्स और जीवन रक्षक सेवाएं बेहतर मोबाइल व इंटरनेट सेवाओं का लाभ उठा रही हैं. किफायती डेटा, स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या और ई-कॉमर्स में वृद्धि भारत के डिजिटल परिवर्तन को गति दे रही है. मार्च 2024 तक, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों से पता चला है.

सेबी ने फ्यूचर्स और ऑप्शन ट्रेडिंग के नियम किए सख्त

अब ट्रेडर्स को खर्च करने होंगे अधिक पैसे

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से फ्यूचर्स और ऑप्शन (एफएंडओ) ट्रेडिंग के नियमों को सख्त कर दिया गया है. अब इस सेगमेंट में कारोबार करने के लिए ट्रेडर्स को पहले के मुकाबले अधिक पैसे खर्च करने होंगे. बाजार नियामक द्वारा अब इंडेक्स डेरिवेटिव में कॉन्ट्रैक्ट साइज की न्यूनतम वैल्यू को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया गया है. साथ ही साप्ताहिक एक्सपायरी को प्रति एक्सचेंज एक इंडेक्स तक सीमित कर दिया है. ऐसे में अब एक

एक्सचेंज की ओर से सप्ताह में एक ही एक्सपायरी देखने को मिलेगी. सेबी की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया कि डेरिवेटिव्स में उच्च जोखिम को देखते हुए और मार्केट की वृद्धि के अनुरूप कॉन्ट्रैक्ट के साइज में पुनर्संयोजन यह सुनिश्चित करेगा कि प्रतिभागियों के लिए अपेक्षित मानदंड बने रहें.

जेमिनी एआई हिंदी सहित 8 अन्य भारतीय भाषाओं में लॉन्च

गूगल-पे पर अब गोल्ड लोन भी मिलेगा

नयी दिल्ली । टेक कंपनी गूगल का गुरुवार को 'गूगल फॉर इंडिया' इवेंट हुआ. ये इस इवेंट का 10वां साल है. इस इवेंट में जेमिनी एआई के हिंदी और 8 अन्य भारतीय भाषाओं में मिलने की घोषणा की गई. देशभर में गूगल-पे यूजर्स के लिए अब से गोल्ड लोन उपलब्ध होगा. इसके लिए गूगल ने मुथूट फाइनेंस के साथ पार्टनरशिप की है. लोन के लिए क्या प्रोसेस होगी अभी इसकी जानकारी कंपनी ने हीं दी है. गूगल पे ने अपनी लोन लिमिट को भी 5 लाख रुपए तक बढ़ा दिया है. गूगल ने भारत में अपने सस्टेनेबिलिटी गोल्स को अचीव करने के लिए अडाणी ग्रुप और क्लियरमैक्स के साथ पार्टनरशिप करने की घोषणा की है. इन पार्टनरशिप्स के तहत गुजरात के खावड़ा में 61.4 मेगावाट का सोलर-विंड हाइब्रिड प्लांट, राजस्थान में 6 मेगावाट का सोलर प्लांट और कर्नाटक में 59.4 मेगावाट का विंड प्लांट लगाया जाएगा.

परेशानी

आदमी की जेब पर बढ़ेगा बोझ, सरकारी नियंत्रण के बावजूद गेहूं के दामों में बढ़ोतरी जारी

दशहरा-दिवाली, शादियों में आटा हो सकता है महंगा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

देश में आज से नवरात्रि के पर्व के शुरू होने के साथ ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो जाएगी. 12 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा. वहीं माह के आखिरी में दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा. इसके बाद से ही शादियों का सीजन भी शुरू हो जाएगा. लेकिन इस त्योहारी सीजन में गेहूं के बढ़ते दाम परेशान कर सकते है. दरअसल, देश में सरकारी नियंत्रण के बावजूद गेहूं के दामों में बढ़ोतरी जारी है. सरकार ने अपरोक्ष रूप से गेहूं पर स्टॉक लिमिट लगाई हुई है. कारोबारियों को नियमित रूप से सरकार को गेहूं के स्टॉक की जानकारी देनी होती है. बावजूद

इसके दो महीनों में गेहूं के दाम 200 रुपये क्विंटल से अधिक बढ़े हैं. दिल्ली की थोक मंडी में गेहूं के दाम 3100 रुपये क्विंटल पार कर गए हैं. ऐसे में यह भी आशंका जताई जा रही है कि गेहूं और आटे से बनने वाले सभी प्रोडक्ट जैसे ब्रेड, मफ़िन, नूडल्स, पास्ता, बिस्किट, केक, कुकीज की कीमतों पर इसका असर दिख सकता है.

अनाज कारोबारियों का कहना है कि श्राद्ध पक्ष से ही गेहूं के दाम में बढ़ोतरी देखी जा रही हैं. आने वाले दिनों में यह और तेज होगा. अगर बाजार में गेहूं की आवक नहीं बढ़ी तो दीपावली तक गेहूं के दाम 3500 रुपये क्विंटल के पार कर जाएंगे. हालत ऐसे ही बने रहे तो शादी के सीजन में गेहूं के दाम 4000 रुपये क्विंटल के पार कर जाएंगे,क्योंकि गेहूं की नई आवक आने में अभी समय है.

कारोबारियों का कहना है कि, गेहूं के दामों को नियंत्रित करने के लिए सरकार को ओपन मार्केट सेल स्कीम जरिए गेहूं बेचना चाहिए. ओपन मार्केट सेल के जरिए गेहूं एक निश्चित दाम में बाजार में आएगा तो इससे गेहूं के दामों में जारी उछाल में कमी आएगी. अभी नई फसल आने में अभी पूरे 6 महीने हैं. ऐसे में पूरे साल गेहूं के दामों में नियंत्रण के लिए कम से कम 100 लाख टन गेहूं की ओपन मार्केट सेल के जरिए बाजार में उतारने की जरूरत है.

155 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक ज्यादा है : देश में गेहूं के स्टॉक की बात करे तो 1 अप्रैल को करीब 75 लाख मीट्रिक टन गेहूं था. जो बफर स्टॉक से थोड़ा सा अधिक था. जबकि इस साल 266 लाख मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद हुई है. अगर इन्हें जोड़ें तो 340 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक सरकार के पास सरकारी खरीद खत्म होने के बाद था.जबकि सरकारी राशन में वितरण के लिए 185 लाख मीट्रिक टन गेहूं अलग रखा जाना है. इसके बाद सरकार के पास 155 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक अतिरिक्त है.

इजराइल-ईरान युद्ध से सहमा बाजार

क्रूड ऑयल की कीमत 4% बढ़ी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

ईरान के इजराइल पर हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 74.50 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है. वहीं दूसरी ओर अमेरिकी क्रूड ऑयल की कीमत में भी 4 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. ईरान ने इजराइल पर पलटवार करते हुए एक साथ 102 बैलेस्टिक मिसाइलें दागी हैं. जिसके बाद मिडिल ईस्ट की टेंशन अपने चरम पर पहुंच गई हैं. जिसका असर कच्चे तेल की कीमतों में देखने को मिल रहा है. इस खबर के आने के बाद खाड़ी देशों का कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड ऑयल और अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई की कीमतों

में 4 फीसदी से ज्यादा तेजी देखने को मिल रही है. ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 74 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं. इससे पहले इजराइल के एयर स्ट्राइक से हिजबुल्लाह चीफ की मौत होने की खबर आई थी. जिसकी पुष्टि इजराइल के अलावा हिजबुल्लाह ने भी की थी. उसके बाद ईरान के प्रमुख को सेफ हाउस भेजने का प्रबंध किया गया था. कयास यही लगाए जा रहे थे कि ईरान इसका जवाब जरूर देगा. इसके लिए ईरान लेबनान के हिजबुल्लाह बाकी संगठनों के संपर्क में था.

न्यूज अपडेट

जेएंडके में पंचायत व निकाय चुनाव होंगे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पंचायत और शहरी निकाय चुनाव साल के अंत से पहले होने की संभावना है. जम्मू-कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के सफल समापन के बाद, अधिकारियों का कहना है कि स्थानीय चुनाव दिसंबर तक होंगे. अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में पंचायत और शहरी निकाय चुनावों के लिए तैयारियां चल रही हैं. विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए तैनात सुरक्षा बल नगर पालिका और पंचायत चुनाव संपन्न होने तक जम्मू-कश्मीर में ही रहेंगे.

आठ रेलवे स्टेशनों को उड़ाने की धमकी

अजमेर। राजस्थान के आठ रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद सभी स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई. स्टेशनों की गहन जांच की गई. यह धमकी एक लिफाफे में बंद पत्र के जरिए मिली थी. इस पत्र पर हनुमानगढ़ पोस्ट ऑफिस की 30 सितंबर की मोहर लगी हुई थी. अजमेर के जीआरपी सब इंस्पेक्टर को मंगलवार को बम की धमकी मिली थी. रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया, "हनुमानगढ़ के रेलवे अधिकारी को एक अक्टूबर की शाम को एक पत्र मिला था.

दो कॉलेजों, आठ स्कूलों को उड़ाने की धमकी

चेन्नई। तमिलनाडु में त्रिची जिले के दो कॉलेजों और आठ स्कूलों को फोन कॉल और ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है. पुलिस धमकियों की जांच कर रही है. स्निफर डॉग्स और स्पेशल बम स्क्वायड को कार्रवाई के लिए लगाया गया है. जिला पुलिस ने बताया कि सेंट जोसेफ कॉलेज में बम की धमकी मिली है. यह कॉलेज 180 साल पुराना है. पुलिस की कई टीमें जांच कर रही हैं. हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह धमकी झूठी लग रही है.

मृत बाघों में बर्ड फ्लू वायरस की हुई पुष्टि

हनोई। वियतनाम में मृत बाघों से लिए गए दो नमूनों में एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है. डोंग नाय प्रांत के मैंगो गार्डन इको-रिसॉर्ट में सितंबर की शुरुआत से अब तक 20 बाघ और एक तेंदुए की मौत हो चुकी है. रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय कंपनी ने जानवरों को खाने के लिए चिकन का मांस और सिर उपलब्ध कराया था, जिसे खाने के बाद वह बीमार पड़ गए. ऐसी संभावना है कि मृत बाघों ने संक्रमित चिकन का मांस खा लिया, जिस वजह से जानवर एच5एन1 वायरस से संक्रमित हुए हों.

ईशा फाउंडेशन की पुलिस जांच पर रोक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईशा फाउंडेशन के ख़िलाफ दायर याचिका को मद्रास हाई कोर्ट से ट्रांसफर कर लिया है. अब सुप्रीम कोर्ट ही इस मामले की सुनवाई करेगा. साथ ही तमिलनाडु पुलिस को दिए गए जांच के आदेश पर रोक लगा दी है. ईशा फाउंडेशन के फाउंडर जग्गी वासुदेव हैं. ईशा फाउंडेशन के ख़िलाफ एक शख़्स ने मद्रास हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका दायर की थी. शख़्स का आरोप है कि आश्रम में उनकी दो बेटियों को बंधक बनाकर रखा गया है.

दिल्ली में बायो डी-कंपोजर का छिड़काव

नयी दिल्ली। दिल्ली में पराली को गलाने के लिए बायो डी-कंपोजर के छिड़काव की शुरुआत की गई. यह शुरुआत गुरुवार को दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र पल्ला से आरंभ हुई. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के मुताबिक दिल्ली सरकार इस साल पांच हजार एकड़ से ज्यादा खेतों में निशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करेगी. बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए 11 टीमों का गठन किया गया है. बासमती और गैर बासमती धान के सभी खेतों में सरकार की तरफ से निशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव किया जाएगा.

अपनी ही पार्टी के खिलाफ बोले जद एस नेता

मैसूर। जनता दल (सेक्युलर) से विधायक जीटी देवगौड़ा ने गुरुवार को कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अपनी ही पार्टी और केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना की. जीटी देवगौड़ा ने कहा कि जब किसी पर एफआईआर होती है तो उसको किसी पद पर नहीं रहना चाहिए. इसमें भाजपा, जनता दल और कांग्रेस के लोग भी शामिल हैं, अगर उनपर भी एफआईआर होती है, तो उनको भी पद पर नहीं बने रहना चाहिए.

तिरुपति प्रसाद केस की सुनवाई स्थगित

नयी दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को तिरुपति के लड्डुओं में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल से जुड़े विवाद की अदालत की निगरानी में जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 4 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी. पीठ ने सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर सुनवाई शुक्रवार सुबह तक स्थगित करने का फैसला किया. पिछली सुनवाई में एसजी से यह निर्देश प्राप्त करने को कहा गया था कि क्या पुलिस द्वारा एसआईटी को विवाद की जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए या जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपी जानी चाहिए.

उत्तर प्रदेश में अपराधी बेलगाम : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय, अत्याचार चरम पर है. वहीं कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है. उन्होंने कहा कि, प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर कार्रवाई कर रही है. सूबे में दोषियों को बचाने का काम किया जा रहा है. चाहे हाथरस में दलित बेटी का जबरन दाह संस्कार हो या बीएचयू में गैंगरेप का मामला, इस सरकार में उन्हें न्याय नहीं मिला.

अमेरिका में हेलेन तूफ़ान से तबाही, अब तक 180 लोगों की मौत; सैकड़ों की संख्या में लोग अब भी लापता

अमेरिका में हेलेन तूफ़ान से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 180 हो गई है. इससे दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी राज्य प्रभावित हैं. राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है. तूफान से हुई तबाही देखने के लिए बाइडन हेलीकॉप्टर से उत्तरी और दक्षिणी कैरोलिना गए. जबकि हैरिस बुधवार को जॉर्जिया गईं. सैकड़ों की संख्या में लोग अब भी लापता हैं. खोज और बचाव दल को दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने में दिक्कतें आ रही हैं. तूफान से प्रभावित छह राज्यों में 6000 नेशनल गार्ड मेंबर्स और 4800 फेडरल एड वर्कर्स की मदद के लिए बाइडन ने 1000 सक्रिय सैनिकों को भेजा है. दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है. बीते गुरुवार को हेलेन तूफान आया था. ये श्रेणी चार का तूफान है. -एजेंसी

पिछले 24 घंटों में 46 लोगों की मौत, हिज़्बुल्लाह के 15 सदस्य भी मारे गए

लेबनान में इजराइली हवाई हमलों ने मचाई भारी तबाही

एजेंसियां। बेरूत/तेल अवीव/ तेहरान

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों ने भारी तबाही मचाई है. लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में एयर स्ट्राइक में मरने वालों की संख्या 46 हो गई, जबकि 85 लोग घायल हुए हैं. वहीं इसराइली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान में बिंत जेबिल ज़िले समेत कई जगहों पर हमले किए हैं. इन हमलों में हिज़्बुल्लाह के 15 सदस्य मारे गए हैं. उसने यह दावा भी किया कि गाजा पट्टी में हमास सरकार के प्रमुख रावी मुश्ताहा की मौत तीन महीने पहले एयर स्ट्राइक में हो चुकी है. इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका और यूरोप की उपस्थित को पश्चिमी एशिया की समस्याओं का मूल कारण बताया है.

लेबनानी मंत्रालय ने कहा कि बालबेक-हर्मेल प्रांत में पांच लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए. नबातिह प्रांत में 23 लोग मारे गए और 41 अन्य घायल हो गए. मंत्रालय ने यह भी बताया कि दक्षिण प्रांत में 11 लोग मारे गए और 21 अन्य घायल हो गए. मंत्रालय के मुताबिक बेका क्षेत्र में छह लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए, जबकि माउंट लेबनान में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया. वहीं आईडीएफ़ ने बताया कि उसने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के करीब 200 ठिकानों पर हमला किया, जिनमें हथियार रखने के लिए इस्तेमाल होने वाले स्थान और निगरानी करने वाली चौकी शामिल हैं. इस बीच यहूदी राष्ट्र ने बुधवार को लेबनान में अपने आठ सैनिकों की मौत की पुष्टि की. वहीं ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह ने कहा कि उसने जमीनी लड़ाई के दौरान इसराली टैंकों को नष्ट कर दिया है और इस बात का ध्यान रखा है कि उसके पास इसराइली सेना को पीछे धकेलने के लिए पर्याप्त सैनिक और गोला-बारूद है. इजरायली हवाई हमलों के कारण लेबनान में विस्थापित लोगों की कुल संख्या लगभग 12 लाख हो गई है.

234,023 सीरियाई व 76,269 लेबनानी सीरिया जाने को हुए मजबूर : लेबनानी मंत्रिपरिषद की डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट यूनिट की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, विस्थापित लोग अन्य क्षेत्रों में अपने परिवार के साथ रहने को मजबूर हैं. वे, मकान किराए पर ले रहे हैं या सार्वजनिक या निजी जगहों पर शरण ले रहे हैं. वहीं हजारों अन्य लोग सीरिया में प्रवेश कर गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 23 सितंबर से 29 सितंबर तक 234,023 सीरियाई और 76,269 लेबनानी नागरिकों ने सीरियाई क्षेत्र में प्रवेश किया. रिपोर्ट में कहा गया कि लेबनान में विस्थापित लोगों को रखने के लिए 867 केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 643 अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंच चुके हैं. 23 सितंबर से, इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले तेज कर दिए. उसका कहना है कि यह कार्रवाई लेबानानी संगठन हिजबुल्ला के खात्मे के लिए की जा रही है. पिछले शुक्रवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगर में एक महत्वपूर्ण हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और उसके कई सहयोगी मारे गए. वहीं इस हफ्ते इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी सैन्य अभियान भी शुरू कर दिया. इजराइली हमलों में अब तक 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए हैं. बता दें कि 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे. नवीनतम घटनाक्रम इसी संघर्ष का विस्तार है.

लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ जमीनी लड़ाई में अपने आठ सैनिकों की मौत की पुष्टि की आईडीएफ ने

अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की उपस्थिति पश्चिमी एशिया में समस्याओं का मूल कारण : ईरानी सर्वोच्च नेता

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने कहा-क्षेत्र को छोड़ें अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश हम खुद को नियंत्रित करने में पूर्ण सक्षम

इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में समस्याओं का मूल कारण इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की उपस्थिति है. उनके कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, उन्होंने राजधानी तेहरान में ईरानी अभिजात वर्ग और वैज्ञानिक प्रतिभाओं के एक समूह के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की, जबकि उन्होंने क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की. खामेनेई ने कहा कि यदि संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश इस क्षेत्र को छोड़ देते हैं, तो 'संघर्ष, युद्ध और झड़पें पूरी तरह से बंद हो जाएंगी.' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय राज्य खुद को नियंत्रित करने में सक्षम हैं और शांति और समृद्धि में सह-अस्तित्व में रह सकते हैं. उनकी टिप्पणी ईरान द्वारा मंगलवार शाम को इजरायल में टारगेट्स पर लगभग 180 बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण के बाद आई. तेहरान का दावा है कि यह हमला इजरायल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनीयेह, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह और वरिष्ठ आईआरजीसी कमांडर अब्बास निलफोरुशन की हत्याओं के साथ-साथ अमेरिकी समर्थन से लेबनानी और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल द्वारा बढ़ते 'दुर्भावनापूर्ण कृत्यों' के प्रतिशोध में किया गया था.

गाजा में 'मानव निर्मित' भुखमरी, पूरी आबादी मदद पर है निर्भर : संरा

गाजा। यूएन अधिकारी फिलिप लाजारिनी ने चेतावनी दी कि इजरायल के लगातार हमलों के बीच गाजा में भुखमरी फैल रही है. उन्होंने बुधवार को एक्स पर लिखा, 'अगस्त में गाजा में 10 लाख से अधिक लोगों को खाद्यान्न राशन नहीं मिला और सितंबर तक यह संख्या बढ़कर 14 लाख से अधिक हो गई.' लाजारिनी, नियर ईस्ट में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूनाइटेड नेशन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कमिश्नर जनरल हैं. उन्होंने कहा कि असुरक्षा, क्षतिग्रस्त सड़कों और कानून-व्यवस्था के टूटने की वजह से गाजा में 100,000 मीट्रिक टन से अधिक खाद्य आपूर्ति बाधित हो गई है. लाज़ारिनी ने कहा कि गाजा में भूख "पूरी तरह से मानव निर्मित है लगभग 70 प्रतिशत फसलें नष्ट हो गई हैं. पूरी आबादी को केवल मानवीय सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है."

हरियाणा में थमा विधानसभा चुनाव प्रचार, अब पांच अक्टूबर का इंतजार

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार गुरुवार शाम को थम गया. अब सूबे की जनता को पांच अक्टूबर का इंतजार है. जब मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं ने प्रदेश के अलग-अलग जगहों में रैली और जनसभाएं की.

अब 90 सीटों के लिए पांच अक्टूबर को मतदान होगा. वहीं, आठ अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे. मतदान को लेकर पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को मतदान केंद्रों पर रवाना होंगी. राज्य में कुल 20,632 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. सबसे ज्यादा केंद्र फरीदाबाद सीट पर 1650 केंद्र हैं, जबकि सबसे कम डबवाली विधानसभा क्षेत्र में 400 केंद्र हैं. इसके बाद पंचकूला में 455 मतदान केंद्र हैं. चुनाव के लिए रिजर्व इवीएम सहित कुल 27,866 ईवीएम (बैलेट यूनिट) का उपयोग होगा. इसके साथ 26,774 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा. 24,719 कंट्रोल यूनिट भी बनाए गए हैं.

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा है कि बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है. मैंने लोगों में जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं. हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी, नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे.

हरियाणा के लोग भाजपा को फिर आशीर्वाद देने वाले हैं : मोदी

बांग्लादेश ने भारत से उच्चायुक्त को वापस बुलाया

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत में अपने उच्चायुक्त समेत पांच देशों से अपने राजनयिक वापस बुला लिए हैं. इन्हें ढाका वापस आने को कहा गया है. भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, पुर्तगाल और संयुक्त राष्ट्र से राजनयिकों को वापस बुलाया गया है. भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में हाल में ही बड़ा राजनीतिक बदलाव हुआ है. कई हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद यहां नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनी. विरोध प्रदर्शनों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख़ हसीना को 5 अगस्त को इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ना पड़ा था. वो भारत आ गई थीं. इससे पहले बांग्लादेश ने ब्रिटेन से अपने उच्चायुक्त सईदा मुना तस्नीम को वापस बुलाया था. हाल में ही अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस अमेरिका दौरे पर भी गए थे.

क्या होता है वोट जिहाद? फडणवीस के बयान पर भड़क उठे संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने उप मुख्यमंत्री से पूछा- क्या आप लोग फिर से इस देश को तोड़ने का ख्वाब देख रहे हैं

एजेंसी। मुंबई

महराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा में अगले कुछ दिनों में होने वाली है. ऐसे में राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही है. इसी कड़ी में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि आखिर आप मुझे बताइए कि ये वोट जिहाद क्या होता है? आपको यह पता होना चाहिए, इस देश में मुस्लिम, पारसी, जैन, हिंदू सभी वोट करते हैं और आपको सभी के वोट का सम्मान करना चाहिए.

उन्होंने कहा कि अगर लोग आपको (भाजपा) वोट करेंगे, तो ठीक है, नहीं तो... चलिए, अब आप वोट जिहाद की बात करते हैं, तो मेरा आपसे सीधा-सा सवाल है कि आखिर आप मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक का कानून लेकर क्यों आए. अब हमें पता लगा है कि महाराष्ट्र में गुजरात के लोग बीजेपी को वोट देते हैं, तो अब मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि इस मामले में आपका क्या रुख रहेगा, ना महज गुजराती बल्कि अन्य समाज के लोग भी आपको वोट देते हैं. उन्होंने कहा कि आखिर इस देश में क्या चल रहा है. क्या आप लोग फिर से इस देश को तोड़ने का ख्वाब देख रहे हैं. आपको पता होना चाहिए यह गांधी का देश है. कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी पर बहुत बड़ा प्रवचन दिया. ये लोग (भाजपा) दावा करते हैं कि आप लोग गांधी विचारधारा से अलग हो गए हैं. अगर हम लोग गांधी विचारधारा से अलग हो गए हैं, तो आप कहां गांधी विचारधारा में रहे. आप भी तो गांधी विचारधारा से अलग हो चुके हैं. वोट जिहाद इन लोगों के दिमाग का कचरा है. बता दें कि देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बीजेपी को लगे झटके पर कहा था कि कुछ लोगों (मुस्लिम समुदाय) को लगता है कि भले ही हमारा संख्या बल कम है. हमारे लोग कम हों, लेकिन हम एकजुट होकर हिंदूवादी विचारधारा को पराजित कर देंगे, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उनका यह ख्वाब किसी भी कीमत में पूरा होने वाला नहीं है.

लोकप्रियता हालांकि एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर मस्क के अधिकांश फॉलोअर्स नकली हैं

मस्क 200 मिलियन फॉलोअर्स वाले पहले शख्स बने

एजेंसी। नयी दिल्ली

टेक अरबपति एलन मस्क गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 200 मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बन गए. उन्होंने अक्टूबर 2022 में 44 बिलियन डॉलर में इसका अधिग्रहण किया था.

एक्स के मालिक को 131.9 मिलियन फॉलोअर्स के साथ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और 113.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ प्रसिद्ध फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फॉलो करते हैं. लोकप्रिय गायक जस्टिन बीबर 110.3 मिलियन फॉलोअर्स के साथ चौथे स्थान पर हैं और रिहाना 108.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ पांचवें स्थान पर हैं. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में दुनिया में 100 मिलियन का आंकड़ा पार किया है. जिसकी मस्क ने सराहना की थी. अब उनके 102.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं. मस्क ने हाल ही में कहा कि एक्स के अब 600 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमएयू) और लगभग 300 मिलियन दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता (डीएयू) हैं. हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मस्क के अधिकांश फॉलोअर्स नकली हैं और लाखों नए निष्क्रिय अकाउंट्स की वजह से यह संख्या बढ़ गई है. हालांकि, दावे को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. टेस्ला और स्पेस एक्स के मालिक के मुताबिक, एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पृथ्वी के लिए एक ग्रुप चैट बन गया है, जिस पर दुनिया भर से सबसे ज्यादा ट्रैफिक आता है.

प्रधानमंत्री मोदी के 102.4 मिलियन फॉलोअर्स

एक्स पृथ्वी के लिए ग्रुप चैट है : एलन मस्क

एलन मस्क ने पोस्ट किया था, "एक्स पृथ्वी के लिए ग्रुप चैट है." टेक अरबपति का लक्ष्य इसे एक "एवरीथिंग ऐप" बनाना है, जहां लोग फिल्में और टीवी शो पोस्ट कर सकें और डिजिटल भुगतान भी कर सकें. मस्क ने यह भी दावा किया कि अमेरिका में एक्स का उपयोग अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है. इस सप्ताह की शुरुआत में, वैश्विक निवेश फर्म फिडेलिटी ने मस्क द्वारा संचालित एक्स (पूर्व में ट्विटर) में अपनी हिस्सेदारी के मूल्य में 78.7 प्रतिशत की कटौती की. इसका अर्थ है कि एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का मूल्य केवल 9.4 बिलियन डॉलर होने की संभावना है.

'ब्राह्मण वीर सावरकर भी गोमांस खाते थे' कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर बवाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

- उदित राज ने बयान का किया समर्थन, भाजपा का पलटवार

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने वीर सावरकर पर बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया है. मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, वीर सावरकर ब्राह्मण थे, लेकिन गोमांस खाते थे. इस बयान पर राजनीति के गलियारों में हलचल तेज हो गई है. भाजपा ने इस बयान पर पलटवार किया है. भाजपा ने कहा कि जिनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है, वह इस तरह के बयान देते हैं. देश में अच्छे-अच्छे स्वास्थ्य केंद्र हैं, जहां से उन्हें इलाज कराने की जरूरत है. वहीं, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के बयान का दिल्ली कांग्रेस नेता उदित राज ने समर्थन किया है.

उदित राज ने गुरुवार को आईएएनएस से कहा कि वीर सावरकर गाय को जानवर मानते थे. जानवर तो जानवर ही होता है. कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने वही बात कही है, जो वीर सावरकर कहते थे. वहीं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक के मुख्यमंत्री आवास छोड़कर लुटियंस दिल्ली के बंगले में रहने की बात पर उदित राज ने कहा, अरविंद केजरीवाल शुरू से ही बंगलों के खिलाफ थे, लेकिन, बाद में यूटर्न लिया. अब वह एक बंगले को छोड़कर दूसरे बंगले में जाएंगे. उनके यूटर्न के बारे में पूरी मीडिया जानती है. हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ ड्रग्स सिंडिकेट के मास्टरमाइंड तुषार गोयल का नाम जुड़ा है. इस पर उदित राज ने कहा, वो एक बड़ी शख्सियत हैं, वह रोजाना कई लोगों के साथ मिलते हैं. सबकी जांच तो नहीं कर सकते हैं, लेकिन, तुषार गोयल दोषी है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए. इसी तरह जम्मू में भाजपा के माइनॉरिटी सेल में तालिब हुसैन था, वह तो लश्कर-ए-तोयबा का आतंकवादी था. भाजपा इस पर जवाब दें. बता दें कि दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ड्रग स्कैंडल का खुलासा किया है. पुलिस ने भारी मात्रा में कोकीन बरामद की है. मार्केट में इसकी कीमत पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)